राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 12 फ़रवरी 2026
वर्ष 07, अंक 132, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जिसको पुलिस ढूंढ रही थी गली-गली, वह तो प्रेमी के साथ राजस्थान में मिली, महीनों से बच्चों के साथ थी लापता...02

लेंबोर्गिनी एक्सीडेंट मामले में ड्राइवर मोहन को कोर्ट में पेश किया, पुलिस ने कहा कार शिवम् मिश्रा ...11

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा, वही दिखेगा

स्वतंत्र प्रभात के राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अख़बार, पत्रिका एवं ऑनलाइन चैनल में काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरोचीफ, संवाददाता और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

अपना बायोडाटा भेजे : 9511151254

www.swatantraprabhat.com www.epaper.swatantraprabhat.com

'घटना के बाद ही क्यों अधिकारी हरकत में आते हैं', चाइनीज मांझे से मौतों पर UP हाई कोर्ट सख्त

● सरकार को क्या दिए निर्देश?

उत्तर प्रदेश में सरकारी मांझे से होने वाली मौतों और लोगों के घायल होने पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है. कोर्ट ने सरकार से पूछा कि प्रदेश में चाइनीज मांझे पर रोक के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे?

उत्तर प्रदेश में सरकारी मांझे से होने वाली मौतों और लोगों के घायल होने पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है. हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राज्य सरकार से पूछा- घटना के बाद ही क्यों अधिकारी हरकत में आते हैं. जबकि इन घटनाओं पर आसानी से लगाम लगाई जा सकती है. कोर्ट ने सरकार से पूछा कि प्रदेश में चाइनीज मांझे पर रोक के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे?

हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने इसके लिए सरकारी वकील को 11 मार्च तक जवाब दाखिल करने को कहा है. साथ ही सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि अभिभावकों समेत बच्चों में खतरनाक मांझे की जागरुकता फैलाई जाए. चाइनीज मांझे की बिक्री और प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया जाए. इस पर सख्ती से कार्रवाई जाए. पीड़ितों को मेडिकल समेत मुआवजा दिए जाने पर विचार किया जाए. कोर्ट ने कहा कि चाइनीज मांझे से भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई घटना न हो, इसके लिए दिए निर्देशों का पालन किया जाए.

अगली सुनवाई 11 मार्च को, सरकारी वकील क्या बोले?

कोर्ट ने इसकी रोकथाम के लिए राज्य सरकार को ठोस कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं. जस्टिस राजन रॉय और जस्टिस अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने बुधवार को यह आदेश अधिवक्ता मोतीलाल यादव की वर्ष 2018 में दाखिल

जनहित याचिका पर दिया है जिसमें प्रदेश में चाइनीज मांझे पर सख्त प्रतिबंध लगाने की गुजारिश की गई है.

उधर, राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने खुद चाइनीज मांझे पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को कारवाई की है. आदेश जारी किए हैं. कोर्ट ने सरकारी वकील को मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देकर अगली सुनवाई 11 मार्च को तय की है.

याचिकाकर्ता ने कोर्ट में खोली सरकार की पोल

याचिकाकर्ता ने मीडिया में चली खबरों को कोर्ट के सामने रखते हुए कहा कि हाल ही में करीब 10 लोग लगातार चाइनीज मांझे से जख्मी हुए हैं. इनमें से कुछ की मौत भी हो गई है. इस पर कोर्ट ने सरकारी वकील से पूछा कि आखिर लोगों की जान जाने या घायल होने पर ही सरकारी अमला क्यों कार्यशील होता है. इसके मद्देनजर, कोर्ट ने सरकार को इसकी रोकथाम के लिए स्थाई ठोस कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया. ताकि, ऐसी घटनाएं न हों

एक मिसाल ये भी! मुस्लिम माता-पिता ने हिंदू रीति-रिवाज से कराई बेटे की शादी, हर जगह हो रही तारीफ

● कर्नाटक के बस्तावाड़ा गांव में एक मुस्लिम दंपति, महबूब और नूरजन ने मानवता की मिसाल पेश की है. उन्होंने दो हिंदू अनाथ बच्चों को गोद लिया और उनका पालन-पोषण हिंदू रीति-रिवाजों से किया. हाल ही में, उन्होंने अपने दत्तक पुत्र सोमशेखर का विवाह हिंदू विधि-विधान से संपन्न कराया. यह घटना धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक सद्भाव और आपसी प्रेम का अनुपम उदाहरण है

कर्नाटक में बेलगाम जिले के हुक्केरी तालुक का बस्तावाड़ा गांव एक ऐसी दुर्लभ घटना का गवाह है जहां मानवता ने धार्मिक और जातिगत भेदभाव को दर किनार करते हुए एक मुस्लिम दंपति, महबूब नाइकवाड़ी और नूरजन ने अपने दत्तक पुत्र, एक हिंदू युवक का विवाह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार करवाकर समाज के लिए एक मिसाल कायम की है. दत्तक पुत्र का हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह करवाने के इस कदम की हर तरफ सराहना हो रही है।

यह घटना लगभग बीस साल पहले घटी थी. दो भाई, सोमशेखर पूजार और वसंत पूजार, बचपन में ही अपने माता-पिता को खो बैठे और अनाथ हो गए. उस समय सोमशेखर चार साल का और वसंत दो साल का था. माता-पिता की मृत्यु के बाद, परिवार ने बच्चों की देखभाल करना छोड़ दिया, जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

बेटे की हिंदू रीति-रिवाज से की शादी

एक मुस्लिम दंपत्ति जिन्होंने अपने बच्चों का पालन-पोषण हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार किया. उस समय, पड़ोस में रहने वाले महबूब और नूरजान दंपत्ति ने आगे आकर इन दो बच्चों को अपने पांच बच्चों के साथ गोद ले लिया. अलग-अलग धर्मों के होने के बावजूद, उन्होंने अपने बच्चों का पालन-पोषण हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार किया और शिक्षा सहित हर क्षेत्र में उनकी मदद की।

क्या है मामला?

अब वयस्क हो चुके सोमशेखर पूजार का विवाह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ। विवाह समारोह में महबूब दंपति ने स्वयं माता-पिता की भूमिका निभाई और सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए. जाति और धर्म के नाम पर हो रहे दंगों से भरे मौजूदा हालात में, इस मुस्लिम दंपति द्वारा दिखाई गई मानवता और एकजुटता की व्यापक रूप से सराहना की गई है। बस्तावाड़ा गांव में घटी यह घटना सामाजिक सद्भाव का एक उदाहरण है।

मुस्लिम दंपति की हर कोई सराहना कर रहा है. लोग कह रहे हैं जहां देशभर में लोगों को आपस में लड़ाने कोशिश की जा रही है. दो धर्म के लोगों को एक दूसरे के सामने खड़ा करने कोशिश हो रही है. ऐसे में महबूब ने दत्तक पुत्र की हिंदू रीति-रिवाज से शादी करके एक मिसाल कायम की है।

संक्षिप्त ख़बरें

भारत टेलीकाम एंड मोबाईल सेंटर का सपा नेता ने किया उदघाटन

मनकापुर गोण्डा: सपा के वरिष्ठ नेता हफीज मलिक ने बतौर मुख्य अतिथि गौरा चौकी चौराहा पर पहुँच कर भारत टेलीकाम एंड मोबाईल सेंटर के उदघाटन समारोह मे शामिल हूए इस अवसर पर उन्होंने कहा की इस सेंटर के खुलने से क्षेत्रवासियो को नये नये एसोसिरीज के मोबाईल खरीदने का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर अब्दुल अजीज, बब्बू गल्ला, सुनील शर्मा अधिकांस गणमान्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में अर्द्ध नग्न आवस्था में मिला अधेड़ का शव, हत्या की अंशका

सिद्धार्थनगर, चिल्हिया थाना क्षेत्र के चिल्हिया-पल्टा देवी मार्ग पर टेकनार गांव के पास तालाब किनारे मिले अज्ञात व्यक्ति के शव ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। बुधवार की सुबह राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में लाश की शिनाख्त भी हो गई।पुलिस प्रथम दृष्टया इसे डूबने के बाद हुई मृत्यु बता रही है, लेकिन घटनास्थल के हालात कई गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। चिल्हिया थानाक्षेत्र के टेकनार में चिल्हिया-पल्टादेवी मार्ग पर लावारिस हालत में मिली करीब 55 वर्षीय व्यक्ति की अर्द्धनग्न लाश की शिनाख्त पुलिस के प्रयास से हो गई है।जोगिया थाना क्षेत्र के महदेवा नानकार निवासी पुजारी (55) पुत्र समुझ के रूप में लाश की पहचान परिजनों ने किया है। मृतक के शरीर पर केवल अंडरवियर था। मृतक के दोनों पैरों पर मिले गहरे घाव हैं, जिनसे खून निकलता दिखाई दिया। पुलिस का कहना है कि ये घाव पानी में रहने वाली जोंकों के कारण हो सकते हैं और मामला डूबने का प्रतीत होता है। लोगों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। परिजनों के मुताबिक मृतक पुजारी की दिमागी हालत ठीक नहीं थी और वह आठ फरवरी से ही घर नहीं गए थे।उनके चार पुत्र व चार पुत्री हैं।मृतक के एक पुत्र की मौत लगभग चार वर्ष पहले बिजली के करेंट की चपेट में आने से हो गई थी। इस संबंध में चिल्हिया एसओ राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मौत का कारण डूबना हो सकता है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकता है।

यूपी: ब्रिटिश मौलाना शमशुल हुदा पर ईडी का शिकंजा, आवास समेत 4 ठिकानों पर रेड

● उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले में ब्रिटिश मौलाना शमशुल हुदा पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का शिकंजा कसता जा रहा है. ईडी की टीम ने बुधवार को मौलाना शमशुल हुदा के संतकबीरनगर और आजमगढ़ स्थित घरों पर ईडी ने रेड की है

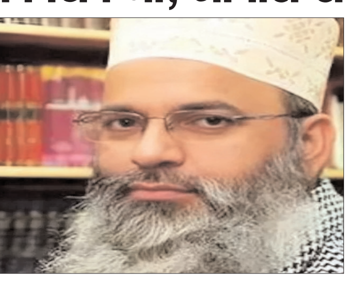

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले में ब्रिटिश मौलाना शमशुल हुदा पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का शिकंजा कसता जा रहा है. ईडी की टीम ने बुधवार को संतकबीरनगर में मौलाना के 4 ठिकानों पर छापेमारी की. सूत्रों से पता चला है कि ईडी की रेड में 5.5 करोड़ का लेन-देन और 20 करोड़ की संपत्ति का खुलासा हुआ है. साथ ही पता चला है कि मौलाना यूके की नागरिकता लेने के बाद भी वेतन और पेंशन लेता रहा है.

मौलाना शमशुल हुदा के संतकबीरनगर और आजमगढ़ स्थित घरों पर ईडी ने रेड की है. बुधवार सुबह लखनऊऊ से ईडी की एक-एक टीम दोनों जगह पहुंची. संतकबीरनगर में 3 अधिकारियों की टीम पहुंची. घर पर मौजूद सदस्यों के मोबाइल फोन जब्त कर जांच शुरू कर दी. प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत रहे शिक्षक शमशुल पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के आरोप है उन पर इस मामले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं. जांच के दौरान करोड़ों रुपये के लेन-देन और कई संपत्तियों का खुलासा हुआ है. जानकारी के मुताबिक, शमशुल हुदा खान साल 1984 में एक मदरसे में प्राथमिक शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे. साल 2013 में उन्होंने यूनाइटेड किंगडम (यूके) की नागरिकता हासिल कर ली

तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज

आरोप है कि इसके बावजूद वे वर्ष 2017 तक वेतन लेते रहे. इतना ही नहीं, सेवानिवृत्ति के बाद भी साल 2023 तक पेंशन भी लेते रहे. जांच में यह भी सामने आया है कि वर्ष 2013 में यूके की नागरिकता लेने के बाद भी उन्होंने कथित रूप से साल 2017 के विधानसभा चुनाव में मतदान किया. इस पूरे मामले में शमशुल हुदा, उनकी पत्नी, बेटे और बहू के खिलाफ तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं. जांच एजेंसियां वित्तीय अनियमितताओं, सरकारी धन के दुरुपयोग और अन्य संभावित अपराधों की गहराई से जांच कर रही हैं.

जांच में अब तक हुए खुलासे

वित्तीय जांच में खुलासा हुआ है कि लगभग 5.5 करोड़ रुपये चार बैंक खातों में आए हैं. ये खाते शमशुल हुदा, उनकी पत्नी, बेटे, बहू और उनसे जुड़े एनजीओ रजा फाउंडेशन के नाम पर बताए जा रहे हैं. जांच एजेंसियां इन लेन-देन के सोर्स और उपयोग की पड़ताल कर रही हैं. जांच में पिछले 5 से 7 सालों के दौरान कमाई की गई 17 संपत्तियों की जानकारी भी सामने आई है. इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है.

बैंक खातों, संपत्तियों और मतदान संबंधी रिकॉर्ड की पड़ताल

संपत्तियों के दस्तावेजों और फंडिंग सोर्स की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इनकी खरीद में कथित अवैध धन का इस्तेमाल तो नहीं हुआ. जांच को आगे बढ़ाते हुए ईडी ने संत कबीर नगर जिले में चार अलग-अलग परिसरों पर सर्च ऑपरेशन चलाया. छापेमारी के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड और अन्य सबूत जुटाए गए हैं. यह मामला सरकारी सेवा में रहते हुए विदेशी नागरिकता प्राप्त करने, वेतन और पेंशन लेने, कथित अवैध वित्तीय लेन-देन और संपत्ति कमाने जैसे गंभीर आरोपों से जुड़ा है. जांच एजेंसियां अब बैंक खातों, संपत्तियों और मतदान संबंधी रिकॉर्ड की गहन पड़ताल कर रही हैं.

सोनभद्र दबंगों का तांडव, ड्यूटी पर तैनात पेट्रोल पंप कर्मी को बेरहमी से पीटा सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र (कोन)। जनपद के थाना कोन अंतर्गत एक पेट्रोल पंप पर दबंगई और मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीती रात (10-02-26) लगभग 10:00 बजे, ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी वासुदेव यादव के साथ कुछ असामाजिक तत्वों ने न केवल अभद्रता की, बल्कि नियमों का हवाला देने पर उन्हें जानलेवा तरीके से पीटा। प्रार्थी वासुदेव यादव, जो पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल वितरण का कार्य करते हैं, अपनी ड्यूटी समाप्त कर चुके थे। तभी ग्राम कचनरवा निवासी वशिष्ठ यादव और सुजीत यादव उर्फ 'बुल्लू' अपने 7 अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंचे। दबंगों ने नियम विरुद्ध जाकर दूसरे वाहन में डीजल भरने का दबाव बनाया। जब वासुदेव ने यह कहते हुए मना किया कि उनकी ड्यूटी का समय (साढ़े सात बजे तक) समाप्त हो चुका है, तो आरोपी उग्र हो गए। आरोपियों ने वासुदेव को भद्दी-भद्दी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए उन पर लात-घूंसों से हमला कर दिया। इस हमले में

वासुदेव के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद अजय और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर प्रार्थी की जान बचाई। पूरी वारदात पेट्रोल पंप पर लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई है, जो आरोपियों के खिलाफ सबसे बड़ा सबूत है। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी सुजीत यादव उर्फ बुल्लू एक आदतन अपराधी है। उस पर पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे न्यायालय में विचाराधीन हैं, जिनमें डीएफओ के साथ मारपीट, हरिजन बनाम स्वर्ण विवाद और भू-माफिया से जुड़े मामले शामिल हैं। इलाके में उसकी पहचान एक सरहंग और बदमाश किस्म के व्यक्ति के रूप में है।

बच्ची की हत्यारोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल, रेप के बाद गला दबाकर की हत्या

सीतापुर जनपद सीतापुर के बिसवा कोतवाली इलाके में सोमवार की देर रात झोपड़ी में 5 वर्षीय बच्ची का खून से लथपथ शव मिलने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने आरोपी को मंगलवार की देर शाम पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस की गोली का शिकार होने से अपराधी के पैर में गोली लगी है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है मालूम हो कि क्षेत्र के गांव की रहने वाले 5 वर्षीय मासूम सोमवार दोपहर 3 बजे घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गई थी। इसके बाद देर रात खोजबीन पर उसका शव गांव के बाहर पड़ी झोपड़ी में खून से लथपथ बरामद हुआ। पुलिस ने हत्या के एंगल में जांच करते हुए मंगलवार सुबह पांच टीमें लगाकर हत्यारोपी तक पहुंचने की तलाश शुरू की। डॉक्टरों के पैनल में हुए पोस्टमार्टम के बाद यह पुष्टि हुई कि मासूम के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या हुई हैं। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ

शुरू की तो आरोपी तक पहुंचने के लिए घेराबंदी की एसपी अंकुर अग्रवाल के नेतृत्व में एएसपी उत्तरी आलोक सिंह और सीओ बिसवा अमन सिंह के नेतृत्व में स्वाट और बिसवा टीम ने घेराबंदी कर हत्यारोपी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो उसके पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी युवक के पैर में गोली लगी है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसपी उत्तरी आलोक सिंह ने बताया कि अभियुक्त की पहचान सुरेंद्र कुमार निवासी पंचमपुरवा थाना सकरन के रूप में हुई हैं अभियुक्त के पास से अवैध असलहा और जिंदा कारतूस बरामद किए गए है घटना के अन्य पहलुओं की जांच पड़ताल की जा रही हैं!!

'ओवैसी की बात छोड़ों... जालीदार टोपी भी बोलेगी राधे-राधे', साध्वी प्राची के बिगड़े बोल

● वेस्ट यूपी में बागपत जिले के बड़ौत में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में पहुंचीं विश्व हिंदू परिषद की नेत्री साध्वी प्राची ने मंच से कई विवादित बयान दिए हैं. साध्वी प्राची ने कहा कि जिस दिन दिल्ली में बैठे दो गुजराती ठान लेंगे, उस दिन ओवैसी की तो बात छोड़िए, जालीदार टोपी भी 'राधे-राधे' बोलेगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वेस्ट यूपी में बागपत जिले के बड़ौत में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में पहुंचीं विश्व हिंदू परिषद की नेत्री साध्वी प्राची ने मंच से कई विवादित बयान दिए हैं. भाषण के दौरान साध्वी पश्चिम बंगाल, बाबरी मस्जिद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को लेकर विवादित बयान दिया है. जिस पर आने वाले समय में राजनीति गरमा सकती है।

साध्वी प्राची ने कहा कि जिस दिन दिल्ली में बैठे दो गुजराती ठान लेंगे, उस दिन ओवैसी की तो बात छोड़िए, जालीदार टोपी भी 'राधे-राधे' बोलेगी. वहीं, पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद से जुड़े कथित बयान पर पलटवार करते हुए साध्वी प्राची ने कहा कि जैसे हमने साढ़े पांच सौ साल पुराना बाबरी ढांचा हटा दिया था, वैसे ही इस बाबरी को भी धीरे से हटा देंगे. उन्होंने आगे दावा किया कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनने के बाद 'नई बाबरी' भी हटा दी जाएगी।

कश्मीर हिंदुओं से खाली नहीं होता

कश्मीर मुद्दे पर बोलते हुए साध्वी ने कहा कि यदि कश्मीरी पंडितों ने घाटी में हथियार उठा लिए होते, तो कश्मीर हिंदुओं से खाली नहीं होता. इस बयान को लेकर भी राजनीतिक हलकों में प्रतिक्रिया देखी जा रही है. उन्होंने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वालों पर भी तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि जो लोग आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं, उनका न

धर्म एक है और न बाप एक है।

हिंदू राष्ट्र का अर्थ किसी के अधिकार छीनना नहीं

साध्वी प्राची ने मोहन भागवत के इस बयान का समर्थन किया. उन्होंने कहा कि भागवत ने जनसंख्या को लेकर जो कहा, वो बिल्कुल ठीक है. हमें भी तो अपनी जनसंख्या बढ़ाने का हक है. साध्वी प्राची ने कहा कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ किसी के अधिकार छीनना नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करना है. भारत का संविधान सभी को समान अधिकार देता है. देश की एकता इसी विविधता में समरसता से बनी है. राष्ट्र की सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू

साध्वी प्राची के इन बयानों के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है. विपक्षी दलों ने इसे भड़काऊ और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला करार दिया है, जबकि समर्थकों का कहना है कि उन्होंने अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता के अनुरूप बयान दिया है. फिलहाल, बागपत से उठी यह सियासी बयानबाजी राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में नई बहस को जन्म देती नजर आ रही है।

संक्षिप्त खबरें

सिंचाई बन्धु की बैठक विकास भवन सभागार में उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु गजेन्द्रमणि त्रिपाठी की अअध्यक्षतामेबैठक सम्पन्न

बस्ती। बस्ती जिले में सिंचाई बन्धु की बैठक विकास भवन सभागार में उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु गजेन्द्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में किसानों की सिंचाई संबंधित समस्याओं, नहरों की सफाई, टेल तक पानी पहुँचाने तथा विभागीय समन्वय से कार्यो को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नहरों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाय ताकि खेतों तक समय से पानी पहुँच सकें। साथ ही जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या बनी है वहाँ प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान किया जाय। बैठक में यह भी कहा गया कि किसानों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाय तथा सिंचाई से संबंधित कार्यो की नियमित मानीटरिंग की जाय। संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि वे आपसी समन्वय से कार्य करें और सिंचाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न होने दें। बैठक में विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर, महादेवा फूलचन्द्र श्रीवास्तव, सदर मो. सलीम, पीडी राजेश कुमार, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, कृषि अधिकारी बी.आर. मौर्य, अधिशासी अभियन्ता नलकूप, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड-गोण्डा, सहायक अभियन्ता सरयू नहर खण्ड-4 सहित संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय को भावभीनी श्रद्धांजलि

गौरीगंज, अमेठी। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय, गौरीगंज में भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर भाजपा ज़िलाध्यक्ष सुधांशू शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, सादगी, त्याग और समर्पण का प्रतीक रहा है। उनका एकात्म मानववाद का सिद्धांत समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पंडित जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पार्टी प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, संतोष द्विवेदी, चंद्रकेश यादव, मंडल अध्यक्ष संग्रामपुर राजेश शुक्ला, माधव द्विवेदी, आनंद यादव सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने पंडित जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ा, कराई शादी

सिद्धार्थनगर। प्रेमिका से मिलने के लिए 6 किलोमीटर दूर पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। फिर दोनों के परिजनों को ग्रामीणों की मौजूदगी में बुलाया गया और बातचीत की गई। पंचायत ने दोनों की शादी करने का प्रस्ताव रखा और फिर दोनों के परिजन शादी के लिए राजी हो गए। अब प्रेमिका से दुल्हन बनी युवती अपने ससुराल विदा होकर चली गई। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक का इटवा थाना क्षेत्र के एक गांव में काफी दिनों से आना जाना लगा रहा। इस बीच एक युवती से उसकी अंखिया लड़ गई और दोनों प्यार कर बैठे। दोनों आए दिन चुपके-चुपके मिल लिया करते थे। वह एक दिन पहले प्रेमिका से मिलने के लिए उसके गांव पहुंच गया। प्रेमिका से मिलने के दौरान अचानक ग्रामीणों की नजर प्रेमी युगल पर पड़ गई। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रेमी को बैठा लिया और फिर दोनों के परिजनों को बुलाया गया।ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों पक्षों के सामने पंचायत शुरू हुई। ग्रामीणों ने दोनों पक्ष के सामने शादी का प्रस्ताव रखा और फिर दोनों पक्ष शादी करने लिए राजी होहो गए फिर दोनों की शादी कराई गई। इस शादी के गवाह बने दोनों गांव के ग्रामीण। भोज तो नहीं हुआ, लेकिन सभी का मुंह मीठा करा दिया गया।

जिसको पुलिस ढूंढ रही थी गली-गली, वह तो प्रेमी के साथ राजस्थान में मिली, महीनों से बच्चों के साथ थी लापता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के पैकवालिया थान के पिकौरा गांव में संदीप की शादी कप्तानगंज थान में पीलखांव गांव की रहने वाली प्रियंका से हुई थी. संदीप और प्रियंका की 6 साल की एक बच्ची थी. एक दिन अचानक प्रियंका बच्चे के साथ लापता हो गई. पति ने कप्तानगंज थाने पर अपने ससुराल वालों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था. बस्ती पुलिस ने हत्या के झूठे मुकदमे का खुलासा करते हुए महिला और उस के दो बच्चों को राजस्थान से बरामद कर लिया है. महिला के पति ने कोर्ट के माध्यम से अपने ससुराल वालों के खिलाफ अपनी पत्नी और बच्चे को हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था. पुलिस ने 4 नवम्बर 2024 को कोर्ट के आदेश पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया था. पुलिस की जांच में महिला और बच्चे का शव बरामद नहीं हुआ था, जिसके बाद पुलिस लगातार इस मामले की जांच कर रही थी. पुलिस के हाथ उस वक्त कामयाबी लगी, जब महिला ने अपने आधार कार्ड पर नया मोबाइल नंबर अपडेट कराने की कोशिश की. आधार अपडेट का मैसेज महिला के पति के मोबाइल पर आ गया, जिसके बाद पुलिस ने मामले की फिर जांच तेज कर दी. मोबाइल नंबर में आधार पर एक बैंक खाते का पता चला जो राजस्थान का था. उसके बाद पुलिस की टीम राजस्थान गई और महिला और उस के दो बच्चों को जिंदा बरामद कर बस्ती ले आई. जबकि इनकी हत्या का मुकदमा थाने पर कोर्ट के आदेश पर दर्ज था।

जिसको पुलिस ढूंढ रही थी गली-गली, वह तो प्रेमी के साथ राजस्थान में मिली

लापता महिला राजस्थान से बरामदबता दें कि बस्ती जिले के पैकवालिया थान के पिकौरा गांव में संदीप की शादी कप्तानगंज थान में पीलखांव गांव की रहने वाली प्रियंका से हुई थी. संदीप और प्रियंका की 6 साल की एक बच्ची थी. एक दिन अचानक प्रियंका बच्चे के साथ लापता हो गई. पति ने कप्तानगंज थाने पर अपने ससुराल वालों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था. पुलिस की जांच में पता चला कि वह अपने पति के घर से भाग कर अयोध्या आई थी. उस दौरान वह एक गाड़ी से दब कर मरने की कोशिश करने लगी. राजस्थान के ढकाली गांव का रहने वाला मंगल चंद ने उन्हें बचाया और वह मंगल के साथ राजस्थान चली गई. राजस्थान में ही प्रेमी मंगल से 3 माह का बच्चा यश पैदा हुआ. तीनों को पुलिस ने राजस्थान से बरामद कर लिया।

एएसपी श्यामाकांत ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर कप्तानगंज थाने पर पति की तरफ से अपने ससुराल वालों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था. पुलिस ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि मामला हत्या का नहीं है बल्कि आपसी विवाद के बाद घर छोड़ने का है. पुलिस लगातार मामले की मॉनिटरिंग कर रही थी. उसी दौरान पुलिस को

कुछ अहम सुराग लगे. महिला ने जब अपने आधार पर नया मोबाइल नंबर अपडेट कराने की कोशिश की तो उसके मैसेज से महिला को ट्रेस किया जाने लगा. जांच में पता चला कि महिला राजस्थान के सीकर जिले में रह रही है. उस के बाद पुलिस की टीम राजस्थान गई और महिला और उस के दो बच्चों सकुशल बरामद किया गया. कोर्ट में महिला का बयान भी कराया गया है, मामले की जांच की जा रही मामले का जल्द खुलासा होगा अपनी विवेचना बाद कार्रवाई की जा सकती है।

महाशिवरात्रि व रमजान को लेकर थाना परिसर बाजार शुक्ल में पीस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

दोनों समुदायों के धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों व संभ्रांत नागरिकों ने शांति-सौहार्द बनाए रखने का लिया संकल्प

बाजार शुक्ल, अमेठी। आगामी त्यौहार महाशिवरात्रि एवं रमजान को सकुशल, शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परिसर बाजार शुक्ल में थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा के नेतृत्व में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के धर्मगुरु तथा सैकड़ों की संख्या में संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने कहा कि त्यौहार आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव के प्रतीक होते हैं। सभी लोग प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पर्वों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की जाएगी और रात्रि गश्त बढ़ाई जाएगी।धर्मगुरुओं व जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने, सौहार्दपूर्ण ढंग से पर्व मनाने तथा प्रशासन को हर संभव सहयोग देने की अपील की। बैठक में जुलूस मार्ग, नमाज के समय, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई तथा विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।अंत में सभी उपस्थित लोगों ने आपसी सद्भाव बनाए रखते हुए महाशिवरात्रि और रमजान को परंपरागत उल्लास व शांति के साथ मनाने का संकल्प लिया। थाना अध्यक्ष ने उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस-प्रशासन जनता के सहयोग से ही बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कर सकता हैं। इस दौरान प्रमुख रूप से ध्रुव गुप्ता डब्ल्यू, जौदिल मऊ प्रधान प्रतिनिधि सोनू, मदन चंद सेठ, अमरचंद सेठ, शुभम गुप्ता, विजय गुप्ता, तबरेज आलम, अरमान खान, सलमान सहित सैकड़ो की संख्या में प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

अपराधियों को चेतावनी: भू-माफिया, नशीले कारोबारियों और चायनीज मांझा बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी- यशवीर सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर नवागत पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि भू-माफिया, जबरन जमीनों पर कब्जा करने वाले, चायनीज मांझा बेचने वाले और नशीली दवाओं के कारोबार में लिप्त तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कदम उठाए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक ने आगामी त्योहारों को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मेलों और सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाएगी ताकि किसी प्रकार की दुर्व्यवस्था न हो। वाहनों की समुचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी और वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए अतिरिक्त निगरानी की जाएगी। इसके साथ ही महिलाओं के साथ छेड़खानी, चेन स्नैचिंग और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने दोहराया कि शासन की मंशा के

अनुरूप पारदर्शी और निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित और शोषित व्यक्तियों को समय पर न्याय दिलाना प्राथमिकता होगी, वहीं अपराधियों को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं मिलेगा।

राजस्व संबंधी मामलों पर भी पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर संयुक्त कार्यप्रणाली विकसित की जाएगी, ताकि विवादित मामलों में राजस्व टीम और पुलिस मौके पर पहुंचकर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक तालमेल के जरिए जमीन से जुड़े विवादों और अवैध कब्जों पर प्रभावी रोक लगाई जाएगी। पुलिस अधीक्षक के रूख को देखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम रखने के लिए पुलिस की यह सख्ती आने वाले दिनों में और तेज होती नजर आएगी।

पांच वर्षीय दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। बस्तीजिले के थाना पैकोलिया की पुलिस ने पांच वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसके ऊपर एससी एसटी बलात्कार सहित पाक्सो एक्ट जैसे गंभीर धाराएं स्थानीय थाना में दर्ज है आरोपी के ऊपर आरोप है कि पांच वर्षीय दलित बच्ची खेल रही थी आरोपी गांव गांव जाकर लक्ष्छी पापड़ी का बिजनेस करता था जो बच्ची को बहला फुसलाकर एकांत जगह ले गया और उसके साथ में गंदी हरकत करने लगा जब पीड़िता के मा को पता चली तब उसने थाने में तहरीर दी तहरीर के हिसाब से स्थानीय थाना ने मुकदमा पंजीकृत करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी कर ली हैं आरोपी गैर समुदाय का है पश्चिम बंगाल के जनपद मुर्शिदाबाद थाना बेलडांगा का रहने वाला है आरोपी का नाम गफ्फार अली पुत्र अतीकुर रहमान है आज आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

समर्पण और विचारों की प्रेरणा से गूंजा भाजपा कार्यालय: पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर 'समर्पण दिवस' आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय, बस्ती में संगठन के स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को 'समर्पण दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उपस्थित नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने की। प्रथम वक्ता के रूप में किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी एवं द्वितीय वक्ता के रूप में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र गौड़ ने अपने विचार व्यक्त किए।

राजेन्द्र गौड़ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत के माध्यम से भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। उनका जीवन सादगी, राष्ट्रसेवा और

समर्पण का प्रतीक रहा। गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि पंडित जी ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांत को प्रतिपादित किया। उन्होंने गाँव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित और आदिवासी समाज के कल्याण पर बल दिया।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय 'थ्री इन वन' व्यक्तित्व थे–वे समर्पित राजनेता, महान विचारक और कुशल संगठक थे।इस अवसर पर यशकांत सिंह, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, संजय जायसवाल, चंद्रशेखर मुन्ना, प्रत्युष सिंह, गजेन्द्र सिंह, राम सिंगार ओझा, प्रमोद पाण्डेय, वैभव पाण्डेय, अरविन्द श्रीवास्तव, सतेन्द्र सिंह, अंकुर वर्मा, मनोज ठाकुर, कुंवर आनन्द सिंह, चंद्रमणि पाण्डेय, बाल कृष्ण त्रिपाठी, दिलीप पाण्डेय, अमृत कुमार वर्मा, सुरेन्द्र सिंह, दुष्यन्त सिंह, विनोद चौधरी, सुनील सिंह, प्रदीप निषाद, बलराम सिंह, जटाशंकर शुक्ल, दयाशंकर पटवा, रोली सिंह, शालिनी मिश्र, सुमन सिंह, शिवानी सिंह, प्रीति श्रीवास्तव, अनिता अग्रहरी, गीता गुप्ता, राधेश्याम कमलापुरी, संजय चौरसिया, कामेंद्र चौहान, राजकुमार शुक्ल, दिव्य प्रकाश, अंकित पाण्डेय, शिवचरन जायसवाल, राजेश त्रिपाठी,राजेश कमलापुरी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त अयोध्या मण्डल का अमेठी में निरीक्षण

●कलेक्ट्रेट व तहसील तिलोई की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, पारदर्शिता व त्वरित निस्तारण पर दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। मंडलायुक्त अयोध्या मण्डल, अयोध्या राजेश कुमार ने जनपद अमेठी के कलेक्ट्रेट एवं तहसील तिलोई परिसर का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अजय कुमार सैनी, जिलाधिकारी संजय चौहान, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी वीर भानु सिंह तथा एडीएम न्यायिक अनिल चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मंडलायुक्त ने सर्वप्रथम कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण कर विभिन्न पटलों एवं अनुभागों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने नजारत अनुभाग, वेतन लिपिक/विविध लिपिक कक्ष, राजस्व सहायक कक्ष, ई-गवर्नेंस सेल सहित अन्य कार्यालय कक्षों में अभिलेखों के रख-रखाव, पत्रावलियों के निस्तारण एवं जनसुविधाओं की स्थिति का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान मंडलायुक्त ने कार्मिकों की सेवा पुस्तिकाओं, वेतन वृद्धि, मानव सम्पदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति विवरण, रिट संबंधी प्रकरणों, शिकायती पत्रों, लंबित एवं निस्तारित फाइलों की स्थिति, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के देयकों के भुगतान तथा कर्मचारियों की उपस्थिति, वरासत एवं नए आवेदनों की पेंडेंसी की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित

कार्मिकों को निर्देशित किया कि किसी भी पत्रावली को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा उसका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मंडलायुक्त ने कार्यालय परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे वाटर कूलर, शौचालय, प्रतीक्षालय, साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल व्यवस्था हर समय सुचारु रहे, आरओ वाटर कूलर नियमित रूप से साफ एवं क्रियाशील रखे जाएं तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालयों में कार्य वितरण (वर्क डिस्ट्रीब्यूशन) स्पष्ट रूप से सुनिश्चित किया जाए, सभी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं पूर्ण एवं अद्यतन रखी जाएं तथा कार्यालयीय कार्यों का संचालन ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्थाएं पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं जनहितकारी होनी चाहिए। कलेक्ट्रेट निरीक्षण के उपरांत मंडलायुक्त ने तहसील तिलोई का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने उपजिलाधिकारी न्यायालय एवं तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण कर लंबित वादों की समीक्षा की तथा उनके शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने तहसील अभिलेखागार का निरीक्षण कर अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, सीलन की रोकथाम हेतु समुचित प्रबंध, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप पारदर्शी प्रशासन, समयबद्ध निस्तारण एवं बेहतर जनसुविधाएं सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

नवनिर्माण के नौ वर्ष उत्तर प्रदेश का बजट पिछले 9 वर्षो में 3 गुना से अधिक बढ़ा- उपाध्यक्ष

●यह बजट 9 वर्षो के नवनिर्माण की एक नई गाथा देशवासियों के समक्ष प्रस्तुत करता है

25 करोड़ प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने वाला है वजट - उपाध्यक्ष

समावेशी विकास, सुशासन और भविष्य की प्रौद्योगिकी का उत्कृष्ट उदाहरण है प्रदेश का ऐतिहासिक बजट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत 9 लाख 12 हजार करोड़ 696 करोड़ 35 लाख रुपये के ऐतिहासिक बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शुक्ला ने इसे 25 करोड़ प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने वाला सशक्त रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट समावेशी विकास, सुशासन और भविष्य की प्रौद्योगिकी के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करेगा।उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए प्रस्तुत यह बजट उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक निर्णायक एवं दूरदर्शी कदम सिद्ध होगा। यह बजट न केवल

बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार सृजन को गति देगा, बल्कि निवेश और नवाचार को भी व्यापक रूप से प्रोत्साहित करेगा।उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र शुक्ला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश निरंतर विकास पथ पर अग्रसर है। साथ ही उन्होंने वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा प्रस्तुत बजट को संतुलित, जनोन्मुखी और विकासोन्मुख बताया।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट 'नए भारत के नए उत्तर प्रदेश' की परिकल्पना को साकार करते हुए प्रदेश को निवेश, औद्योगिक विकास, तकनीकी नवाचार और रोजगार के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनाएगा।उत्तर प्रदेश का बजट पिछले 9 वर्षो में 3 गुना से अधिक बढ़ा है, यह बजट 9 वर्षो के नवनिर्माण की एक नई गाथा देशवासियों के समक्ष प्रस्तुत करता है, उन्होंने कहा यह नवनिर्माण के नौ वर्ष का बजट है।

अवैध कटान करने पर ठेकेदार पर एफआईआर

बलरामपुर। हरैया सतघरवा/ ललिया। बनकटवा रेंज क्षेत्र के लालपुर विशुनपुर तराई गांव में हरे आम के पेड़ों के अवैध कटान का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और अवैध रूप से काटे गए पेड़ों को सीज कर दिया है। इस मामले में ठेकेदार के विरुद्ध ग्रामीण वन संरक्षण अधिनियम के तहत एफआईआर की गई है।वन क्षेत्राधिकारी शत्रुघ्न लाल ने बताया कि श्रावस्ती जनपद के ग्राम विशुनपुर चोरवाभारी निवासी ठेकेदार रामनिवास को लालपुर विशुनपुर तराई गांव में आम के 15 पेड़ों को काटने का परमिट जारी किया गया था। जांच में पाया गया कि ठेकेदार ने परमिट से अधिक छह पेड़, यानी कुल 21 पेड़ों का कटान किया है। वन विभाग ने इस अनियमितता की पुष्टि होने पर कटे हुए पेड़ों को सीज कर लिया है।लकड़ी बाग मालिक को सौंपीवन विभाग ने परमिट से अधिक पेड़ काटने के आरोप में ठेकेदार रामनिवास के विरुद्ध ग्रामीण वन संरक्षण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग ने सीज की गई लकड़ी को नियमानुसार बाग मालिक अरुण कुमार के सुपुर्द कर दिया है। यह कार्रवाई वन विभाग की सक्रियता को दर्शाती है, जो अवैध कटान के खिलाफ सख्त कदम उठा रहा है।

बलरामपुर-महराजगंज सड़क मार्ग जर्जर:ग्रामीणों ने मरम्मत और चौड़ीकरण की मांग की, विधायक का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर–तुलसीपुर हाइवे को महराजगंज तराई से जोड़ने वाली मुख्य सड़क भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण पूरी तरह जर्जर हो गई है। यह सड़क गैंजहवा दुर्गापुर ग्राम पंचायत के अंतर्गत आती है और बेलहा सेमरहना से होकर दुर्गापुर गैंजहवा होते हुए महराजगंज तराई तक जाती है।इस मार्ग पर बनी छोटी पुलियाएं, जो पहले बंबा वाली थीं, भारी वाहनों के दबाव से टूट गई हैं। ये क्षतिग्रस्त पुलियाएं किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं, जिससे राहगीरों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों, जिनमें खन्नू तिवारी, धर्मेश पांडेय, गनेश कश्यप, राजकुमार कश्यप, छोटू और निरहू तिवारी शामिल हैं, ने बताया कि गैंजहवा रेलवे स्टेशन के पास अंडरपास बनने से पहले इस सड़क पर भारी वाहनों का आवागमन नहीं

होता था। अंडरपास बनने के बाद से सभी प्रकार के वाहन, विशेषकर गन्ना लदी गाड़ियां, इसी मार्ग से गुजरती हैं, जिससे सड़क और पुलियाएं लगातार क्षतिग्रस्त हो रही हैं।गैंजहवा और दुर्गापुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संजय तिवारी और उग्रसेन सिंह ने शासन एवं प्रशासन से इस महत्वपूर्ण सड़क की तत्काल मरम्मत और चौड़ीकरण की मांग की है। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया है। इस संबंध में सदर विधायक बलरामपुर पल्टूराम ने सड़क के शीघ्र मरम्मत एवं चौड़ीकरण का आश्वासन दिया है।

काशीपुर कंपोजिट विद्यालय से टुल्लू पंप चोरी

सिद्धार्थनगर: चिल्हिया थाना क्षेत्र के काशीपुर में स्थित कंपोजिट विद्यालय पर बच्चों के पेयजल की सुविधा के लिए लगाए गए टुल्लू पंप को मंगलवार की रात चोर खोल ले गए। टुल्लू पंप की चोरी होने की जानकारी तब हुई जब विद्यालय पहुंचे प्रधानाध्यापक अब्दुल अजीज प्रतिदिन की तरह विद्यालय की साफ सफाई करवा रहे थे,इसी बीच देखा कि टुल्लू पंप गायब है। इसकी सूचना प्रधानाध्यापक अब्दुल अजीज ने चिल्हिया थाना पुलिस को दे दी है। क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं से आम आदमी काफी आक्रोशित है।

सेफ़र इंटरनेट डे पर सुरक्षित डिजिटल उपयोग को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। सेफ़र इंटरनेट डे के अवसर पर आईटीआई बिशुनपुर विश्राम, पचपेड़वा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को डिजिटल खतरों के प्रति सजग करना रहा। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी केशव ने कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्टाफ को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, साइबर बुलिंग तथा सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में इंटरनेट जहां सुविधाओं का सशक्त माध्यम है, वहीं लापरवाही इसके दुरुपयोग और नुकसान का कारण बन सकती है।

अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी डॉ. अमित कुमार गौतम ने बताया कि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का बढ़ता उपयोग कई जोखिमों और दुरुपयोग की संभावनाओं को भी जन्म दे रहा है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। किसी भी संदिग्ध ई-मेल या संदेश पर क्लिक न करें और साइबर समस्या की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा https://cybercrime.gov.in/ पर संपर्क करें। आईटीआई संस्थान के प्रधानाचार्य मैथिलीशरण ने कहा कि सेफ़र इंटरनेट डे का उद्देश्य केवल जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि एक सुरक्षित, सकारात्मक और जिम्मेदार डिजिटल संस्कृति का निर्माण करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सुरक्षित इंटरनेट उपयोग का संकल्प लिया। शिक्षक आशीष भूषण ने सभी से मजबूत पासवर्ड के प्रयोग तथा व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन साझा करने से बचने की अपील की। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट रोलआउट मैनेजर सुशील सिंह, आलोक नाथ शुक्ला, सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व प्राचार्य व साहित्यकार डॉ. ओपी अवस्थी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बैसवारा डिग्री कॉलेज छात्रावास में बुधवार को प्रख्यात साहित्यकार व पूर्व प्राचार्य डॉ. ओपी अवस्थी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा में शिक्षाविदों, साहित्यकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके योगदान को याद किया। बैसवारा साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता बैजनाथ विश्वकर्मा ने की। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अवस्थी का जन्म भले ही फतेहपुर में हुआ हो, लेकिन उनकी आत्मा बैसवारा की माटी में बसती थी। अनूप पांडे ने कहा कि अपनों का जाना हमेशा पीड़ा देता है। हरिनाम सिंह ने कहा कि उनका कद भले छोटा था, लेकिन साहित्य में उनका योगदान विराट था। उन्होंने बताया कि नवगीतकार डॉ. शिव बहादुर सिंह भदौरिया के अभिनंदन ग्रंथ राघव रंग का नामकरण डॉ. अवस्थी ने ही किया था। डॉ. एमडी सिंह ने कहा कि डॉ. अवस्थी बेहद अनुशासनप्रिय थे और अंतरवेद साहित्य के प्रखर साहित्यकार रहे। डॉ. विनय भदौरिया ने बताया कि वे काव्यालोक संस्था के अध्यक्ष रहे और संयोजन कला में निपुण थे। वे काव्य के सच्चे साधक थे। मानवाधिकार फाउंडेशन के अजय सिंह ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया। कार्यक्रम का संचालन अवनेंद्र बहादुर सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्व शंकर पांडे, जय बहादुर, उमेश श्रीवास्तव, वीरेंद्र शुक्ला, पवन सिंह, निरंजन राय, आशीष प्रताप सिंह, रामगुलाम सविता, डॉ. संजीव मिश्रा सहित अनेक साहित्यकार मौजूद रहे।

परिवारिक बंटवारे में महिला से मारपीट, चार पर मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के ढकवा का पुरवा गांव में बुधवार को बंटवारे के विवाद को लेकर चार लोगों ने एक महिला के साथ मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। पीड़िता के मुताबिक पारिवारिक बंटवारे को लेकर छोटेलाल, राजदेई, रूबी और जगदीश ने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर चारों ने लात-घूंसे और डंडों से उसकी पिटाई कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने उसे छत से धक्का देने की भी कोशिश की। घटना में महिला को चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए सीएचसी भेजा गया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल के बच्चों ने किया उद्यान भ्रमण

ललितपुर। नगर स्थित स्कूल के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने शैक्षिक गतिविधि के अंतर्गत स्थानीय चंद्रशेखर आजाद उद्यान का शैक्षिक भ्रमण किया। इस का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रकृति से जोड़ना, पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करना था। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों, फूलों, तितलियों और पक्षियों को करीब से देखा और उनके बारे में जानकारी प्राप्त की। शिक्षिकाओं ने बच्चों को पौधों के महत्व, स्वच्छ पर्यावरण और हरियाली के लाभों के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से समझाया। बच्चों ने झूले, फिसलपट्टी एवं अन्य खेल गतिविधियों का आनंद भी लिया। कार्यक्रम में उद्यान अधिकारी रंजीत यादव का विशेष सहयोग मिला। उद्यानकी में चल रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी और बच्चों को उद्यान को स्वस्थ बनाए रखने का संकल्प दिलाया। प्रबंधक स्वप्निल बरया ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। इस दौरान शिक्षिकाओं अंकिता पुरोहित, स्वेच्छा जैन, सोनाली खरे, निहारिका लखेरा, अंशिका जैन, ऋषिका चौधरी, कनिष्का तिवारी एवं नैंसी सोनी ने बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा। इस सफल आयोजन के लिए अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन की सराहना की और बच्चों के लिए ऐसे व्यावहारिक अनुभवों को अत्यंत उपयोगी बताया।

उत्तर प्रदेश शासन डा0 एम0 के0 सन्मुगा सुंदरम के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच टीम ने मिल का किया औचक निरीक्षण मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संदना सीतापुर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मजदूरों के शोषण पर सख्ती के दावों के बीच डालमिया चीनी मिल, रामगढ़ में श्रम कानूनों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 10 फरवरी 2026 को प्रमुख सचिव, श्रम विभाग, उत्तर प्रदेश शासन डॉ. एम. के. सन्मुगा सुंदरम के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच टीम ने मिल का औचक निरीक्षण किया, जिससे मिल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जांच टीम में शरद, श्रम प्रवर्तन अधिकारी लखनऊ, संतोष कुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी लखनऊ तथा हिमानी भारद्वाज, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सीतापुर शामिल रहीं। लेकिन जांच से पहले ही मिल प्रशासन की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ गई।

सूत्रों के अनुसार जैसे ही मिल प्रबंधन को निरीक्षण की भनक लगी, ठेके पर कार्यरत मजदूरों को आनन-फानन में मिल परिसर से बाहर कर दिया गया, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता उजागर न हो सके। हैरत की बात यह रही कि जांच टीम के लौटते ही सभी मजदूरों को दोबारा काम पर लगा दिया गया। यह निरीक्षण फतेह बहादुर सिंह, अध्यक्ष–राष्ट्रीय जनाधिकार परिषद द्वारा मजदूरों के शोषण को लेकर की गई शिकायत के आधार पर किया गया था। निरीक्षण के दौरान संयुक्त टीम ने मजदूरों की कार्य परिस्थितियां, मजदूरी भुगतान, सुरक्षा इंतजाम और श्रम कानूनों के अनुपालन की गहन समीक्षा की। अधिकारियों ने मजदूरों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मिल प्रबंधन को श्रम कानूनों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। इस कार्रवाई से मजदूरों में न्याय की उम्मीद जगी है, वहीं यह सवाल भी उठ रहा है की

अगर सब कुछ ठीक था, तो मजदूरों को निरीक्षण से पहले बाहर क्यों निकाला गया?

क्या ठेका मजदूरों को छुपाना स्वयं में अनियमितता का प्रमाण नहीं है?

स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों ने इस निरीक्षण को सराहनीय कदम बताते हुए शासन और शिकायतकर्ता का आभार जताया है। साथ ही उम्मीद जताई जा रही है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों पर ठोस कार्रवाई होगी, ताकि भविष्य में मजदूरों के शोषण पर प्रभावी रोक लग सके। इस संबंध में श्रम प्रवर्तन अधिकारी सीतापुर हिमानी भारद्वाज ने बताया कि शिकायत के आधार पर निरीक्षण किया गया है तथा निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। आगे की कार्रवाई शासन स्तर से तय की जाएगी।

बकरी चराने गए बुजुर्ग पर जंगली जानवर का हमला, गंभीर रूप से घायल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के झाबर हरदो पट्टी गांव में बुधवार शाम सियार के हमले में एक पशुपालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से गांव में दहशत फैल गई। गांव निवासी बड़कू (60) पुत्र दुलारे खेतों के पास जंगल में बकरी चरा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए सियार ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

सियार ने उन्हें कई जगह काट लिया और नोच डाला। बुजुर्ग के शोर मचाने पर गांव के कुत्तों ने सियार को दौड़ा लिया। इसके बाद उनकी जान बच सकी। हमले में उनके शरीर पर कई गहरे जख्म आए हैं।परिवारीजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। परिजनों का कहना है कि सियार इससे पहले भी गांव में कई लोगों को दौड़ा चुका है। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, घर के कमरे में फांसी पर लटका मिला शव

● परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

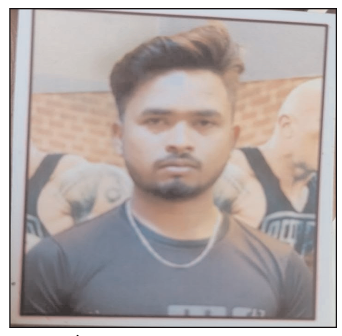

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे प्राण सिंह मजरे ऐहार गांव में मंगलवार रात एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के भीतर कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचायतनामा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता श्यामलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा संजय (22) मंगलवार शाम करीब सात बजे कमरे में लेटा हुआ था। रात करीब साढ़े आठ बजे जब वह कमरे में पहुंचे तो संजय पंखे के हुक से रस्सी के सहारे लटका मिला।

परिजनों ने आनन-फानन में फंदा काटकर उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। श्यामलाल ने गांव की ही एक युवती और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि युवती जबरन उनके बेटे के पास आती थी और विरोध करने पर विवाद होता था। इसी विवाद के चलते बेटे की मौत हुई है। मृतक के पिता ने तहरीर में युवती समेत चार लोगों को नामजद किया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की जानकारी हो सकेगी।

रायबरेली में चोरों के हौसले बुलंद, पुलिस पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने आमजन में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ताजा मामला कस्बा महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के हैदरगढ़ रोड स्थित साहू इंटरप्राइजेज का है, जहां बीती रात चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार, चोर चोरी की नीयत से किराना स्टोर पर पहुंचे, लेकिन दुकान का शटर बंद मिला। इसके बाद भी उनके हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने दुकान के बाहर खड़े ई-रिक्शा को निशाना बना लिया। चोर ई-रिक्शा की दो बैटरियां खोलकर चोरी कर ले गए।

बताया जा रहा है कि चोरों की आहट सुनकर परिजन जाग गए और शोर मचाया। शोर सुनते ही चोर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना दुकान के बाहर लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दो चोर बिना किसी डर के वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

पीड़ित दुकानदार ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। वहीं पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर जांच पड़ताल में जुटी होने का दावा कर रही है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पुलिस गश्त न के बराबर है, जिसके चलते चोरों के हौसले बुलंद हैं। अब देखना यह होगा कि पुलिस आरोपियों को कब तक गिरफ्तार कर पाती है और क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर कब तक अंकुश लग पाता है।

लोकल ट्रक भाड़े तय करने हेतु ट्रक ऑपरेटर यूनियन की बैठक संपन्न

ललितपुर। ट्रक ऑपरेटर यूनियन की बैठक गल्ला मंडी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शिखरचंद जैन ने व संचालन आनंद मोहन दुबे ने किया। बैठक में तय किया गया कि हाल्टिंग चार्ज प्रत्येक दशा में लिया जाएगा। ताकि ट्रक ऑपरेटर को नुकसान न हो। बैठक में ट्रक संचालकों ने वर्तमान ट्रक भाड़े को लेकर चिंता जाहिर की। सर्वसम्मति से विभिन्न स्थानों के लिए ट्रकों के भाड़े तय किए गए, यह सूची गल्ला व्यापारियों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान मनमोहन चौबे, अनिल कुमार, गजेंद्र सिंह, इरफान अली, अफसर, मोहसिन, अब्दुल हसन, विन्द्रावन, धर्मेंद्र कुशवाहा, दीपचंद, जयपाल आदि भारी संख्या में ट्रक ऑपरेटर मौजूद रहे।

डीएम ने दो अधिकारियों को थमाया नोटिस विद्यालय- आंगनबाड़ी निरीक्षण में लापरवाही पर मांगा जवाब, गंदगी पर जताई नाराज़गी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में डीएम राजागणपति आर ने कसमण्डा ब्लॉक स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय ऊंचाखेरा कला (कम्पोजिट) एवं वहां संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान गंभीर खामियां सामने आने पर जिलाधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों और प्रधानाचार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, जिससे विभागों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित वीएचएसएनडी सत्र का जायजा लिया।

उन्होंने मौके पर मौजूद महिलाओं से संवाद कर उनकी वैक्सीनेशन पुस्तिकाओं का अवलोकन किया। साथ ही वैक्सीनेशन रजिस्टर की गहन जांच की गई, जिसमें कई कमियां पाई गईं। लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित एएनएम चित्रांशी श्रीवास्तव के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप माताओं और बच्चों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना अधिकारियों की जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके पश्चात जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय ऊंचाखेरा कला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर की जांच में बच्चों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाई गई विद्यालय परिसर में गंदगी और अन्य व्यवस्थागत खामियां मिलने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई। लापरवाही के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए जिलाधिकारी ने विद्यालय की रसोई का भी निरीक्षण किया, जहां मिड-डे-मील योजना के अंतर्गत बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की सामग्री की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने निर्देश दिए कि भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण स्तर से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सेवाओं में लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी!!

सपा नेत्री व समाजसेवी रेनू यादव ने बिसवां विधानसभा क्षेत्र में किया जन-संपर्क

● सपा के वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ताओं का शाल भेंट कर किया सम्मानित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर मानपुर सपा नेत्री रेनू यादव ने आज बिसवां विधानसभा क्षेत्र में करीब एक दर्जन से अधिक गांवो में जाकर लोगों से जनसंपर्क किया तथा उनकी जन समस्याओं से भी रूबरू हुई बताते चलें कि रेनू यादव सबसे पहले ग्राम बखरियां में सपा के सेक्टर प्रभारी आरिफ खान के आवास पर समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष सुनील यादव व अजय यादव के साथ पहुंची और वंहा पर मौजूद बरिष्ठ पत्रकार बृजलाल सिंह यादव तथा सपा के मानपुर सेक्टर प्रभारी आरिफ खान का शाल भेंट कर स्वागत किया बाद में सपा के मानपुर सेक्टर पर्यवेक्षक वरुण यादव, से संपर्क कर ग्राम सलेमपुर में बरिस्ठ सपा नेता डाक्टर सुंदर लाल यादव, को शाल भेंट कर सम्मान किया उसके उपरांत ग्राम बढही पुर में पूर्व प्रधान हरेश यादव, तथा उसी गांव के कुछ दिन पहले सुनील यादव की आकस्मिक मृत्यु होने से दुखी परिवार के बीच उनकी पत्नी और छोटे-छोटे बच्चों के बीच पंहुच कर उन्हें ढांढस बंधाया और उन्हें कुछ आर्थिक सहायता भी प्रदान की ग्राम पंचायत तेंदुवा के ग्राम चंपापुर में पहुंचकर भागवत कथा में भाग लिया तथा मौके पर सपा नेता महेश प्रसाद यादव अशोक यादव चम्पापुर पूर्व प्रधान किशोरी लाल मौर्य शिवकुमार मौर्य तथा वहां पर मौजूद काफी लोगों से मुलाकात की इसके बाद सपा के वरिष्ठ नेता व सपा जिला अध्यक्ष कयूम कुरेशी और संतसरन यादव से मुलाकात की बाद में रेनू

यादव ने बताया कि यदि मुझे बिसवां से 2027 में समाजवादी पार्टी की तरफ से विधानसभा का उम्मीदवार बनाया गया और जनता ने मुझे जीत का मौका दिया तो मैं विधानसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करूंगी। तथा पार्टी में सभी मेहनत करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय जनता का हमेशा सम्मान करूंगी।

बुजुर्ग व्यक्ति की आग में जलकर मौके पर हुई मौत इलाके में मचा हड़कंप, गैस सिलेंडर के रिसाव से घर में लगी आग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर में मंगलवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। घर में रखे छोटे गैस सिलेंडर से हुए गैस रिसाव के चलते अचानक आग लग गई, जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार भवानीपुर गांव निवासी रामनाथ पासी पुत्र स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद (उम्र करीब 51 वर्ष) मजदूरी कर जीवन यापन करता था और घर में अकेला रहता था। मंगलवार रात वह खाना बनाने के बाद सभी चीजें बंद कर बिस्तर पर लेटा हुआ था। इसी दौरान 5 लीटर के छोटे गैस सिलेंडर से अचानक गैस रिसाव हुआ और अचानक आग लगते ही पूरे कमरे में आग फैल गई। आग लगने की सूचना मिलते ही कोतवाली लहरपुर के प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक रामनाथ पासी आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस चुका था और उसकी मौके पर ही मौत हो गई घटना के बाद फायर सर्विस और फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्ट्या यह हादसा गैस सिलेंडर से हुए रिसाव के कारण हुआ प्रतीत होता है। उनके अकेले रहने के कारण समय पर किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी, जिससे उसे बचाया नहीं जा सका। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी!!

एक दूसरे के सहयोग से हम कार्यों को अच्छे ढंग से कर सकते है:- आशुतोष कुमार सिंह ए0 आर0 पी0

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर ब्लॉक खैराबाद के संकुल धरैंचा के कंपोजिट विद्यालय नेवादा देवमन में आज सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करने गणित विषय के एकेडमिक रिसोर्स पर्सन आशुतोष कुमार सिंह पहुंचे उन्होंने विद्यालय का पर्यवेक्षण करके आवश्यक जानकारी प्रधानाध्यापक काजिम हुसैन से प्राप्त की तत्पश्चात कक्षा 3 के बच्चों का शैक्षणिक आंकलन भी किया जिसमें सामान्य ज्ञान का अध्ययन करा रहीं सहायक अध्यापिका हुदा अमरीन से विज्ञान और गणित विषय की जानकारी साझा की और कक्षा के पांच बच्चों का शैक्षणिक आंकलन अपने मोबाइल ऐप द्वारा किया। जिसमें सभी बच्चों ने सफलता प्राप्त की, इसके उपरांत कक्षा सात और कक्षा आठ के बच्चों को विज्ञान और गणित विषय से संबंधित अच्छी जानकारी प्रदान करते हुए गणित में लघुत्तम और महत्तम समापवर्तक और भिन्न के बारे में तथा विज्ञान में पदार्थ और वस्तु के बारे में विस्तार से अच्छी जानकारी प्रदान की बच्चों में सीखने की उत्सुकता को देखकर बहुत तारीफ़ की और विषय अध्यापिका आरफा खातून की सराहना भी की, पुस्तकालय तथा खेलकूद आदि के सम्बन्ध में भी बच्चों से जानकारी साझा की, अंत में प्रधानाध्यापक/ वरिष्ठ उपाध्यक्ष जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ खैराबाद काजिम हुसैन ने ए आर पी आशुतोष कुमार सिंह की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा इस बात से भी पूर्णतया आश्वस्त कराया कि हम सभी का पूर्ण सहयोग सभी ए आर पी को हमेशा रहा है और रहेगा परंतु यह सपोर्टिव सुपरविजन पूर्ण तया एकेडमिक रहे एडीशनल नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर सहायक अध्यापिका शशी शुक्ला,आरफा खातून,हुदा अमरीन, तथा समस्त रसोइया आदि उपस्थित थीं जबकि सहायक अध्यापक अवधेश कुमार चिकित्सीय तथा शिक्षा मित्र गायत्री मिश्र आकस्मिक अवकाश पर थी।

4 अंतरजनपदीय चोर गिरफ्तार, माल बरामद

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में भलुअनी पुलिस ने चार अंतरजनपदीय चोरों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कमलेश चौहान, दीपू चौहान, गोपाल चौहान (जनपद सीतापुर) तथा प्रदीप कुमार (जनपद मऊ) शामिल हैं। इनके पास से 15 हजार रुपये नकद, बिछिया, पायल, अंगूठी, नाक की कील, जिउतिया, कान की झाली व झुमका बरामद हुआ। यह कार्रवाई मु0अ0सं0 18/2026 के तहत की गई, जिसमें 1/2 फरवरी 2026 की रात पठखौली निवासी राजेश्वर प्रसाद के घर नकबजनी की घटना हुई थी। पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी से सलेमपुर, सुरौली व गौरीबाजार थानों में दर्ज कुल चार चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। विधिक कार्रवाई जारी है।

चोरों ने घर का तोड़ा ताला नगदी और जेवरात पर किया हाथ साफ, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के कोतवाली देहात क्षेत्र के धर्मदास कॉलोनी में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। मकान मालिक परिवार सहित शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए हुए थे, जबकि दूसरी मंजिल पर किरायेदार सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोड़कर नगदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरों की कारतूस वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार धर्मदास कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार सोनी अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गए थे। देर रात अज्ञात चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और करीब 75 हजार रुपये की नगदी तथा सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। गृहस्वामी के मुताबिक चोर करीब तीन लाख रुपये मूल्य के सोने चांदी के जेवरात समेट ले गए। हैरानी की बात यह रही कि वारदात के समय मकान की दूसरी मंजिल पर किरायेदार मौजूद थे और सो रहे थे, उन्हें घटना की भनक तक लगी तो मामल की सूचना रिश्तेदारों को दी घटना की जानकारी होने पर किरायेदारों ने रात में ही पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में दो संदिग्ध चोरों की गतिविधियां कैद हो गई हैं, जिसके आधार पर पुलिस उनकी पहचान करने में जुटी है। सीओ सदर नेहा त्रिपाठी और प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के बाद कॉलोनी में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है!!

ऐतिहासिक बजट 2026-27 उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने वाला: उदय प्रताप सिंह

फ़िरोज़ाबाद/टूण्डला- देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा उत्तर प्रदेश विधान सभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया गया। 9 लाख 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का यह बजट प्रदेश के विकास को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक बजट बताया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष फिरोजाबाद उदय प्रताप सिंह ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और सशक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा। उदय प्रताप सिंह ने कहा कि यह बजट अंत्योदय से सर्वोदय की भावना को साकार करता है। किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह बजट प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइय

एआई पर लगाम, झूठ पर विराम: नया डिजिटल फरमान

[फेक फैक्ट्री पर बुलडोज़र: भारत का टेक स्ट्राइक]

[एआई युग में भरोसे की रक्षा: भारत का नया डिजिटल कवच]

डिजिटल दुनिया में अब लापरवाही और देरी की कोई जगह नहीं बची है। एक झूठी खबर या फर्जी वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है और समाज में उथल-पुथल मचा सकता है। इसी गंभीर खतरे को समझते हुए भारत ने तकनीकी इतिहास में एक सख्त और निर्णायक कदम उठाया है। 10 फरवरी 2026 को जारी संशोधित आईटी नियमों के तहत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अवैध और हानिकारक सामग्री हटाने के लिए केवल तीन घंटे का अल्टीमेटम दिया है, जो 20 फरवरी 2026 से लागू होगा। पहले जहां कंपनियों को 36 घंटे का समय मिलता था, अब वह घटकर मात्र तीन घंटे रह गया है। यह फैसला साफ संदेश देता है कि भारत अब डीपफेक, फर्जी खबरों और डिजिटल अराजकता के खिलाफ किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेगा।

इन नए नियमों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू एआई-जनरेटेड सामग्री पर विशेष ध्यान देना है। अब सभी कृत्रिम रूप से तैयार किए गए ऑडियो, वीडियो और चित्रों को स्पष्ट रूप से लेबल करना अनिवार्य होगा। प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता यह घोषणा करें कि उनकी सामग्री एआई से बनी है या नहीं। साथ ही, जहां संभव हो, स्थायी मेटाडेटा को एम्बेड करना होगा, ताकि मूल स्रोत का पता लगाया जा सके। यह व्यवस्था डीपफेक और फर्जी वीडियो के बढ़ते खतरे पर रोक लगाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। इससे महिलाओं, सार्वजनिक हस्तियों और आम नागरिकों की गरिमा सुरक्षित होगी और समाज में विश्वास का वातावरण बनेगा।

तीन घंटे की समयसीमा पहली नजर में सोशल मीडिया कंपनियों के लिए कठिन लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह एक सकारात्मक और रचनात्मक दबाव है। मेटा, यूट्यूब और एक्स जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स अब अपनी तकनीकी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करेंगे। एआई आधारित मॉडरेशन सिस्टम, ऑटोमेटेड डिटेक्शन टूल्स और रियल-टाइम मॉनिटरिंग तकनीकों का तेजी से विकास होगा। भारत का विशाल डिजिटल बाजार कंपनियों को मजबूर करेगा कि वे बेहतर और अधिक जिम्मेदार प्रणालियां विकसित करें। इससे न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी डिजिटल सुरक्षा के मानक ऊंचे होंगे। यह नियम कंपनियों को नवाचार के लिए प्रेरित करता है, न कि उन्हें सीमित करता है। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को मिलेगा। गैर-सहमति वाली अंतरंग तस्वीरों और वीडियो के मामलों में अब केवल दो घंटे की समयसीमा तय की गई है, जो पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करेगी। पहले ऐसी सामग्री घंटों या दिनों तक वायरल हो जाती थी, जिससे मानसिक और सामाजिक नुकसान होता था। अब हटाने की प्रक्रिया इतनी तेज होगी कि नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह नियम राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री पर विशेष ध्यान देता है। इससे डिजिटल हिंसा में कमी आएगी और समाज में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी।

नियमों की मजबूती को और बढ़ाने के लिए सरकार ने प्लेटफॉर्म्स पर अनुपालन की जिम्मेदारी को और सख्त किया है। यदि कोई इंटरमीडियरी इन निर्देशों का पालन नहीं करता, तो उसे सुरक्षित हार्बर संरक्षण खोने का खतरा होगा, जो कंपनियों को और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। साथ ही, उपयोगकर्ता शिकायतों के निवारण को और मजबूत किया गया है, जिससे पीड़ितों को तेज न्याय मिलेगा। प्लेटफॉर्म्स को अब हर तिमाही उपयोगकर्ताओं को एआई दुरुपयोग के खतरों पर स्पष्ट चेतावनी जारी करनी होगी, ताकि लोग स्वयं सतर्क रहें। ये प्रावधान डिजिटल पारिस्थितिकी को अधिक जवाबदेह और सक्रिय बनाते हैं, जहां सुरक्षा केवल नियमों से नहीं, बल्कि सामूहिक जागरूकता से भी मजबूत होगी।

एआई कंटेंट पर लेबलिंग और ट्रेसेबिलिटी का प्रावधान भारत के डिजिटल इतिहास में एक मील का पत्थर है। अब फर्जी वीडियो और झूठी खबरों की पहचान करना पहले से कहीं अधिक आसान होगा। मेटाडेटा को हटाना या बदलना अपराध की श्रेणी में आएगा, जिससे अपराधियों के लिए छिपना कठिन हो जाएगा। यह व्यवस्था लोकतंत्र की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, क्योंकि चुनावी समय में गलत सूचनाएं सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। भारत अब जिम्मेदार एआई गवर्नेंस का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है, जहां नवाचार और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखा गया है।

इन नियमों के लागू होने से प्लेटफॉर्म्स का अनुपालन स्तर बढ़ेगा और उपयोगकर्ताओं का अनुभव अधिक सुरक्षित बनेगा। अब लोग बिना भय के अपनी बात साझा कर सकेंगे, क्योंकि उन्हें भरोसा होगा कि हानिकारक सामग्री पर तुरंत कार्रवाई होगी। शिकायत निवारण तंत्र को भी मजबूत किया गया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को तेजी से न्याय मिलेगा। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने से डिजिटल इकोसिस्टम अधिक विश्वसनीय बनेगा।

भारत का इंटरनेट अब केवल विशाल ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और भरोसेमंद भी होगा, जो डिजिटल विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। दीर्घकालिक दृष्टि से यह नियम डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। लोग एआई से बनी सामग्री को पहचानना सीखेंगे और फर्जी खबरों के प्रति अधिक सतर्क होंगे। सरकार, शैक्षणिक संस्थान और तकनीकी कंपनियां मिलकर जागरूकता अभियान चलाएंगी। इससे समाज में डिजिटल जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण के कारण विदेशी और घरेलू निवेश में भी वृद्धि होगी, क्योंकि नवाचार के लिए स्थिरता आवश्यक होती है। यह नीति भारत को एक वैश्विक डिजिटल लीडर के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हालांकि कुछ आलोचक इसे कठोर और अव्यावहारिक मानते हैं, परंतु डिजिटल युग की तीव्र गति को देखते हुए यह समयसीमा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। आज कोई भी सूचना कुछ ही पलों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे उसके प्रभाव भी उतने ही व्यापक और गहरे होते हैं। ऐसे में केवल त्वरित और निर्णायक कार्रवाई ही वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। सरकार ने संतुलन साधने का प्रयास किया है, ताकि न तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश लगे और न ही लापरवाही को बढ़ावा मिले। भारत का तीन घंटे का अल्टीमेटम यह स्पष्ट संदेश देता है कि डिजिटल स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही अनिवार्य है। निस्संदेह, यह कदम हमें एक सुरक्षित, पारदर्शी और सशक्त डिजिटल भविष्य की दिशा में अग्रसर करेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

व्यंग्य- सवाल घूसखोर शिरोमणि होने का

कॉम्पिटिशन हर क्षेत्र में है। मलाईदार पदों के लिए कॉम्पिटिशन के साथ साथ घूसखोर चरित्र का होना भी अनिवार्य योग्यता है। आज के दौर में बिना घूसखोरी के किसी भी पद पर टिके रहना सरल नहीं होता। ईमानदार अधिकारी को उसके सहायक कुर्सी पर अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं करते, इसलिए उसके स्थानांतरण की फेहरिस्त लंबी होती रहती है। वैसे भी जीवन के किसी भी क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल करना हंसी खेल का विषय नहीं है। करोड़ों रूपये का माल हजम करने वाले तथा अल्प समय में साईकिल से वायुयान तक, झोपड़ी से ऊंची अट्टालिकाओं तक का सफर तय करने वाले घूसखोर की श्रेणी में नहीं आते। फिर भी घूसखोरी ऐसा रोग है, जो सरकारी क्षेत्र में ही फलता फूलता है। निजी क्षेत्रों में घूसखोरी को कमीशनखोरी की संज्ञा दी जाती है। बहरहाल घूसखोरी में भी घूसखोर शिरोमणि की पहचान जातीय आधार पर कर ली गई है, यह मैं नहीं कहता, किसी फिल्म का शीर्षक कहता है।

लोग उबल रहे हैं, कि उनकी बिरादरी को घूसखोरी का शिरोमणि क्यों बताया जा रहा है। असली घूसखोर इसलिए परेशान हैं, कि उनकी घूसखोरी को घूसखोर शिरोमणि क्यों नहीं चुना गया। मैंने जब से होश संभाला है, घूसखोरी को भारतीय चरित्र में शामिल पाया है। सरकारी अस्पताल हो या बिजली दफ्तर, यातायात विभाग हो या अन्य कोई भी सामान्य विभाग, जिसके पास किसी के बिल पास करने, सरकारी धन की बंदर बाँट करने का अधिकार हो, हर जगह कार्यप्रणाली लगभग समान है, फाइलें तब तक आगे नही सकती, जब तक कि सुविधा शुल्क के नाम पर उसमें घूस के पहिए न लग जाएँ।

यूँ तो भ्रष्टाचार मुक्त शासन के विज्ञापन पट कार्यालयों में चमक रहे होते हैं, लेकिन कार्यालयों में बैठे सरकारी उनकी परवाह नहीं करते। कुर्सी पर बैठते ही उनकी हथेली खुजलाने लगती है। जो फरियादी उनके पास अपनी फरियाद लेकर आता है, वह उसकी फरियाद सुने बिना ही अपनी हथेली की खुजलाहट से उसे अवगत करा देते हैं, साथ ही यह इशारा भी देते हैं, कि बिना बोहनी के वे अपने कार्यालय में दिन की शुरुआत नहीं करते। परेशान हाल फरियादी बोहनी कराता है, तब कहीं जाकर अपनी फरियाद सुनाने लायक बन पाता है।

समस्या एक हो तो बताई जाए, घूसखोरी का चलन इतना बढ़ गया है, कि यदि कोई बिना घूस लिए समस्या समाधान का आश्वासन दे, तो फरियादी उस पर यकीन नहीं करता। बहरहाल घूसखोरी के युग में ईमानदार वही कहलाता है, जिसे घूस लेने का अवसर न मिला हो। तिस पर भी घूसखोरों में आपस में कोई कॉम्पिटिशन नहीं होता। जो काम जिसकी सीट का होता है, घूस पर उसका ही अधिकार होता है। फिर भी बदनाम केवल खास जाति का कर्मचारी ही होता है। उसे सरकारी कार्यालय में कार्य करने वाले सभी अधिकारी और कर्मचारी घूसख़ोर में लिप्त तो प्रतीत होते हैं, किन्तु शिरोमणि नहीं। घूस शिरोमणि के विशेषण से वंचित रहने वालों के लिए यह दुःख का कारण है, वे इसे अपनी कमी मानते हैं।

आजकल घूसखोरी अधिकार का स्वरूप लेती जा रही है। सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त घूस न मिलने पर फाइलें गायब होने के किस्से भी सुर्ख़ियों में रहते हैं। कुछ घूसख़ोर तो घूस लेकर गर्व से स्वयं को घूस शिरोमणि घोषित करते हैं। उनका स्पष्ट मत होता है, यदि घूसखोरी के आरोप में पकड़े भी गए, तो घूस देकर छूट जाएंगे। ऐसे में जहां घूसखोरी अखिल भारतीय स्तर पर नाम कमा रही है, वहां केवल किसी खास व्यक्ति या जाति को घूसखोर कहना देश में अन्य जातियों के घूसखोरों की योग्यता पर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है। कॉम्पिटिशन का परिणाम गहन सर्वेक्षण और प्रतियोगिता को पारदर्शिता से संपन्न कराने के बाद ही होना चाहिए।

(सुधाकर आशावादी -विनायक फीचर्स)

राष्ट्र निर्माण की त्रयी : संस्कृति, राजनीति और कला

भारत के वर्तमान कालखंड में, जहाँ हम 'अमृत काल' की संकल्पना के साथ वैश्विक पटल पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, कला, संस्कृति एवं राजनीति का अंतर्संबंध और भी अधिक गहन एवं विचारणीय हो गया है। ये तीनों तत्त्व किसी भी महान सभ्यता के वे आधार-स्तंभ हैं, जो परस्पर एक-दूसरे को शक्ति और अर्थ प्रदान करते हैं। आधुनिक भारत के इस संधिकाल में, जहाँ हम अपनी पुरातन विरासत को नवीन वैश्विक आकांक्षाओं के साथ एकाकार कर रहे हैं, इन तीनों की सीमाओं और उनके आदर्श सामंजस्य को समझना नितांत आवश्यक हो गया है।

संस्कृति किसी भी राष्ट्र की वह अंतर्धारा है, जो उसे काल के थपेड़ों के बीच भी स्थिर और जीवंत बनाए रखती है। वर्तमान परिवेश में संस्कृति का विस्तार और उसकी सीमाएं अत्यंत सूक्ष्म हो गई हैं। एक ओर हम अपनी जड़ों की ओर लौटने का प्रयास कर रहे हैं, जो कि एक सकारात्मक सांस्कृतिक पुनर्जागरण है, किंतु इसकी सीमा वहाँ रेखांकित होनी चाहिए जहाँ यह गर्व अहंकार या अन्य के प्रति वैमनस्य में परिवर्तित न हो जाए। आदर्श संस्कृति वह है जो 'स्व' को पहचानते हुए 'सर्व' को समाहित करने का सामर्थ्य रखती हो। भारत की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि यही वह धरातल है जिस पर राजनीति और कला की भव्य अट्टालिकाएं खड़ी होती हैं। संस्कृति जब राजनीति को संस्कारित करती है, तभी शासन 'लोकतंत्र' से 'रामराज्य' की संकल्पना की ओर अग्रसर होता है।

राजनीति, जिसे समाज की व्यवस्था का नियामक माना जाता है, वर्तमान भारत में एक अत्यंत प्रभावशाली और सक्रिय भूमिका में है। राजनीति का वास्तविक ध्येय 'नीति' के माध्यम से समाज का कल्याण करना है। किंतु, जब राजनीति स्वयं को साध्य और संस्कृति एवं कला को साधन मान लेती है, तब सीमाओं का उल्लंघन प्रारंभ होता है। आदर्श राजनीति वही है जो संस्कृति की सीमाओं का सम्मान करे और उसे अपनी सत्ता के प्रसार हेतु विकृत न करे। वर्तमान समय में राजनीति की एक बड़ी भूमिका सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुनरुत्थान में देखी जा रही है। यह सुखद है कि राजनीति अब राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता को अपनी नीतियों के केंद्र में रख रही है, परंतु इसकी आदर्श मर्यादा यह है कि यह सांस्कृतिक विविधता का दमन न करे, बल्कि उसे एक सूत्र में पिरोने का कार्य करे। राजनीति की सफलता इस बात में है कि वह कितनी नीति-सम्मत और संवेदनशील है। उसे कला को संरक्षण देना चाहिए, न कि उसे अपनी विचारधारा का प्रचारक बनाना चाहिए। जब राजनीति सांस्कृतिक चेतना से अनुप्राणित होती है, तभी वह राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

कला इन तीनों में सबसे कोमल, किंतु सबसे अधिक प्रखर तत्व है। भारतीय मनीषा में कला केवल चाक्षुष आनंद का विषय नहीं, बल्कि 'ब्रह्मानंद सहोदर' है। कला की सीमा सत्य और सौंदर्य के सामंजस्य में निहित है। कला की सीमा वहीं से प्रारंभ होती है जहाँ सत्य, शिव और सुंदर का संगम होता है। वर्तमान भारत में कला के विभिन्न रूप - चाहे वह साहित्य हो, सिनेमा हो या ललित कलाएँ - समाज के मानस को निर्मित करने में महती भूमिका निभा रहे हैं। कलाकार की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रहनी चाहिए, क्योंकि कला ही वह दर्पण है जिसमें राजनीति और समाज अपनी त्रुटियों को देख सकते हैं। किंतु, कला की स्वतंत्रता उच्छृंखलता का पर्याय नहीं होना चाहिए। कला की मर्यादा उसकी शुचिता और सामाजिक दायित्व में निहित है। यदि कला राष्ट्र की सांस्कृतिक जड़ों को अपमानित करती है या समाज में विघटन के बीज बोती है, तो वह सृजन न होकर विध्वंस बन जाती है। आदर्श कला वह है जो राजनीति के कोलाहल से ऊपर उठकर मानव की शाश्वत अनुभूतियों को स्वर दे। आज के दौर में कला को राजनीति के चंगुल से मुक्त रहकर एक स्वतंत्र प्रहरी की भांति कार्य करना चाहिए, जो संस्कृति के मूल्यों की रक्षा भी करे और समय आने पर सत्ता को नैतिकता का पाठ भी पढ़ाए।

निष्कर्षत:, कला, संस्कृति और राजनीति की सीमाएं परस्पर विरोधी नहीं, अपितु एक-दूसरे की पूरक हैं। राजनीति यदि समाज की देह है, तो संस्कृति उसका प्राण और कला उसका सौंदर्य। वर्तमान भारत के निर्माण में इन तीनों का संतुलित सहयोग अनिवार्य है। जब राजनीति मर्यादित होकर संस्कृति के मूल्यों का वहन करती है और कला निष्पक्ष होकर इन दोनों का विश्लेषण करती है, तभी एक स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र का अभ्युदय होता है। सीमाओं का यह बोध किसी बंधन का परिचायक नहीं, बल्कि उस अनुशासन का प्रमाण है जो महान सभ्यताओं को अमर बनाता है। हमें एक ऐसे भारत की परिकल्पना करनी चाहिए जहाँ सत्ता नीति से चले, संस्कृति उदारता से फले-फूले और कला सत्य की निरंतर खोज में लीन रहे। इसी त्रिवेणी के संगम से भारत पुनः अपनी विश्व-गुरु की प्रतिष्ठा को प्राप्त कर सकता है।

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

संपादकीय

सदन की मर्यादा पर सवाल लोकतंत्र का मंदिर या सियासत का अखाड़ा?

बिहार विधान परिषद में हालिया हंगामे ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हमारे जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की गरिमा को समझ रहे हैं या नहीं। मंत्री अशोक चौधरी और राजद के सुनील कुमार सिंह के बीच जिस तरह की तीखी नोकझोंक हुई, वह केवल राजनीतिक मतभेद नहीं था, बल्कि भाषा और आचरण की सीमाओं का खुला उल्लंघन था। आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई और मार्शलों को बीच-बचाव करना पड़ा। सदन की कार्यवाही बाधित हुई, सभापति को हस्तक्षेप करना पड़ा और विपक्षी सदस्यों को दिन भर के लिए बाहर करना पड़ा। यह दृश्य केवल एक दिन की अव्यवस्था नहीं था, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के स्तर में गिरावट का संकेत था।

सदन को लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है। यहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि बैठते हैं, जो राज्य की नीतियां तय करते हैं, कानून बनाते हैं और सरकार से जवाबदेही मांगते हैं। लेकिन जब इसी सदन में 'चोट्टा', 'चोर' और 'घोटालेबाज' जैसे शब्द गूंजते हैं, जब 'औकात' जैसी भाषा का इस्तेमाल होता है, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम अपने लोकतंत्र को सही दिशा में ले जा रहे हैं। बहस और विरोध लोकतंत्र की आत्मा हैं, लेकिन गाली-गलौज और व्यक्तिगत हमले उसकी आत्मा को आहत करते हैं। हंगामे की शुरुआत कार्यवाही में देरी को लेकर हुई। विपक्ष ने मुख्यमंत्री द्वारा कथित अभद्र टिप्पणी और राबड़ी देवी के अपमान का मुद्दा उठाया। सत्ता पक्ष ने इसे प्रक्रिया का मामला बताया। धीरे-धीरे वातावरण गरमाता गया और व्यक्तिगत आरोपों का दौर शुरू हो गया। मंत्री और विपक्षी सदस्य आमने-सामने आ गए। जिस तरह की भाषा का प्रयोग हुआ, वह लिखने योग्य भी नहीं है। सदन के भीतर की यह स्थिति आम नागरिकों के लिए निराशाजनक है, क्योंकि वे उम्मीद करते हैं कि उनके प्रतिनिधि संयम और शालीनता का उदाहरण पेश करेंगे।

यह पहला अवसर नहीं है जब बिहार की राजनीति में सदन के भीतर शालीनता पर प्रश्नचिह्न लगा हो। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान भी कई बार सदन में तीखी बहसें और हंगामे हुए। 1990 के दशक में चारा घोटाले को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला था। उस समय भी आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक कटाक्षों ने सदन की कार्यवाही को कई बार बाधित किया। हालांकि उस दौर की राजनीति में भी कटुता थी, लेकिन यह अपेक्षा की जाती रही कि व्यक्तिगत मर्यादा की एक सीमा बनी रहे। लोकतांत्रिक विमर्श में असहमति स्वाभाविक है, परंतु असभ्यता स्वीकार्य नहीं हो सकती।

आज की घटना में जो बात अधिक चिंताजनक है, वह यह है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे को सुनने की बजाय केवल आरोप लगाने में लगे दिखाई देते हैं। विपक्ष को अपनी बात रखने और सरकार से सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। वहीं सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह धैर्यपूर्वक जवाब दे और आलोचना को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माने। लेकिन जब संवाद की जगह टकराव ले लेता है, तो लोकतंत्र कमजोर होता है।

बिहार विधानसभा में भी इसी दिन बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराध, नीट छात्र की मौत और राबड़ी देवी के अपमान को लेकर जोरदार नारेबाजी हुई। कांग्रेस विधायकों द्वारा सरकार का पुतला सदन में लाना और उसे चूड़ियां पहनाना प्रतीकात्मक विरोध था, परंतु इससे भी सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। विरोध दर्ज कराने के लोकतांत्रिक तरीके होते हैं, लेकिन सदन की गरिमा बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राबड़ी देवी की टिप्पणी कि वे अपने पद की गरिमा भूल गए हैं, राजनीति में बढ़ती कटुता को दर्शाती है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद भाषा की मर्यादा बनाए रखना प्रत्येक नेता की जिम्मेदारी है। जब वरिष्ठ नेता ही संयम खो बैठते हैं, तो युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं को गलत संदेश जाता है। लोकतंत्र केवल संख्या का खेल नहीं है, बल्कि आचरण और संवाद की संस्कृति भी है।

यह भी सच है कि चुनावी हार-जीत का असर सदन के व्यवहार पर पड़ता है। हार का गम और सत्ता का आत्मविश्वास, दोनों ही कभी-कभी संतुलन बिगाड़ देते हैं। लेकिन जनप्रतिनिधियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे व्यक्तिगत लड़ाई नहीं लड़ रहे, बल्कि जनता की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जिन लोगों ने उन्हें वोट देकर सदन तक पहुंचाया, वे उम्मीद करते हैं कि उनके मुद्दों पर गंभीर चर्चा होगी, न कि सड़कछाप भाषा का प्रदर्शन।

सदन में हुई घटना ने देशवासियों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि क्या हमारे लोकतांत्रिक संस्थान अपनी गरिमा बचा पा रहे हैं। संसद और विधानसभाएं केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के मंच नहीं हैं। वे नीति निर्माण और सामाजिक संवाद के केंद्र हैं। यदि यहां भी शोर, आरोप और अपमान ही सुनाई देंगे, तो जनता का विश्वास कमजोर होगा। समय आ गया है कि सभी दल आत्ममंथन करें। सत्ता पक्ष को चाहिए कि वह विपक्ष की आलोचना को सहनशीलता से ले और पारदर्शिता के साथ जवाब दे। विपक्ष को चाहिए कि वह विरोध दर्ज कराते समय भाषा और व्यवहार की मर्यादा का पालन करे। सभापति और स्पीकर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, जो निष्पक्षता से सदन को संचालित करें और अनुशासन सुनिश्चित करें। लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि यहां विचारों की लड़ाई होती है, व्यक्तियों की नहीं। असहमति लोकतंत्र को मजबूत करती है, लेकिन असभ्यता उसे कमजोर करती है। यदि हमारे जनप्रतिनिधि सदन में संयम और शालीनता का उदाहरण पेश करेंगे, तो लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। अन्यथा, लोकतंत्र का मंदिर धीरे-धीरे सियासत का अखाड़ा बनता चला जाएगा। जनता ने जिन्हें सम्मान देकर सदन तक भेजा है, उनसे यही अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा और व्यवहार से उस सम्मान को बनाए रखें और लोकतंत्र की मर्यादा को सर्वोपरि मानें।

कांतिलाल मांडोत

जनरल नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा और दिल्ली पुलिस की जांच

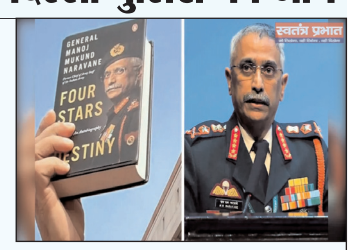

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी की पीडीएफ कॉपी के सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रसार को लेकर औपचारिक जांच शुरू कर दी है। यह मामला किसी अपराध या घोटाले से जुड़ा नहीं, बल्कि एक ऐसी आत्मकथा से संबंधित है जो अभी औपचारिक रूप से प्रकाशित भी नहीं हुई और फिर भी व्यापक रूप से पढ़ी जा रही है। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल नरवणे द्वारा लिखी गई इस पुस्तक की डिजिटल प्रति अचानक विभिन्न संदेश माध्यमों और सामाजिक मंचों पर फैल गई। देखते ही देखते यह रचना केवल सैन्य इतिहास की किताब न रहकर राष्ट्रीय बहस का विषय बन गई। प्रश्न यह नहीं रह गया कि पुस्तक लीक कैसे हुई, बल्कि यह बन गया कि वह अब तक प्रकाशित क्यों नहीं हो सकी।

यह आत्मकथा चार दशकों से अधिक लंबे सैन्य जीवन का विवरण देती है। एक युवा अधिकारी के रूप में सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनाती से लेकर देश की थलसेना के सर्वोच्च पद तक की यात्रा इसमें दर्ज है। इसमें पूर्वी सीमा पर हुए टकराव, पश्चिमी मोर्चे पर तनाव, पड़ोसी देशों के साथ संघर्षविराम, और एक भीषण वैश्विक महामारी के दौरान सेना की भूमिका जैसे प्रसंग शामिल हैं। ऐसे समय में जब देश का सैन्य इतिहास अक्सर आधिकारिक वक्तव्यों और संक्षिप्त प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित रह जाता है, यह पुस्तक घटनाओं के भीतर झांकने का अवसर देती है। शायद यही कारण है कि इसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी।

प्रकाशन की प्रक्रिया सामान्य नहीं रही। पुस्तक के प्रकाशन की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, अग्रिम आदेश भी लिए गए, परंतु अचानक सब कुछ रोक दिया गया। पाठकों को धन वापस कर दिया गया और कहा गया कि आवश्यक स्वीकृतियां लंबित हैं। पूर्व सैन्य अधिकारियों द्वारा लिखी जाने वाली स्मृतियों के लिए रक्षा मंत्रालय की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है, यह कोई नई बात नहीं है। परंतु जब सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त आंकड़ों से यह सामने आया कि उसी अवधि में दर्जनों अन्य पुस्तकों को अनुमति मिल चुकी है और केवल यही एक रचना अटकी हुई है, तो संदेह स्वाभाविक हो जाता है।

लेखक स्वयं कई अवसरों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि उन्होंने अपना कार्य पूरा कर दिया था और उसे प्रकाशक को सौंप दिया था। अनुमति प्राप्त करना उनका दायित्व नहीं था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पुस्तक की सामग्री उनकी अपनी लिखी हुई है और उसमें किसी प्रकार की असत्य जानकारी नहीं है। यही नहीं, पुस्तक के मसौदे को पहले ही कई वरिष्ठ रक्षा विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों ने पढ़ा था और उसकी सराहना भी की थी। इन प्रतिक्रियाओं से यह संकेत मिलता है कि सामग्री न तो मनगढ़ंत है और न ही हल्की।

इसके बावजूद पुस्तक पर चुप्पी बनी रही। इस बीच कुछ समाचार माध्यमों ने इसके अंशों के आधार पर लेख प्रकाशित किए। उन लेखों में सीमा पर हुए संकटों के दौरान लिए गए राजनीतिक और सैन्य निर्णयों का उल्लेख था। संसद में जब इन संदर्भों का उपयोग करने की कोशिश की गई तो भारी हंगामा हुआ और चर्चा रोक दी गई। इसके तुरंत बाद वही डिजिटल प्रति, जिसे अब तक केवल सीमित लोगों ने देखा था, व्यापक रूप से फैलने लगी। यह एक अजीब स्थिति थी, जिसमें एक पुस्तक आधिकारिक रूप से अस्तित्वहीन मानी जा रही थी, परंतु वास्तविकता में हजारों पाठकों तक पहुंच चुकी थी।

अब जांच का केंद्र यह है कि इस अनधिकृत प्रसार के लिए कौन जिम्मेदार है। कानून की दृष्टि से यह कॉपीराइट का उल्लंघन हो सकता है, क्योंकि अप्रकाशित सामग्री को बिना अनुमति साझा किया गया। यदि यह माना जाए कि पुस्तक में संवेदनशील सैन्य जानकारियां हैं, तो उस पर गोपनीयता से जुड़े कानून भी लागू हो सकते हैं। परंतु यहां एक गहरा प्रश्न छिपा है। क्या जांच का उद्देश्य वास्तव में कानून का पालन कराना है या फिर उन तथ्यों को नियंत्रित करना है जो असुविधाजनक साबित हो सकते हैं।

इस आत्मकथा में जिन घटनाओं का उल्लेख है, वे हाल के वर्षों की सबसे संवेदनशील राष्ट्रीय घटनाओं में से हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में हुई झड़पों में देश ने अपने जवान खोए, परंतु उन घटनाओं के बारे में आधिकारिक विवरण सीमित रहा। सरकार की ओर से एक विशेष प्रकार का आख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें दृढ़ता और सफलता पर जोर था। यदि किसी पूर्व थलसेना प्रमुख की पुस्तक उस आख्यान से अलग तस्वीर पेश करती है, तो स्वाभाविक है कि वह राजनीतिक रूप से असहज कर सकती है। परंतु क्या असहजता ही किसी रचना को रोकने का पर्याप्त कारण हो सकती है।

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ केवल सामान्य नागरिकों तक सीमित नहीं है। जिन लोगों ने राज्य की सर्वोच्च जिम्मेदारियां निभाई हैं, उनका अनुभव और दृष्टिकोण भी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा होना चाहिए। निश्चित रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा एक गंभीर विषय है और किसी भी प्रकार की जानकारी का प्रकाशन सावधानी से होना चाहिए। परंतु सुरक्षा और सेंसरशिप के बीच की रेखा बहुत महीन होती है। जब सुरक्षा के नाम पर हर असुविधाजनक प्रश्न को दबाया जाने लगे, तब वह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बन जाती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस मामले में न तो लेखक ने अपनी बात से पीछे हटने का प्रयास किया और न ही प्रकाशक ने यह कहा कि सामग्री गलत है। प्रकाशक ने केवल इतना कहा कि पुस्तक अभी सार्वजनिक नहीं है। इसका अर्थ यह हुआ कि समस्या सामग्री में नहीं, बल्कि उसके सार्वजनिक होने में है। यही विरोधाभास इस पूरे विवाद को और गहरा बनाता है।

डिजिटल युग में किसी रचना को पूरी तरह रोक पाना लगभग असंभव है। एक बार यदि वह किसी रूप में बाहर आ गई, तो उसे नियंत्रित करना कठिन हो जाता है। इस घटना ने यह भी दिखा दिया कि प्रतिबंध और देरी कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। जिस पुस्तक को कुछ कार्यालयी फाइलों में दबाकर रखा गया था, वह अब कहीं अधिक लोगों तक पहुंच चुकी है, वह भी बिना किसी आधिकारिक संदर्भ और विमर्श के। इससे गलत व्याख्याओं और अफवाहों की संभावना भी बढ़ जाती है।

अंततः यह प्रश्न बना रहता है कि समाधान क्या है। क्या बेहतर यह नहीं होता कि पुस्तक को आवश्यक संपादन और स्पष्ट चेतावनियों के साथ प्रकाशित होने दिया जाता, ताकि पाठक उसे पूरे संदर्भ में समझ सकें। जांच और प्रतिबंध के रास्ते ने न केवल लेखक और प्रकाशक को असमंजस में डाला है, बल्कि पाठकों को भी अधूरी और असंतुलित जानकारी के भरोसे छोड़ दिया है।

यह प्रकरण केवल एक आत्मकथा का नहीं है। यह उस बड़े संघर्ष का प्रतीक है, जिसमें राज्य की शक्ति और नागरिक समाज की जिज्ञासा आमने-सामने खड़ी होती हैं। इतिहास बताता है कि सत्य को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। वह कभी दस्तावेज के रूप में, कभी स्मृति के रूप में और कभी डिजिटल प्रति के रूप में सामने आ ही जाता है। प्रश्न केवल यह है कि क्या हम उसे खुली बहस और परिपक्व संवाद के साथ स्वीकार करेंगे या डर और नियंत्रण के माध्यम से उसे और रहस्यमय बना देंगे। जनरल नरवणे की आत्मकथा आज भले ही औपचारिक रूप से प्रकाशित न हो, परंतु उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि कहानियां केवल अनुमति से नहीं, आवश्यकता से जीवित रहती हैं।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

देवरिया को पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की उठी जोरदार मांग

विधान परिषद में नियम 115 के तहत डॉ. रतन पाल सिंह ने उठाया मुद्दा

रुद्रपुर,देवरिया। जनपद को गोरखपुर के माध्यम से पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की मांग अब विधानसभा से होते हुए विधान परिषद में गूंज उठी है। सदस्य विधान परिषद डॉ. रतन पाल सिंह ने नियम 115 के अंतर्गत विधान परिषद के प्रमुख सचिव को सूचना देकर इस महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। डॉ. सिंह ने कहा कि देवरिया जनपद बिहार की सीमा से सटा हुआ है। जिसके कारण यहां से आम जनता का आवागमन अत्यधिक रहता है। देवरिया जनपद मुख्यालय होने के कारण व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियां भी अधिक हैं, लेकिन अब तक एक्सप्रेस-वे से सीधा जुड़ाव न होने के कारण विकास की गति प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि यदि देवरिया को गोरखपुर से पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाता है तो इससे क्षेत्र में औद्योगिक और व्यावसायिक विकास को नई दिशा मिलेगी। साथ ही किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को तेज, सुरक्षित और सुलभ आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। डॉ. रतन पाल सिंह ने सरकार से मांग की है कि इस अति महत्वपूर्ण और लोकहित से जुड़े विषय पर गंभीरता दिखाते हुए देवरिया को पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे से जोड़ने हेतु तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया उत्साह

सुल्तानपुर। पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में अयोध्या मंडल की मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का प्रथम दिवस उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में अयोध्या मंडल के पांचों जनपदों के विजेता छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण मायाराम, विशिष्ट अतिथि एडी बेसिक अयोध्या मंडल कौस्तुभ कुमार सिंह तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। प्राथमिक विद्यालय सिपाह के बच्चों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। एडी बेसिक ने खेल भावना से प्रतिस्पर्धा करने पर जोर देते हुए विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग दिलाने की बात कही। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने खेलों को उज्ज्वल भविष्य का आधार बताया। प्रतिभागियों के मार्च पास्ट ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। प्रतियोगिता परिणाम में प्राथमिक वर्ग 400 मीटर दौड़ (बालक) में सुल्तानपुर के जोहिद तथा (बालिका) में अंबेडकरनगर की फरीदा विजेता रहीं। 50 मीटर दौड़ में अमेठी ने बाजी मारी। 200 मीटर दौड़ में सुल्तानपुर के जावेद विजयी रहे। कबड्डी बालक वर्ग में अमेठी प्रथम व सुल्तानपुर उपविजेता रहा। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों व शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही।

वाटरशेड महोत्सव का आयोजन 19 व 20 फरवरी को

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
www.swatantraprabhat.com
ब्रेकिंग न्यूज़

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि जनपद में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिये वाटरशेड विकास घटक-प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अन्तर्गत वाटरशेड महोत्सव का आयोजन 19 फरवरी को डब्ल्यूडीसी-2 आसपुर देवसरा के ग्राम पंचायत गौहानी में नव निर्मित तालाब पर पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक एवं 20 फरवरी को डब्ल्यूडीसी-1 मंगरौरा के ग्राम पंचायत सरौली में आंगनबाड़ी केन्द्र पर पूर्वान्ह बजे से अपरान्ह 3 बजे तक वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया जायेगा।

गोरखपुर : खजनी के कटघर-बिगही मार्ग पर उग्र प्रदर्शनः नाबालिग ट्रैक्टर चालकों के खिलाफ फूटा जनाक्रोश, प्रशासन परज़ लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी- गोरखपुर जनपद के खजनी क्षेत्र स्थित कटघर-बिगही मार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से नाराज़ ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। बुधवार को सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर आए और अनट्रेंड व नाबालिग ट्रैक्टर चालकों के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर बेलगाम ट्रैक्टर चालकों के कारण अब तक सैकड़ों हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है और कई स्थायी रूप से अपंग हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ईंट-भट्ठों से जुड़े ट्रैक्टर चालक तेज रफ्तार में वाहन चलाते हैं और तेज ध्वनि में स्पीकर बजाते हुए सड़क पर दौड़ते हैं, जिससे राहगीरों और बाइक सवारों को भारी खतरा बना रहता है। प्रदर्शनकारियों ने डीएम मार्क, काका मार्क और बेस्ट मार्क ईंट-भट्ठा संचालकों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे नाबालिग और अप्रशिक्षित चालकों को काम पर रख रहे हैं, जिससे आम जनता की जान जोखिम में पड़ रही है।

बरपार बरगाह निवासी अंतिमा यादव, पुत्री हरिओम यादव, हाल ही में एक हादसे में गंभीर रूप से घायल होकर अपना पैर गंवा चुकी हैं। वहीं संदीप यादव भी ट्रैक्टर की टक्कर से घायल हुए हैं। क्षेत्र के जगरनाथ चौबे, संजय यादव, अमित यादव, उदय राज, अवतार, सत्य प्रकाश शर्मा, गोलू यादव, रामप्रसाद, रोहन, बलवंत समेत कई ग्रामीणों ने मीडिया के सामने प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठाए। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर मोटी परत में मिट्टी जमी हुई है, जिससे हल्की बारिश में भी लोग फिसलकर घायल हो जाते हैं। कई बार शिकायत और तहरीर देने के बावजूद न तो अवैध संचालन पर रोक लगी और न ही स्पीड ब्रेकर बनाए गए। लोगों का आरोप है कि प्रशासन आंख पर पट्टी बांधकर हादसों का तमाशा देख रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई, नाबालिग चालकों पर रोक नहीं लगी और सड़क की स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो बड़ा जनांदोलन किया जाएगा। फिलहाल क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है और लोग प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बजट 2025-26: सर्वांगीण विकास का 'ब्लूप्रिंट'- सीए. रूपक अग्रवाल

देवरिया। चार्टर्ड एकाउंटेंट रूपक अग्रवाल ने यूपी सरकार के बजट 2025-26 को प्रदेश के सर्वांगीण विकास का विजनरी दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि बजट युवाओं, किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। युवा एवं शिक्षा के तहत 40 लाख टैबलेट/स्मार्टफोन वितरण और 1000 करोड़ रुपये से प्रतिवर्ष एक लाख सूक्ष्म उद्योग स्थापित करने का लक्ष्य स्वरोजगार को बढ़ावा देगा। छात्राओं के लिए 400 करोड़ रुपये की स्कूटी योजना भी सराहनीय है। किसानों को नलकूपों के लिए 100 प्रतिशत मुफ्त बिजली और गन्ने के दाम में 30 रुपये प्रति क्विंटल वृद्धि से राहत मिलेगी। महाकुंभ 2025, अयोध्या विकास और जल जीवन मिशन के लिए 22,676 करोड़ रुपये से आधारभूत ढांचा मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और हरित ऊर्जा प्रोत्साहन से प्रदेश विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

सड़क के अभाव में जूझ रहे पढ़ौतिया के ग्रामीण, मतदान बहिष्कार की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार (गोरखपुर), गोला तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रसूलपुर माफी के राजस्व टोला पढ़ौतिया के ग्रामीण मूलभूत सड़क सुविधा के अभाव में परेशान हैं। मंगलवार को दर्जनों ग्रामीण तहसील पहुंचे और उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में उनके स्टेनो को ज्ञापन सौंपकर गांव तक जाने वाले संपर्क मार्ग को पीच कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि उनका टोला उरुवा विकास खंड में स्थित है, जबकि धुरियापार-शाहपुर-बेलघाट मुख्य मार्ग से जुड़ने वाला संपर्क मार्ग ग्राम पंचायत पिपरी बुजुर्ग की सीमा में पड़ता है। यह सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। बारिश के कारण जगह-जगह गहरे गड्ढे और दरारें बन गई हैं, जिससे आवागमन दुश्वार हो गया है। बरसात में लोग फिसलकर चोटिल हो जाते हैं, छात्र-छात्राएं समय से स्कूल नहीं पहुंच पाते और गर्भवती महिलाओं को सीएचसी उरुवा ले जाने में भारी दिक्कत होती है। ग्रामीणों को कई बार तीन किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है।

ग्रामीणों का आरोप है कि दोनों ग्राम पंचायतों के प्रधान एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, जबकि जनप्रतिनिधि भी ध्यान नहीं दे रहे। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक सड़क का निर्माण नहीं होता, वे पंचायत और विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे। मुख्य मार्ग पर 'वोट नहीं' का बैनर भी लगा दिया गया है। ज्ञापन पर करीब तीन दर्जन ग्रामीणों के हस्ताक्षर किए।

निजी प्रसव केंद्र पर प्रसुता की प्रसव के बाद हुई मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुरः गोला उपनगर में संचालित एक निजी महिला प्रसव केंद्र पर प्रसव के दौरान बीती रात एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस सूत्रों के अनुसार पीड़ित पक्ष से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

प्राप्त विवरण के अनुसार गोला थाना क्षेत्र के ग्राम खिरकिटा दिगर निवासी लाली देवी पत्नी रमेश गौड़ (28 वर्ष) को बीती रात प्रसव पीड़ा होने पर परिजन गोला थाने के समीप स्थित एक निजी आवास पर ले गए, जहां एक महिला द्वारा प्रसव कराया जाता है। बताया जाता है कि वहीं पर महिला का प्रसव कराया गया और बच्चा स्वस्थ है। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद प्रसूता की हालत अचानक बिगड़ने लगी। स्थिति गंभीर होने पर रात करीब एक बजे उसे गोला स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को वापस घर भेज दिया गया। मृतका की बड़ी बहन सविता गौड़ के अनुसार महिला की तबीयत अधिक खराब होने के बावजूद सामान्य प्रसव कराने का प्रयास किया गया। उनका कहना है कि लापरवाही के कारण उनकी बहन की जान गई है। उन्होंने पुलिस को तहरीर देने की बात कही है।

वहीं, पुलिस का कहना है कि समाचार लिखे जाने तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधा और मानक व्यवस्था के गोला में प्रसव कराना आम बात हो गयी है। इसके पहले भी मौतें हो गयी हैं। फिलहाल पुलिस शिकायत की प्रतीक्षा कर रही है।

डीसीसी व डीएलआरसी की बैठक सम्पन्न, ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश

देवरिया। गांधी सभागार, विकास भवन में जिला स्तरीय सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की दिसंबर-2025 तिमाही बैठक मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न बैंकों की प्रगति, वार्षिक ऋण योजना और शासकीय योजनाओं के अंतर्गत ऋण वितरण की समीक्षा की गई। दिसंबर-2025 तक 5,63,069.65 लाख रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 4,75,072.25 लाख रुपये की उपलब्धि दर्ज की गई, जो 84.37 प्रतिशत है। कृषि क्षेत्र में 73.40 प्रतिशत तथा प्राथमिकता क्षेत्र में 53.17 प्रतिशत उपलब्धि रही। जनपद का सीडी रेशियो 42.91 प्रतिशत होने पर इसे राज्य औसत 59 प्रतिशत तक बढ़ाने के निर्देश दिए गए। स्वयं सहायता समूहों को सीसीएल ऋण वितरण में तेजी लाने पर जोर दिया गया। विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृति व वितरण समयबद्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गोरखपुरः सिंकरीगंज में बारात की खुशियां मातम में बदलीं, मामूली विवाद में 19 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या; तीन हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के हरिजनपुर गांव में एक शादी समारोह के दौरान मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें 19 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और तनाव का माहौल है। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मुनीब चौहान (19) पुत्र रामभवन चौहान, निवासी चिरैयाडांड थाना गीडा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार मुनीब प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह सिकरीगंज क्षेत्र के हरिजनपुरवा गांव में एक परिचित की बारात में शामिल होने आया था। परिवार को उम्मीद थी कि पढ़ाई पूरी कर वह घर का सहारा बनेगा, लेकिन एक पल में सब कुछ बदल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शादी समारोह में नाच-गाने के दौरान दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। शुरुआत में मामला सामान्य विवाद जैसा लगा, लेकिन देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई। आरोप है कि कुछ युवकों ने मुनीब को घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। गंभीर चोटें लगने के कारण वह मौके पर ही बेहोश हो गया। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। बुधवार को परिजन शव लेकर सिकरीगंज पहुंचे, जहां माहौल गमगीन हो गया। परिवार में कोहराम मचा है और गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। सूचना मिलते ही सिकरीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले

में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की धाराएं स्पष्ट की जाएंगी। घटना के बाद गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। एक साधारण विवाद का इतना भयावह परिणाम सामने आने से लोग सहमे हुए हैं। परिवार ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

यूपी बजट पर सपा जिलाध्यक्ष का हमला, बताया छात्र-किसान विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने इसे आमजन की उम्मीदों के विपरीत बताया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत बजट छात्र और किसान विरोधी है तथा इसमें युवाओं के रोजगार, शिक्षा और किसानों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रावधानों का अभाव है। व्यास यादव ने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कृषि संकट जैसे मूल मुद्दों पर सरकार गंभीर नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि यह दिशाहीन बजट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करेगा और आम जनता को राहत देने में असफल रहेगा। सपा जिलाध्यक्ष ने सरकार से बजट में संशोधन कर युवाओं, किसानों और मध्यम वर्ग के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की।

प्रदेश सरकार के बजट पर भाजपाइयों ने की चर्चा

देवरिया। जिला पंचायत परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के बजट पर चाय पर चर्चा की। पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजय उपाध्याय ने कहा कि 43,565 करोड़ रुपये नई योजनाओं तथा 2 लाख करोड़ से अधिक पूंजीगत व्यय के लिए प्रस्तावित हैं, जिससे रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे भाजपा सरकार का ऐतिहासिक 10वां बजट बताया। जिला उपाध्यक्ष गंगा कुशवाहा ने कहा कि नौ वर्षों में प्रदेश का बजट तीन गुना बढ़ा है। अम्बिकेश पाण्डेय ने बजट को सुरक्षित नारी, सक्षम युवा और खुशहाल किसान के संकल्प से जुड़ा बताया।

कांग्रेस की बैठक में 15 किलोमीटर लंबी पदयात्रा की रूपरेखा पर चर्चा

मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होगीं यात्रा

देवरिया। मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी कार्यालय में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले के वरिष्ठ कांग्रेस जन, फ्रंटल संगठनों, विभागों और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों सहित उपस्थिति रही।

बैठक में 13 फरवरी दिन शुक्रवार को प्रस्तावित 15 किलोमीटर लंबी पदयात्रा की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। यह पदयात्रा शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जायेगी। जिसका मुख्य उद्देश्य गांव-गांव जाकर मनरेगा के मुद्दे पर जन जागरुकता फैलाना है। पदयात्रा के दौरान ग्राम पंचायतों में चौपालें, बाजार हाट में नुक्कड़ सभाएं तथा जिला मुख्यालय पर नगर पालिका परिषद स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के पास समापन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पदयात्रा का रुट चार्ट तैयार कर लिया गया है।

कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ जन जन की आवाज बनकर सड़क से सदन तक संघर्ष कर रही है। सभी कांग्रेस जनों से एकजुट होकर इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष राधवेंद्र सिंह नागेंद्र शुक्ला,वरुण राय, जयप्रकाश धनगर, भरत मणि त्रिपाठी, अब्दुल जब्बार, संजीव मिश्रा, चन्दन वर्मा, आलोक त्रिपाठी राजन,मिर्जा खुर्शीद, विजय शंकर मिश्रा,रजनीश प्रसाद, पन्नालाल पाठक, राजकुमार,मायाशंकर सिंह, रमेश कुशवाहा, शेषनाथ गोंड़, विनोद त्रिपाठी, सिद्धार्थ भारद्वाज, चन्द भूषण पाण्डेय, कुलदीप यादव,अखिलेश शुक्ला मौजूद रहे।

रुट चार्ट : रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोरेया घाट के अम्बेडकर प्रतिमा के पास चौपाल सुबह 10:00 बजें, ग्राम पंचायत विशुनपुर कलां में चौपाल 11:30 बजें,ग्राम पंचायत लाहिलपार दुर्गा मंदिर परिसर में चौपाल अपराह्न 1:00 बजें,महुआनी चौराहा जन संवाद 2:00 बजें,बड़हरा चौराहा पर नुक्कड़ सभा 3:00 बजें होगा। पदयात्रा का समापन नगर पालिका परिषद स्थित महात्मा गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सांय 4:30 बजें समापन किया जायेगा।

प्रथम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी थे तिलका मांझी- चंद्रभूषण

देवरिया। जनपद के रामपुर कारखाना क्षेत्र के डुमरी स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय पर तिलका मांझी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने उन्हें भारत का प्रथम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बताया। उन्होंने कहा कि तिलका मांझी, जिन्हें जबरा पहाड़िया भी कहा जाता है, ने संथाल जनजाति को संगठित कर अंग्रेजों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध का नेतृत्व किया। 1784 में उन्होंने भागलपुर के अंग्रेज अधिकारी क्लीवलैंड पर तीर चलाया। बाद में 13 जनवरी 1785 को अंग्रेजों ने उन्हें फांसी दे दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन आज से

देवरिया। बाबा राघवदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह आयोजित होगा। उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी श्रुति शर्मा व नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह की उपस्थिति में होगा। समापन 13 फरवरी को जिलाध्यक्ष भाजपा भूपेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. प्रताप नारायण सिंह करेंगे। प्रतियोगिताओं में 100, 200, 400, 1500 मीटर दौड़, लंबीकूद, गोला प्रक्षेप, चक्का व भाला फेंक, बैडमिंटन व वॉलीबॉल शामिल हैं। संयोजक डॉ. अभिनव सिंह हैं।

यूजीसी काले कानून के विरोध में बैठक, 16 को महापंचायत

देवरिया। जनपद के रुद्रपुर तहसील में यूजीसी के कथित काले कानून के विरोध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में 16 फरवरी को चंडिका छात्रावास, देवरिया में प्रस्तावित महापंचायत को सफल बनाने पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि 14 फरवरी को देवरिया में गाड़ियों के काफिले के साथ जनसंपर्क व भ्रमण किया जाएगा। वक्ताओं ने छात्रों और युवाओं से अपील की कि 16 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में महापंचायत में पहुंचकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

वर्तमान में संस्कार युक्त शिक्षा की आवश्यकता- रीना दीदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। बुधवार को पी एस टी एलिमेंट्री स्कूल के बच्चों का बिदाई, समारोह पूर्वक किया गया। जिसमें बच्चो को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्रह्म कुमारी रीना दीदी ने कहा कि समाज में आज ब्यूटी पार्लर की जगह ड्यूटी पार्लर की आवश्यकता है। शरीर से ज्यादा आत्मा को सुंदर बनाने की जरूरत है आज समाज संस्कार युक्त शिक्षा की मांग कर रहा है। जीवन में संस्कार ही शिक्षा की सार्थकता को दर्शाता है। हेड ऑफ डिपार्टमेंट संस्कृत विभाग दीनानाथ राजकीय महिला महाविद्यालय डॉ सूर्यकांत पांडेय ने बच्चो को अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और लगन की आवश्यकता पर बल दिया ।विशिष्ट अतिथि रुद्रपुर नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि श्री छठेलाल निगम ने कहा कि आज के बच्चे ए आई के द्वारा भ्रमित हो जा रहे है। जो शिक्षा स्कूल के प्रांगण में टीचर के द्वारा प्राप्त हो सकती है वह किसी भी माध्यम से संभव नहीं है। जिला पंचायत सदस्य सुनील निषाद ने कहा कि विदाई एक सतत् प्रक्रिया है यह

उत्तरोत्तर जीवन का एक अहम हिस्सा है इसे सहजता से स्वीकार करना चाहिए। भाजपा जिला मंत्री श्री महेश मणि त्रिपाठी जो ने कहा कि बच्चो को अपने जीवन में शिक्षा और संस्कार को महत्व देना चाहिए। इसके अलावा श्याम नारायण विश्वकर्मा, रामेश्वर विश्वकर्मा, एडवोकेट शैलेंद्र पांडेय, श्याम सुन्दर यादव, सत्रजीत मणि त्रिपाठी, पत्रकार प्रेम कुमार मुफलिस राम प्रताप पाण्डेय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में मनीष पांडेय, जय गोपाल राजभर, कृष्णकांत चौरसिया विकाश पांडेय, नितिन, अभिषेक त्रिपाठी, रूपा, ऋतु, प्रीति, मनीषा,अमितेश, राजेश, संगीता, महेश्वर जी, मनोरमा, मीरा, अर्चना आदि कई अभिभावक गण और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

भूतपूर्व सैनिकों व आश्रितों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर कराया जाय-एडीएम

प्रतापगढ़। पूर्व सैनिकों के कल्याण एवं प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों/आश्रितों ने भूमि विवाद, अवैध कब्जा, शस्त्र लाइसेंन्स आदि समस्याओं के सम्बन्ध में अपनी-अपनी शिकायतों को एडीएम के समक्ष प्रस्तुत किया, बैठक में कुल 16 शिकायतें प्राप्त हुई। एडीएम ने भूतपूर्व सैनिकों/आश्रितों को शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर प्रकरण से सम्बन्धित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस दौरान एडीएम ने कहा कि देश की सुरक्षा और शांति बनाये रखने में सेनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, सैनिकों के पुरूषार्थ के ही बदौलत हमारे देश की एकता और अखण्डता अक्षुण्ण है। बैठक में सीओ सिटी प्रशान्त राज, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर दिनेश कुमार मिश्र, सैनिक कल्याण के कनिष्ठ सहायक कमल सिंह सहित भूतपूर्व सैनिक/आश्रित व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

खजनी तहसील में भ्रष्टाचार को लेकर अधिवक्ताओं का उग्र प्रदर्शन- नारेबाजी

●मुख्यमंत्री के गृह जनपद तहसील खजनी में 22 जनवरी से तहसीलदार के भ्रष्टाचार को लेकर अधिवक्ताओं का धरना प्रदर्शन अनवरत जारी है जिससे से जनता व वादकारियों को हो रही है परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

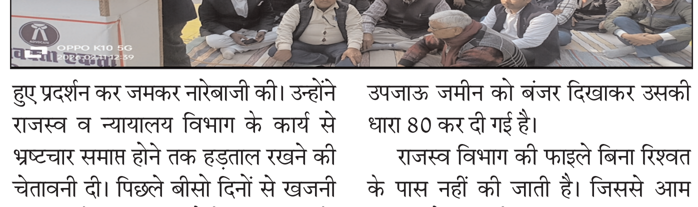

खजनी गोरखपुर खजनी तहसील में भ्रष्टाचार को लेकर अधिवक्ताओं का प्रदर्शन-नारेबाजी बाइस जनवरी से अनवरत जारी है खजनी तहसील में आज बुधवार को भी तहसील के अधिवक्ताओं ने तहसीलदार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। उन्होंने राजस्व व न्यायालय विभाग के कार्य से भ्रष्टाचार समाप्त होने तक हड़ताल रखने की चेतावनी दी। पिछ्ले बीसो दिनों से खजनी बार सघ के अधिवक्ताओं ने तहसीलदार के न्यायालय के कार्यों से बहिष्कार किया हुआ है। हर रोज तहसील में धरना प्रदर्शन कर तहसीलदार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। बार संघ के अधिवक्ताओ ने तहसील परिसर में अधिकारियों के विरोध में नारेबाजी की एवं ज्ञापन सौंपा गया बताया गया कि तहसील में इतना भ्रष्टचार बढ गया है कि उपजाऊ जमीन को बंजर दिखाकर उसकी धारा 80 कर दी गई है।

राजस्व विभाग की फाइले बिना रिश्वत के पास नहीं की जाती है। जिससे आम जनता को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता बार के अध्यक्ष केके सिंह अब बड़ी अधिवक्ता महेश दुबे राजनाथ दुबे मंत्री राजदेव प्रियदर्शी उपाध्यक्ष अनूप सिंह राणा प्रताप सिंह चंद्रभान शुक्ला कृष्ण आनंद शुक्ला आदि लोगों के साथ ही साथ सभी अधिवक्ता आंदोलित है।

दिव्यांगजनों की कला एवं कौशल प्रदर्शनी सम्पन्न

देवरिया। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से वैष्णवी सेवा शिक्षण संस्थान द्वारा दो दिवसीय 'दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनी' का दो दिवसीय आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में किया गया। प्रदर्शनी में 12 स्टॉल लगाए गए, जिनमें दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, सजावटी व उपयोगी वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का समापन उपनिदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण, गोरखपुर मंडल अनुप कुमार सिंह ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागियों ने गीत, नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गोरखपुर व देवरिया की संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिला ने रिश्तेदार पर बाइक और जेवरात ले जाने का लगाया आरोप

कोंच(जालौन)- विरोरा गांव की रहने वाली एक महिला ने अपने रिश्तेदार पर बाइक और जेवरात ले भागने का आरोप लगाया है। महिला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम विरोरा निवासी राजाबेटी पत्नी मूलचंद्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसके पुत्र के पास एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल यूपी 92 एजे 8379 थी। उसके रिश्तेदार चेतराम, जो उसकी पुत्रवधु के पिता हैं, तथा महेंद्रपाल निवासी एरच, जो पुत्रवधू के भाई और जीजा हैं, सावन माह में उसकी पुत्रवधु को अपने साथ ग्राम भरसूंड़ा थाना कोटरा ले गए थे। राजाबेटी का कहना है कि उसकी पुत्रवधु अपने साथ सभी जेवरात और उक्त बाइक भी ले गई थी। आरोप है कि उक्त लोग किसी आपराधिक साजिश के तहत उसे झूठे मामले में फंसाने का प्रयास भी कर रहे हैं। महिला ने पुलिस से गुहार लगाई है कि उसकी बाइक और जेवरात वापस दिलाए जाएं तथा आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है, मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाः त्रुटिपूर्ण आवेदन संशोधन की अंतिम तिथि 13 फरवरी, 18 तक संस्थान से अग्रसारित करें आवेदन

फ़िरोज़ाबाद- जिला समाज कल्याण अधिकारी राजमती ने दषमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत जन-सामान्य व छात्र/छात्राओं को सूचित किया है कि छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार त्रुटिपूर्ण आवेदन को छात्रों के स्तर से सही करना, छात्र/छात्रा द्वारा किये गये ऑनलाइन आवेदन में हुई त्रुटियों को छात्र के लॉगिन पर में प्रदर्षित है, जिसे स्वयं छात्र द्वारा अपने लॉगिन से दिनांक 10 फरवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक ठीक किया जाना है तथा छात्र/छात्राओं द्वारा संषोधित किये गये आवेदन पत्रों को संस्थान स्तर से पुनः दिनांक 18 फरवरी 2026 तक अग्रसारित किया जाना है। उन्होने समस्त छात्र/छात्राओं से अपेक्षित है कि उपरोक्तानुसार अपना-अपना आवेदन चैक कर लें, यदि आवेदन में किसी प्रकार की कोई त्रुटि है, तो उसे दिनांक 13 फरवरी 2026 तक संषोधित करते हुए दिनांक 18 फरवरी 2026 तक छात्रवृत्ति आवेदन पत्र को संस्थान लॉगिन से अग्रसारित कराये जाने सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण कर ली जाए।

किसानो को किसान रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य, सहकारी चेयरमैन विनीत मनार

सिंगाही-खीरी। कस्बे की खैरीगढ़ साधन सहकारी समिति परिसर में कृभको कंपनी के तत्वावधान में सहकारी शिक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन विनीत मनार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए चेयरमैन विनीत मनार ने किसानों से किसान रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रूप से कराने की अपील की। साथ ही उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने और भूमि की उर्वरता सुधारने के लिए नैनो खाद के प्रयोग पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान कृभको के क्षेत्रीय प्रबंधक ज्ञानेंद्र यादव ने किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए ट्रैक्टर चालित एवं पेट्रोल से चलने वाली स्प्रे मशीनें उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस अवसर पर इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक अरविंद यादव, सिंगाही सहकारी बैंक के प्रबंधक जगन्नाथ, समिति अध्यक्ष पंकज सिंह, उपाध्यक्ष राकेश जायसवाल, संचालक दिलीप रस्तोगी, मोनू त्रिवेदी, भाजपा के वरिष्ठ नेता त्रिलोकीनाथ देवड़िया, पूर्व प्रधान श्रीराम सिंह, सभासद आशीष भंडारी, पूर्व सभासद शिशिर गुप्ता, अनूप भंडारी, प्रदीप श्रीवास्तव, समिति सचिव रवी शुक्ला सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सिंगाही के शिव मंदिर में आस्था का नया सवेरा!

नर्मदेश्वर महादेव सपरिवार की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारम्भ।

सिंगाही। कस्बे के मुख्य मार्ग सराफा बाजार स्थित शिव मंदिर अब अपने भव्य और दिव्य रूप में तैयार है। आचार्य सोने लाल मिश्रा और उत्तम कुमार मिश्रा के सानिध्य में कलश यात्रा के साथ 'श्री नर्मदेश्वर महादेव सपरिवार' की प्राण-प्रतिष्ठा का मंगलारंभ हुआ।कलश यात्रा के साथ सिंगाही का वातावरण भक्तिमय हो गया। बुधवार सुबह कस्बे के महारानी सूरथ कुमारी मेन रोड सर्राफा बाजार में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का जीर्णोध्दार कस्बे के स्वर्णकारों ने मुख्य रूप से निभाया है। मंदिर निर्माण के बाद 11 फरवरी से 16 तक मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम होने है। जिसकी शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई।मंदिर पर आचार्य मंडली ने मुख्य यजमान राहुल सोनी से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन के बाद महिलाएं सर पर कलश लेकर बोल बम और हर -हर महादेव के नारे लगाते हुए गागे बाजे के साथ मेंन बाजार होकर मेला मैदान पहुंची। वहां से वाहनों में सवार होकर खैरीगढ़ सरयू घाट पहुंच कर जल लेकर मंदिर वापस लौटी। कलश यात्रा के दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा।मंदिर का नवनिर्मित स्वरूप और श्री नर्मदेश्वर महादेव की सपरिवार स्थापना क्षेत्र के लिए विशेष आकर्षण और आस्था का केंद्र बना हुआ है। मंदिर समिति ने बताया कि आने वाले दिनों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मूर्ति स्थापना और विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पूर्व चेयरमैन प्रदीप पुरवार, दुर्गा मंदिर के अध्यक्ष उत्तम सोनी, रामप्रकाश सोनी,प्रेम सोनी ,आलोक सोनी, आनंद सोनी, धर्मेश सोनी, धरमू मौर्य सहित भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

महा खुलासाः गोला तहसील में जीवित व्यक्ति को मृतक दिखा जमीन निगल रहे दबंग

● फर्जी वरासत के मामले लेखपाल भूपेंद्र वर्मा, और कानूनगो पर लग रहे गंभीर आरोप

जमीन हड़पने के इस खेल में प्रधान से लेकर लेखपाल, कानूनगो, और तहसील दार तक के शामिल होने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी तहसील गोला में राजस्व विभाग के भ्रस्टाचार का एक सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है।जिसने प्रशासन की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।बताते चलें कि आम आदमी जिस पटवारी/लेखपाल और कानूनगो, तहसीलदार पर भरोसा करता है और अपनी पूरी जिन्दगी की कमाई लगाता है।यदि वहीं अधिकारी कर्मचारी भू-माफिया के साथ मिल जाय तो न्याय की उम्मीद किससे की जाय?

क्या है पूरा मामला-तहसील गोला अंतर्गत ग्राम पंचायतहरदुआनिवासी हरी राम पुत्र रजई को सपने में भी अंदाजा नहीं था। कि जो जमीन उसकी है और जिस जमीन का वह मालिक और एक मात्र हकदार है।उसी जमीन को लेखपाल और कानूनगो भारी भरकम नजराना लेकर किसी दूसरी बिरादरी की महिला के नाम फर्जी वरासत भर देंगे और जीवित रहते हुए काग़ज़ों पर उसे मृतक दिखा दिया जायेगा। गोला तहसील के परगना कुकुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदुआ में एक ऐसा ही सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है।जहां पर तैनात रहे लेखपाल भूपेंद्र वर्मा द्वारा चंद गांधी छाप काग़ज़ के टुकड़ों की चकाचौंध में एक जीवित आदमी को मृतक दिखाकर उसकी जमीन मौर्य बिरादरी की एक महिला को पीड़ित की पुत्री दिखाकर बतौर वारिस वरासत दर्ज कर बड़ा फर्जीवाड़ा किए जाने का मामला सामने आया है।जबकि पीड़ित धोबी जाति से है, और जीवित रहते हुए रेलवे विभाग से पेंशन ले रहा है। इससे पहले भी फर्जी वरासत मामले में लेखपाल भूपेंद्र वर्मा घिर चुके हैं।बताया जा रहा है दबंग किस्म लेखपाल भूपेंद्र वर्मा जो फर्जीवाड़ा और भ्रस्टाचार के लिए खासा चर्चित रहे हैं। इनके द्वारा सूबे के मुखिया और उच्च न्यायालय के आदेश को ताक पर रखकर सरकारी जमीनों खेल मैदान, और प्राइमरी पाठशाला की आरक्षित रिक्त पडी जमीनों पर अवैध तरीके से कब्जा कराकर लाखों की ठगी करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। गौरतलब हो कि भू- स्वामी

का आरोप है कि लेखपाल, कानूनगो और प्रधान ने हरीराम पुत्र रज़ई को मृतक दिखाकर उसकी जमीन गाटा संख्या 731 ठ की फर्जी वरासत गांव की ही मौर्य बिरादरी की एक महिला पिंकी देवी/ बिंदर पाल पुत्री हरिराम के नाम भरकर लाखों रुपये की ठगी की गई है।उक्त महिला मौर्य बिरादरी की है जबकि हरीराम धोबी जाति का है । तो उक्त पिंकी देवी हरीराम की पुत्री कैसे हो सकती है? सूत्र बताते हैं कि कथित मृतक. हरिराम की फर्जी पुत्री बनी. पिंकी देवी/बिंदर पाल कथित पुत्री हरिराम ग्राम हरदुआ परगना कुकुरा तहसील गोला जिला खीरी की निवासी और मौर्य बिरादरी की बताई जाती हैं। उक्त मामले में आज तक कोई कार्रवाई न होना बड़ा सवाल खड़ा करता है। कि इसे अधिकारियों की लापरवाही कहे या फिर लेखपाल द्वारा की गयी कमाई में भागीदारी समझा जाय। बड़ा सबाल यह भी है कि यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति के साथ घटित धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा की घटना का नहीं बल्कि सिस्टम में दीमक की तरह लगे भ्रस्टाचार का सबूत है।जब रक्षक ही भक्षक बन बैठे तो आम आदमी अपनी जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करने किसके पास जाय? फर्जी वरासत के विवाद में घिरे लेखपाल भूपेंद्र वर्मा पर आज तक कोई कार्रवाई न होना प्रशासन की सुस्ती को उजागर करता है।अब देखना है कि क्षेत्र में चर्चित और हमेशा सुर्खियों में रहने वाले दबंग लेखपाल भूपेंद्र वर्मा और कानूनगो पर कब तक शिकंजा कस पाता है जिला प्रशासन? पीड़ित ने पूनः मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर दोषी लेखपाल और कानूनगो सहित ग्राम प्रधान राम किशन के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराए जाने तथा दर्ज फर्जी वरासत को निरस्त कराकर जमीन वापस दिलाए जाने की मांग की है।

क्यों लड़िया पहुंची राज्यपाल की बेटी श्रुति ब्लॉक प्रमुख ने किया जोरदार स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/झारखंड के राज्यपाल महामही संतोष कुमार गंगवार की पुत्री श्रुति गंगवार विकासखंड भदपुरा के कार्यालय क्यों लड़िया पहुंची यहां पहुंचने पर यहां के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने उनका जोरदार स्वागत किया बह क्षेत्र के एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आई थी इस अवसर पर उन्होंने विकासखंड भदपुरा कार्यालय पहुंची यहां पहुंचने पर यहां के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने उनको पटका उड़ाकर सम्मानित किया ज्ञात रहे उनके पिता बरेली लोकसभा से आठ बार सांसद कई बार केंद्र सरकार में मंत्री रहने के बाद अब वह झारखंड के राज्यपाल हैं। उनकी पुत्री श्रुति गंगवार आज विकासखंड भदपुरा के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम में आई थी उनके साथ भाजपा नेता भुजेंद्र गंगवार विधायक अनुज लेखराज गंगवार गन्ना समिति अध्यक्ष निर्भय गंगवार विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता हरीपाल गंगवार के साथ ही प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार ठाकुर विनय सिंह ओमप्रकाश गंगवार महेश चंद्रपाली समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा पदाधिकारीयों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी

टूण्डला। एकात्म मानववाद व अंत्योदय के प्रणेता एवं प्रखर विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी टूण्डला नगर पदाधिकारीयों द्वारा बूथ संख्या 146 पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का सिद्धांत आज भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, टूण्डला चेयरमैन चौधरी भंवर सिंह, नारखी ब्लॉक प्रमुख सुशील चक, क्रय-विक्रय समिति अध्यक्ष मुकेश धामा, भाजपा नगर अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, शिव शंकर शर्मा, विनोद कुमार सिंह, बिन्नू, हनी जादौन (सभासद), कन्हैया पौनिया, विकास बाल्मिक, गिरवर निषाद एवं विष्णु तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अश्वनी जैन का राज्य अध्यापक पुरस्कार में चयन होने पर एम डी जैन इंटर कॉलेज में हुआ अभिनंदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिरसागंजः- माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश ने प्रति वर्ष शिक्षक दिवस पर प्रदान किए जाने वाले शिक्षक पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। सरकार द्वारा राज्य के माध्यमिक एवं राजकीय विद्यालयों के 15 शिक्षकों के नाम की सूची जारी की गई है। जिसमें जनपद फिरोजाबाद के श्री महावीर दिगम्बर जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज के नागरिक शास्त्र के प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन को मानविकी वर्ग में महामहिम राज्यपाल द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। अश्वनी कुमार जैन को यह पुरस्कार विद्यालय में अपने विषय में विद्यार्थियों के नामांकन बढ़ाने, नागरिक शास्त्र विषय को रुचिकर बनाने, उसमें नवाचार करने नागरिक शास्त्र मेला, भारतीय संसद का निर्माण, संविधान प्रस्तावना पाठ, संविधान क्विज, संविधान पोस्टर प्रतियोगिता, पैनल बोर्ड से वीडियो के माध्यम से अध्ययन, शैक्षिक भ्रमण, टी एल एम से विद्यार्थियों को अध्ययन, विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं में योगदान, महापुरुषों की जयंती एवं राष्ट्रीय पर्वों पर मंच संचालक की भूमिका का निर्वहन, नगर पालिका परिषद सिरसागंज के स्वच्छ भारत अभियान के ब्राण्ड एम्बेसडर की भूमिका में स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, वृक्षारोपण कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा, मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम, आजादी का अमृत महोत्सव, विद्यार्थियों को संसद, चुनाव आदि की जानकारी एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका प्रदान करने के लिए दिया गया है। उनके चयन से जिले के शिक्षकों और विद्यार्थियों में खुशी की लहर है।

विद्यालय में अश्वनी जैन के अभिनंदन समारोह का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन के संयोजन में किया गया। नीरज जैन ने उन्हें शुभकामनाएं प्रदान करते हुए बताया कि जैन विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। वह जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक भी हैं और उन्होंने अपने व जिले के विभिन्न विद्यालयों में एक हजार से अधिक विज्ञान प्रदर्शनियां एवं गतिविधियां आयोजित की हैं। उनके द्वारा विद्यालय में सभी गतिविधियों में पूर्ण सक्रियता रहती है। हेमचन्द्र जैन ने बताया कि जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग से पहली बार राज्य स्तर पर शिक्षक का चयन हुआ है। यह जनपद के लिए गौरव का क्षण है।

अश्वनी कुमार जैन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, समस्त जनप्रतिनिधियों, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक साथी, विद्यालय की प्रबन्ध समिति, समस्त विद्यालय परिवार, समस्त मीडिया वर्ग का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि काम ही पहचान है, उनका प्रयास सदैव यह रहा है कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक और सृजनात्मक अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षक का कर्तव्य केवल किताबें पढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना भी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ नितिन मिश्र एवं अमित जैन ने किया। इस अवसर पर संदीप जैन, राजकुमार, संजीव जैन, सुनील जैन, मनोज जैन, शैलेन्द्र जैन, सत्यपाल सिंह, प्रशांत जैन, नितिन जैन, अंजय जैन, दुर्गेश नंदन श्रीवास्तव, राजीव जैन, निर्भय जैन, परेश जैन, निशान्त जैन, योगेश श्रीवास्तव, धीरज जैन, राजेश सक्सेना, मनीष जैन, नवनीत प्रकाश जैन, विपुल जैन, हरिशंकर, सत्यकाम सिंह, मनोज शाक्य, विपुल, सुकीर्ति चतुर्वेदी, प्रीती जैन, स्वाती जैन, रंजना जैन, सारिका कुलश्रेष्ठ, साधना मोडवेल, अंजली जैन, साक्षी, किरण आदि उपस्थित रहे।

महाराजा सूरजमल शोभायात्रा को लेकर पदाधिकारियों ने घर घर जाकर किया जनसम्पर्क

टूण्डला- महाराजा सूरजमल की शोभायात्रा 13 फरवरी को निकलेगी जिसको लेकर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने घर-घर जाकर लोगों से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की गई। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के जिलाध्यक्ष शरद पौनिया ने बताया कि 13 फरवरी को प्रातः दस बजे से महाराजा सूरजमल शोभायात्रा दीपा चौराहे टूण्डला से ठाकुर बीरी सिंह कॉलेज टूण्डला तक निकाली जायेगी। इसको लेकर घर घर जाकर पदाधिकारियों ने समाज के लोगों से पहुंचने की अपील की गई। इस मौके पर शोभायात्रा के अध्यक्ष भवर सिंह चेयरमैन, महेन्द्र सिंह जुरेल, रालोद जिलाध्यक्ष देशराज सिंह, सुशील पौनिया, हमवीर सिंह, जगवीर सिंह पौनिया, चौधरी सत्यपाल सिंह, उदयवीर पौनिया, किशोर चौधरी, पंकज चौधरी, डॉ. गौतम नौहवार, दिनेश पाल सिंह, दीपक ठेनुआ, ओमप्रकाश, चन्द्रवीर सिंह, इंद्रपाल सिंह, अतर सिंह, देव चौधरी, मुकेश सिंह, प्रवीण चौधरी, अंकुर सोलंकी, वरुण सोलंकी, लवदीप चौधरी, भूपेंद्र चौधरी, रवि प्रधान, दिनेश पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

टहारा सुखनी सायफन में किनारे लेटा दिखा विशालकाय मगरमच्छ

शारदा नगर खीरी। टहारा क्षेत्र के सुखनी सायफन पर उस समय हड़कंप मच गया जब स्थानीय लोगों ने किनारे पर एक विशालकाय मगरमच्छ को लेटा हुआ देखा। सुबह के समय सायफन के पास पहुंचे ग्रामीणों की नजर अचानक पानी के किनारे आराम कर रहे मगरमच्छ पर पड़ी। मगरमच्छ को देखते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। एहतियातन लोगों ने बच्चों और मवेशियों को सायफन के पास जाने से रोक दिया। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देने की बात कही है, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई कर मगरमच्छ को सुरक्षित स्थान पर भेजा जा सके और किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। फिलहाल क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही।

बरेली कालेज बरेली में एन 0एस0 एस0 के छात्रों ने निकाली नशामुक्ति जन-जागरूकता रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज बरेली की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई द्वितीय एवं तृतीय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ यशार्थ गौतम एवं डॉ बृजवास कुशवाहा नगर के निर्देशन में दूसरे एक दिवसीय शिविर के अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार नशा मुक्ति अभियान पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, उसके दुष्परिणाम तथा रोकथाम के उपायों पर विशेष चर्चा की गई एवं स्वयंसेवकों को बताया गया कि वर्तमान समय में कुछ युवा तनाव, गलत संगति, जिज्ञासा तथा सामाजिक प्रभाव के कारण नशे की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, पारिवारिक जीवन और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि समाज में अपराध, हिंसा और आर्थिक समस्याओं को भी बढ़ावा देता है। इसके निराकरण हेतु सभी में जागरूकता फैलाना, सकारात्मक जीवनशैली अपनाना, खेल-कूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना तथा परिवार और शिक्षकों का मार्गदर्शन को आवश्यक बताया। अंत में सभी स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति का संदेश समाज तक पहुँचाने और स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित कर स्वयंसेवकों को चयनित मलिन बस्तियों सिकलापुर एवं खुर्रमगोटिया में जनमानस को जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई।स्वयंसेवकों में अर्जुन, नूर उल नवी,अमित आदि ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कॉल स्पूफिंगः साइबर ठगों का खतरनाक हथियार,जो आपकी जेब पर डाका डाल सकता है वेद सिंह

● इन साइबर तो से रहे सावधान किसी भी स्थिति में 1930 डायल करें तुरंत सहायता मिलेगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/डिजिटल के दौर में फोन उठाना भी जोखिम भरा हुआ है। एक तरफ जहां हम रिश्तेदारों, दोस्तों और जरूरी कामों के लिए मोबाइल पर निर्भर हैं, वहीं दूसरी तरफ साइबर अपराधी इसी मोबाइल को हथियार बनाकर लोगों की जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। इनमें सबसे खतरनाक तरीका है कॉल स्पूफिंग। यह तकनीक इतनी सटीक है कि स्क्रीन पर दिखने वाला नंबर बिल्कुल असली लगता है, लेकिन असल में कॉल करने वाला कोई और होता है।

कॉल स्पूफिंग क्या होती है?

सरल शब्दों में कहें तो कॉल स्पूफिंग में ठग आपके फोन की स्क्रीन पर जो नंबर या नाम दिखाते हैं, वह वे खुद चुनते हैं। वे VoIP (इंटरनेट के जरिए कॉलिंग) ऐप्स या स्पेशल सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके किसी बैंक, पुलिस, CBI, RBI, आपके रिश्तेदार या यहां तक कि किसी सरकारी कार्यालय के नंबर को स्पूफ कर देते हैं। मतलब, आपके फोन पर दिखता है कि कॉल बैंक से आ रही है या पुलिस स्टेशन से, लेकिन असल में वह कोई साइबर ठग बैठा होता है, जो शायद विदेश में या किसी छिपे हुए ठिकाने पर है।

भारत में यह तरीका पिछले कुछ सालों में बहुत तेजी से फैला है। खासकर 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले में इसका जमकर इस्तेमाल हो रहा है। ठग खुद को CBI, ED या पुलिस अधिकारी बताते हैं, कहते हैं कि आपका नाम मनी लॉन्ड्रिंग या ड्रग्स केस में आया है। वे डराते-धमकाते हैं, वीडियो कॉल पर रखते हैं और कहते हैं कि 'डिजिटल गिरफ्तारी' हो गई है। घबराए लोग लाखों-करोड़ों रुपये ट्रांसफर कर देते हैं। 2025 में ही भारत में साइबर फ्रॉड से लोगों ने 19,000 करोड़ से ज्यादा रुपये गंवाए, जिसमें स्पूफिंग का बड़ा हाथ था।

ठग कैसे काम करते हैं और क्यों सफल होते हैं

ये लोग विदेशी सर्वर, अवैध टेलीकॉम एक्सचेंज और AI टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। सरकार ने 2025 में CIOR सिस्टम लगाकर अंतरराष्ट्रीय स्पूफ्ड कॉल्स को 97% तक कम किया लेकिन ठग अब नए-नए तरीके ढूंढ रहे हैं।

» कभी लोकल नंबर स्पूफ करते हैं, कभी बैंक का। वे मनोवैज्ञानिक दबाव बनाते हैं - डर, लालच या इमोशनल ब्लैकमेल।

» सावधानी ही बचाव है ये मूलमंत्र सदैव याद रखिये

» किसी भी कॉल में पैसे, OTP, CVV, पासवर्ड या पर्सनल डिटेल कभी न दें।

» अगर कोई अधिकारी बनकर धमकी दे तो कॉल काटें और खुद संबंधित विभाग के आधिकारिक नंबर से संपर्क करें।

» संदिग्ध कॉल आए तो दोबारा उसी व्यक्ति को उसके ज्ञात नंबर से कॉल करके सत्यापन करें।

» फोन में ट्रू कॉलर या सरकारी ऐप्स जैसे 'चेक कॉलर' का इस्तेमाल करें।

» संदेह हो तो 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) पर शिकायत करें।

» बैंक या सरकारी एजेंसी कभी फोन पर पैसे मांगती नहीं।

याद रखिए, साइबर ठगों का सबसे बड़ा हथियार आपका डर है। जरा सी सतर्कता से आप न सिर्फ अपनी, बल्कि परिवार की जमा-पूंजी बचा सकते हैं। सरकार और पुलिस प्रयासरत हैं, लेकिन असली जिम्मेदारी हमारी है। सावधान रहें, सुरक्षित रहें। क्योंकि एक कॉल आपकी पूरी मेहनत की कमाई छीन सकती है! साइबर क्राइम से संबंधित प्रतिदिन अधिक जानकारी के लिए चैनल को ज्वॉइन करें। अधिक से अधिक लोगों को शेयर करें और अधिक से अधिक लोगों को चैनल में जोड़े जिससे हम अधिक से अधिक लोगों को जागरुक कर सकें और साइबर अपराध से बचा सकें।

सीएम डैशबोर्ड पर खराब प्रदर्शन पर डीएम सख्त, कई विभागों को नोटिस के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद- जिलाधिकारी रमेश रंजन ने बुधबार को अपने कक्ष में सी0एम0 डैशबोर्ड पर खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों की समीक्षा की गई, समीक्षा बैठक के दौरान खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों के प्रति कड़ा रख अपनाते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और कार्य प्रणाली में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए, समीक्षा में पाया गया की जी0एम0डी0आई0सी0, पी0ओ0 डूड़ा और जिला आबकारी अधिकारी की रैंकिंग के ग्रेड 'सी' है, जिलाधिकारी ने इसे अत्यंत असंतोष जनक मानते हुए निर्देशित करते हुए कहा कि इन सभी अधिकारियों को नोटिस जारी किया जाए, इसमें से कोई भी अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़े, जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की ये सभी अधिकारी अपनी रैंकिंग में अनिवार्य रूप से सुधार लाएं। नगर निगम और स्टांप विभाग के लक्ष्य की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पाया की वसूली निर्धारित लक्ष्य से काफी पीछे है, नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स और वॉटर टैक्स की कम वसूली पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह व्यक्तिगत रूप से मॉनिटरिंग कर राजस्व संग्रह में तेजी लाएं, स्टाम्प विभाग द्वारा लक्ष्य से कम प्राप्ति पर जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए, उन्होंने संबंधित रजिस्ट्रार को फील्ड विजिट करने के आदेश दिए, ताकि स्टांप की

कमी को दूर कर राजस्व बढ़ाया जा सके, जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, सभी विभाग अपनी प्रगति रिपोर्ट में सुधार करें, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट, अपर जिलाधिकारी न्यायिक आदि उपस्थित रहें।

आरोप-अधीक्षक नकहा की शह पर चल रही अवैध क्लिनिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। खीरी जनपद के सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता जहां अवैध प्राइवेट अस्पतालों/क्लीनिकों पर शिकंजा कस रहे हैं, वहीं जुलाहन पुरवा चौराहा पर सीएचसी अधीक्षक की शह पर अवैध क्लीनिकों का धड़ल्ले से संचालन हो रहा है। इन अवैध क्लीनिकों/अस्पतालों में कस्बे के संपूर्णानगर रोड पर संचालित पीएचपी हॉस्पिटल नाम का क्लीनिक इन दिनों काफी चर्चा में हैं। आरोप है कि हॉस्पिटल /क्लीनिकों में तथाकथित झोलाछाप डॉक्टर व अनट्रेंड नर्से मरीजों के जीवन के साथ जमकर खिलवाड़ कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक खीरी जनपद के जुलाहन पुरवा चौराहा पर एक बिल्डिंग में पीएचपी हॉस्पिटल नाम से एक प्राइवेट क्लीनिक/अस्पताल संचालित हो रहा है। बताते है कि इस क्लिनिक का स्वास्थ्य विभाग में अभी तक रजिस्ट्रेशन भी नहीं है और न ही यहां कोई एमबीबीएस डाक्टर बैठते हैं। इसके बावजूद इस मानकविहीन क्लीनिक/अस्पताल में गंभीर से गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को भर्ती कर इलाज के नाम पर उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है। सबसे खास बात तो यह है कि इस अवैध अस्पताल में महज़ झोलाछाप डाक्टर व अनट्रेंड नर्से धडल्ले से मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने में जुटे हैं। आलम यह है कि इस अवैध क्लीनिक/अस्पताल में तथाकथित झोलाछाप डाक्टर सीजेरियन आपरेशन कर महिलाओं के प्रसव भी करा रहे हैं?। मरीजों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं।

आरोप है कि इस क्लीनिक के झोलाछाप डॉक्टर ने नकहा सीएचसी अधीक्षक समेत जिले के स्वास्थ्य विभाग में सेटिंग्स गेटिंग के तहत गहरी पैठ बना रखी है। जिसकी बदौलत वह धडल्ले से अपना अवैध कारोबार चला रहे हैं। पास पड़ोस के लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस क्लीनिक के संचालक ने क्षेत्र की आशा बहुओं समेत कई लोगों को मोटे कमीशन का लालच देकर अपना एजेंट बना रखा है। जोकि अपने मोटे कमीशन के लालच में अच्छे व बेहतर इलाज का झांसा देकर मरीजों को इस अवैध क्लीनिक में इलाज देते है।

उसके बाद यहां पर नामचीन डाक्टरों के नाम पर इलाज कर मरीजों का जमकर शोषण किया जाता है। लोगों का आरोप है कि क्लीनिक संचालक ने स्वास्थ्य विभाग में गहरी पैठ बना रखी है। इसी पैठ की बदौलत हॉस्पिटल में मरीजों के जीवन के साथ सरेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। खीरी जनपद में संचालित अवैध अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर खीरी सीएमओ डॉ संतोष कुमार गुप्ता लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनके अधीनस्थ अधिकारी उनके इस प्रयास को पलीता लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस अवैध अस्पताल के संचालन को लेकर नकहा सीएचसी अधीक्षक डॉ रामू वर्मा से बात की गई तो पहले तो उन्होंने जांच कर अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन कुछ समय बाद ही सीएचसी अधीक्षक के सुर बदले नजर आये। इस बाबत सीएचसी अधीक्षक डॉ रामू वर्मा ने कहा कि मै सीएचसी अधीक्षक के पद पर तैनात हूं, दिन भर भाग दौड़ रहती है, आपकी फालतू शिकायतों के लिए मेरे पास समय नहीं है। नकहा सीएचसी अधीक्षक की इन बातों से स्पष्ट झलक रहा है कि वह अपने कर्तव्य के प्रति कितने ईमानदार है ? फिलहाल अब देखना यह है कि खीरी सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता नकहा सीएचसी अधीक्षक व अवैध रूप से संचालित क्लीनिक के विरुद्ध क्या कार्रवाई करते है।

संक्षिप्त खबरें

शिवरात्रि पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित

चुनार ,मीरजापुर। प्रभारी निरीक्षक विजय शंकर सिंह की अध्यक्षता में कोतवाली में बुधवार को शिवरात्रि पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के शिवालयों में होने वाले जलाभिषेक,शोभा यात्रा इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर कस्बा चौकी प्रभारी अखिलेश कुमार यादव,ज्योति प्रकाश सिंह एडवोकेट,सभासद रामलाल,संतोष यादव व करतार सिंह,मुन्ना चौबे,लवकुश गुप्ता,अमित गुप्ता,महेंद्र साहू,शीतला प्रसाद यादव एडवोकेट सहित शिवालयों के अर्चक एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश बजट 2025.26 महिलाओं के लिए सौगात- डॉ शेफालिका राय

चुनार, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश बजट 2026 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ शेफालिका राय ने कहा कि बजट का 12.4 फीसदी हिस्सा शिक्षा पर, 6 फीसदी चिकित्सा पर और 9 फीसदी हिस्सा कृषि से जुड़ी योजनाओं पर खर्च होगा।युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत छोटे उद्योगों के लिए युवाओं को ब्याज मुक्त लोन की व्यवस्था रखी गई है।महिलाओं एवं लड़कियों के लिए सौग़ात है। मेधावी छात्राओं के लिए रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत स्कूटी योजना के लिए 400 करोड़ रूपये खर्चों का प्रावधान एवं महिलाओं के लिए कौशल विकास केंद्र खोला जाना है जिसमें तकनीकी परीक्षण बाज़ार की माँग के अनुसार कराया जाना ,रोज़गार में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने की ओर एक सराहनीय क़दम है । बेसिक शिक्षा के लिए 77हजार 622 करोड़ रुपये,माध्यमिक के लिए छह करोड़ रुपये एवं भदोही में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना स्कूल शिक्षा व्यवस्था के साथ उच्च शिक्षा को मज़बूत करने की ओर बढ़ रहा है।उत्तर प्रदेश बजट 2026 में सारनाथ और हस्तिनापुर को 'वाइब्रेंट कल्चरल डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित करने, 20 प्रमुख स्थलों पर 10,000 गाइडों की तैनाती, तथा अयोध्या-मथुरा-काशी में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का प्रावधान है।अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, और विंध्यवासिनी धाम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों को 'मॉडल टूरिज्म डेस्टिनेशन' के रूप में और अधिक विकसित किये जाने का प्रावधान है, अयोध्या विकास के लिए 100 करोड़ रुपए का आवंटन ना केवल अयोध्या बल्कि पूरे पूर्वांचल में पर्यटन उधोग को गति प्रदान करेगा।

जंगला बनपुरवा हत्या प्रकरण में डीएम एसपी ने किया निरीक्षण

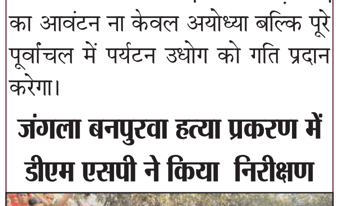

भदोही। औराई थाना क्षेत्र के जंगला बनपुरवा में जमीनी विवाद को लेकर मंगलवार को हुई हत्या की घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित और सख्त कदम उठाए हैं। बुधवार को जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने संयुक्त रूप से घटना स्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने विभिन्न न्यायालयों में दर्ज वादों का परीक्षण किया और पीड़ित पक्ष से मुलाकात कर पूरे मामले में न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाया। प्रशासन की सक्रियता से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है। जिलाधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर लगभग 20 वर्षों से राजस्व न्यायालय, सिविल न्यायालय एवं राजस्व परिषद में मुकदमे चल रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि घटना से दो दिन पूर्व दीवानी न्यायालय से अमीन कमीशन आया था, जिसके दौरान सरकारी भूमि पर निर्माण को लेकर विवाद बढ़ा। प्रशासन ने जानकारी दी कि घटना में संलिप्त सभी दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जिससे स्पष्ट है कि कानून अपना काम कर रहा है। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की और भरोसा दिलाया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त निगरानी और प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश बजट 2026.27 तकनीक,मानव पूंजीऔर संतुलित विकास की ओर एक संरचित कदम- डॉ चन्दन कुमार द्विवेदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश बजट 2025.26 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ चंदन कुमार द्विवेदी असिस्टेंट प्रोफेसर अर्थशास् विभाग राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत उत्तर प्रदेश का ?9.12 लाख करोड़ से अधिक का बजट राज्य की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव का संकेत देता है।यह बजट ऐसे समय में आया है जब राज्य की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सबसे पहले,बजट का आकार 9 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँचना राज्य की बढ़ती राजस्व क्षमता और व्यय क्षमता को दर्शाता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है, जो आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और कर-संग्रह में सुधार का संकेत देती है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के लगभग 3 प्रतिशत के आसपास नियंत्रित रखने का प्रयास किया गया है। एक ओर सरकार विकासोन्मुखी व्यय बढ़ा रही है, वहीं दूसरी ओर वित्तीय अनुशासन बनाए रखने का प्रयास भी कर रही है। बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य पर उल्लेखनीय आवंटन किया गया है। शिक्षा के लिए लगभग 12 प्रतिशत से अधिक और स्वास्थ्य के लिए लगभग 6 प्रतिशत का प्रावधान मानव पूंजी सुदृढ़ीकरण की दिशा में सकारात्मक संकेत है। मानव पूंजी सिद्धांत के अनुसार, शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश दीर्घकालिक उत्पादकता वृद्धि का आधार बनता है। यदि यह निवेश कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा और अनुसंधान अवसंरचना पर केंद्रित रहता है, तो राज्य की कार्यशील जनसंख्या अधिक दक्ष, प्रतिस्पर्धी और नवाचारी बन सकती है। स्वास्थ्य में सुधार श्रम उत्पादकता को बढ़ाता है और सामाजिक व्यय को दीर्घकाल में कम करता है। इस बजट की विशेषता इसका तकनीक-केंद्रित दृष्टिकोण है। 'टेक युवा-समर्थ युवा' पहल तथा एआई मिशन जैसी घोषणाएँ उत्तर प्रदेश को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में अग्रसर करने का प्रयास हैं।डेटा सेंटर क्लस्टर,राज्य डेटा प्राधिकरण तथा डिजिटल अवसंरचना पर बल यह दर्शाता है कि सरकार भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहती है। किसानों के लिए मुफ्त बिजली, गन्ना भुगतान और समर्थन मूल्य संबंधी पहलें ग्रामीण आय को स्थिर करने की दिशा में कदम हैं। कृषि क्षेत्र अभी भी राज्य की बड़ी आबादी के रोजगार का आधार है। उत्पादन लागत में कमी और समय पर भुगतान से किसानों की क्रय-शक्ति बढ़ेगी, जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव ग्रामीण मांग पर पड़ेगा। बजट में एआई सिटी, टेक्नोलॉजी पार्क, साइंस सिटी तथा अन्य अवसंरचनात्मक परियोजनाओं का उल्लेख राज्य की औद्योगिक महत्वाकांक्षा को

रेखांकित करता है। अवसंरचना में निवेश का गुणक प्रभाव (multiplier effect) अपेक्षाकृत अधिक होता है। सड़क, ऊर्जा, डिजिटल नेटवर्क और औद्योगिक पार्क जैसी परियोजनाएँ निजी निवेश को आकर्षित करती हैं। यदि यह निवेश क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए किया जाता है, तो राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में भी आर्थिक सक्रियता बढ़ सकती है। यदि बजट प्रावधानों का क्रियान्वयन दक्षता, पारदर्शिता और परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ किया जाता है, तो यह बजट उत्तर प्रदेश को परंपरागत कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था से एक आधुनिक, तकनीक- संचालित और प्रतिस्पर्धी राज्य अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मंत्री शिखा सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने एक स्वर में अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई और सरकार से शीघ्र समाधान की मांग की।

स्वागत सम्मान समारोह न्यायपंचायत हरीपट्टी,-उच्च प्राथमिक विद्यालय हरीपट्टी सुरियावां, में स्वागत समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। दिन बुधवार को न्याय पंचायत हरीपट्टी में अशोक पटेल (प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय हरीपट्टी) के सौजन्य से शिक्षा जगत के सम्मानित प्राथमिक शिक्षक संघ सुरियावां इकाई का गठन एवं चयन के फल स्वरुप स्वागत व सम्मान हेतु एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महोदय द्वारा दीप प्रज्वलन कर एवं बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना से प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष और महामंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ सुरियावां तथा अन्य पदाधिकारीगणो को न्याय पंचायत के सभी शिक्षकों द्वारा पुष्पगुच्छ/अंगवस्त्र के साथ स्वागत किया गया। आज का यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि शिक्षक समाज की एकता आत्मसम्मान एवं गरिमा को सुदृढ़ करने हेतु स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षक समाज की एकता सम्मान एवं संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक है, आज हम अपने साथियों का स्वागत करते हुए उन शिक्षकों को सम्मानित कर रहे हैं जिनका योगदान प्रेरणास्पद रहा है। आप सभी का सहयोग एवं मार्गदर्शन संघ को निरंतर ऊर्जा देता रहे, ऐसी मेरी अभिलाषा है कि आप सभी मिलकर संघ को और अधिक सशक्त बनाएं शिक्षक समाज की गरिमा को ऊंचाई तक ले जाए और आने वाली पीढ़ी के लिए एक मजबूत शैक्षिक आधार तैयार करें, अंत में मैं आप सभी अतिथियों,साथियों एवं आयोजक टीम का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई सुरियावां के महामंत्री जितेंद्र कुमार के द्वारा या विश्वास दिलाया गया कि प्राथमिक शिक्षक संघ सदैव अपने प्रत्येक सदस्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा, चाहे वह अधिकारों की बात हो सम्मान की बात हो या संगठन की मजबूती की। ब्लॉक संरक्षक गिरीश कुमार दुबे एवं सह संरक्षक श्री संतलाल जी के द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया कि प्राथमिक शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था की नींव होते हैं और जब नीव मजबूत होती है तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः उज्जवल होता है। संगठन मंत्री श्री प्रवीण कुमार मिश्रा ने कहा कि संघ ने हर दौर में संवाद,संघर्ष और सहयोग के माध्यम से शिक्षकों की आवाज को मजबूती दी है। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन श्री श्याम जी दुबे ने किया उन्होंने बताया कि आज के बदलते शैक्षिक परिवेश में शिक्षकों के सामने अनेक चुनौतियां हैं कार्यभार,नीतिगत परिवर्तन और सामाजिक अपेक्षाएं ऐसे समय में एक मजबूत और संगठित शिक्षक संघ सबसे बड़ा संबल बनता है।

तथा श्री अरुण त्रिपाठी जी ने बताया कि शिक्षक संघ का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के

अधिकारों की रक्षा करना, उनकी समस्याओं का समाधान करना तथा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना है। यह संगठन शिक्षकों की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करता है। जब किसी शिक्षक के साथ अन्याय होता है, तब शिक्षक संघ उसके साथ खड़ा रहता है। श्याम नारायण दुबे के द्वारा बताया गया- आज शिक्षा के क्षेत्र में नई चुनौतियाँ हैं—नई शिक्षा नीति, तकनीकी बदलाव, कार्यभार की वृद्धि—इन सब परिस्थितियों में शिक्षक संघ अध्यक्ष की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका धैर्य, दूरदर्शिता और संगठन क्षमता ही संघ को मजबूत बनाती है। हमें गर्व है कि हमारे संघ का नेतृत्व ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो शिक्षकों के हितों के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आइए, हम सब मिलकर उनके नेतृत्व में संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प लें। अजय कुमार मौर्य, प्रियंकर तिवारी, रमापति पांडे, पंकज उपाध्याय, श्यामनारायण द्विवेदी, अशोक पटेल, अरुण आदि।

शिव और शक्ति के मिलन का पर्व महाशिवरात्रि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाशिवरात्रि एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जो भगवान शिव की पूजा और उपासना के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का महत्व भगवान शिव की पूजा और उपासना से जुड़ा हुआ है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उसके जीवन में सुख-शांति आती है। इस दिन भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, और अन्य पूजा सामग्री अर्पित की जाती है। महिलाएं और कुंवारी कन्या महाशिवरात्रि को व्रत रखती है और कहीं कहीं रात को जागरण किया जाता है और भगवान शिव की पूजा आराधमा की जाती है। इस दिन बहुत लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा में लीन रहते हैं। महाशिवरात्रि का महत्व न केवल धार्मिक दृष्टि से है, बल्कि यह त्योहार सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस दिन लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ मिलकर भगवान शिव की पूजा करते हैं और इस त्योहार को मनाते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर कई स्थानों पर मेले और उत्सव आयोजित किए जाते हैं, जहां लोग एकत्र होते हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं। महाशिवरात्रि का इतिहास पुराणों में वर्णित है। एक कथा के अनुसार, भगवान शिव ने इस दिन अपना तांडव नृत्य किया था, जिससे सृष्टि का निर्माण हुआ था। एक अन्य कथा के अनुसार, भगवान शिव ने इस दिन अपना विवाह माता पार्वती से किया था।महाशिवरात्रि की पूजा करने से व्यक्ति को कई लाभ होते हैं। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उसके जीवन में सुख-शांति आती है। महाशिवरात्रि की पूजा करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसे भगवान शिव की कृपा प्राप्त

होती है। महाशिवरात्रि का महत्व विभिन्न संस्कृतियों में अलग-अलग है। हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का महत्व बहुत अधिक है। इस अवसर पर कई स्थानों पर तमाम कार्यक्रम जैसे शिव बारात, भजन संध्या, गीत-संगीत आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में भगवान शिव की पूजा, अभिषेक, और रुद्राभिषेक शामिल हैं। इस दिन लोग उपवास रखते हैं और भगवान शिव की पूजा में लीन रहते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर कई स्थानों पर मेले और उत्सव आयोजित किए जाते हैं, जहां लोग एकत्र होते हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं। महाशिवरात्रि पर्व का आध्यत्मिक महत्व के साथ-साथ वैज्ञानिक महत्व भी रखता है, जो इस त्योहार को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी सबसे कमजोर स्थिति में होता है। इस समय चंद्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्ति कम होती है, जिससे पृथ्वी पर जल की गति और दबाव में परिवर्तन होता है। यह परिवर्तन मानव शरीर पर भी प्रभाव डालता है, जिससे व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति प्रभावित होती है। भगवान शिव की पूजा और उपासना करने से व्यक्ति की ऊर्जा का संतुलन बना रहता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को अपनी ऊर्जा को संतुलित करने में मदद मिलती है, जिससे उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति में सुधार होता है साथ ही प्राकृतिक ऊर्जा का प्रवाह बहुत अधिक होता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को इस प्राकृतिक ऊर्जा का लाभ मिलता है, जिससे उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति में सुधार होता है। वातावरण का शुद्धिकरण होता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को अपने आसपास के वातावरण को शुद्ध करने में मदद मिलती है, जिससे उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति में सुधार होता है। मानसिक शांति : महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को मानसिक शांति मिलती है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को अपने मन को शांत करने में मदद मिलती है, जिससे उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति में सुधार होता है। इन वैज्ञानिक पहलुओं के अलावा, महाशिवरात्रि का महत्व धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी है। इस त्योहार को मनाने से व्यक्ति को अपने जीवन में सुख-शांति और समृद्धि मिलती है। महाशिवरात्रि एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जो भगवान शिव की पूजा और उपासना के लिए मनाया जाता है। इस त्योहार का महत्व न केवल धार्मिक दृष्टि से है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। महाशिवरात्रि की पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उसके जीवन में सुख-शांति आती है। इस त्योहार को मनाने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

एएसपी शुभम अग्रवाल ने महिला हेल्प डेस्क का किया निरीक्षण

भदोही।अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बुधवार को पुलिस कार्यालय सरपतहां में थाना ज्ञानपुर के महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर, जनसुनवाई रजिस्टर एवं समाधान रजिस्टर का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से फीडबैक भी प्राप्त किया। एएसपी ने महिला संबंधित मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेने के निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं की शिकायतों का शत-प्रतिशत, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि निस्तारित मामलों में नियमित फॉलोअप कर यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़ित महिलाओं को वास्तव में न्याय और राहत मिली है। इसके साथ ही जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का पारदर्शी और प्रभावी समाधान कराने पर विशेष जोर दिया गया। एएसपी ने स्पष्ट किया कि महिला सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

झोलाछाप डॉक्टर ने एक महीने पहले एक किशोर का इंजेक्शन लगाकर ले लिया था जान

● स्वास्थ्य विभाग उस समय मामला शांत कराने के लिए बंद करा दिया था मेडिकल में ताला फिर एक महीने बाद खुलवा दिया गया ताला।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रतेह चौराहा पर एक महिने पहले एक झोलाछाप डॉक्टर ने एक किशोर को इंजेक्शन लगाया और किशोर का मौत हो गया किशोर के परिजनों ने 4 घंटा चक्का जाम करके न्याय का गुहार लगाते रहे मौके पर तहसील प्रशासन ने पहुंच कर जाम खुलवाया था स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक में ताला बंद करवा दिया गया था मामला शांत करने के लिए बाद में एक महीने बाद फिर ताला खुलवा दिया गया ग्रामीणों में ताला खोलते ही तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हो गई की क्या स्वास्थ्य विभाग मजबूरी में ताला बंद करवाया था या कार्रवाई करके फिर एक महीने बाद झोलाछाप डॉक्टर की क्लीनिक खोलने के बाद दवाई इलाज शुरू हो गया है अब स्वास्थ्य विभाग फिर कोई घटना का इंतजार कर रहा है या खुद स्वास्थ्य विभाग घटना को दावत दिलवाता है ग्रामीणों ने बताया कि इसी तरीके से झोलाछाप मरीज का जान लेते रहेंगे और पैसे देकर समझौता करते रहेंगे जब इतना बड़ा मामला पैसा ले देके समझौता हो सकता है तो आगे तमाम झोलाछाप डॉक्टर इस तरीके से जान लेते रहेंगे और पैसा मरीजों के परिजनों को देते रहेंगे ग्रामीणों ने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराते हुए बताया कि ऐसे झोलाछाप डॉक्टर के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होना चाहिए लेकिन स्वास्थ्य के कर्मचारियों के द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों को बक्सा जा रहा है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, आजमगढ़ का विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़ भारत सरकार की नीतियों के कारण देश एवं प्रदेश के लाखों शिक्षकों की सेवाओं पर उत्पन्न गंभीर संकट के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर आज आजमगढ़ के कलेक्ट्रेट चौराहा पर दोपहर 2 बजे विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा विभिन्न चरणों में शिक्षक हितों की रक्षा हेतु आंदोलन चलाया गया तथा टीईटी (TET) की अनिवार्यता से मुक्ति की मांग को लेकर देशभर के सांसदों को ज्ञापन भी सौंपा गया। अधिकांश जनप्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को संसद में उठाया, किन्तु भारत सरकार के मंत्री द्वारा सदन में दिए गए उत्तर से शिक्षकों में निराशा व्याप्त है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष एवं टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आवाहन पर आज जनपद आजमगढ़ में शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन कर अपनी मांगों को दोहराया और चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन को लखनऊ से दिल्ली तक विस्तारित किया जाएगा।

इस अवसर पर मण्डलिक मंत्री (आजमगढ़ मंडल) श्री अतुल कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष श्री अभिमन्यु यादव, जिला कोषाध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चंद्रभान यादव, संयुक्त मंत्री श्री आशुतोष सिंह, अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, मंत्री श्रीमती शालिनी राय, जिला मीडिया प्रभारी नवीन पाण्डेय, जिला आईटी सेल प्रभारी अश्वनी सिंह सहित उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ आजमगढ़ इकाई के पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही सठियांव ब्लॉक इकाई से अध्यक्ष दिनेश चंद पांडेय, मंत्री राकेश मणि त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार सिंह, उपाध्यक्ष आशुतोष पांडेय,

संयुक्त मंत्री अनिल कुमार गोंड़, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती शैलकुमारी पाण्डेय, मंत्री श्रीमती शिखा सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने एक स्वर में अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई और सरकार से शीघ्र समाधान की मांग की।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में जागरूकता कार्यशाला आयोजित

● स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प और एआई के जिम्मेदार उपयोग पर हुआ मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही/ सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विजय नारायण सिंह की अध्यक्षता में 'स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प एवं एआई के सुरक्षित व जिम्मेदार उपयोग' विषयक एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यशाला में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं जनपदवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान इंटरनेट के बढ़ते उपयोग, उससे जुड़ी संभावनाओं के साथ-साथ साइबर खतरों और उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डीपफेक, एआई घोटाले और डेटा प्राइवेसी पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अभिषेक मिश्र ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए बताया कि डीपफेक वीडियो और क्लोन की गई आवाजें देखने और सुनने में वास्तविक प्रतीत हो सकती हैं, इसलिए किसी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया से पहले विश्वसनीय स्रोतों से पुष्टि करना आवश्यक है। उन्होंने आगाह किया कि एआई आधारित घोटाले अक्सर भय या तात्कालिकता की भावना उत्पन्न करते हैं, ऐसे में कोई भी कदम उठाने से पहले रुककर सोचें और सत्यापन अवश्य करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि चिकित्सा, कानूनी या वित्तीय सलाह के लिए केवल एआई पर निर्भर न रहें, बल्कि संबंधित विशेषज्ञों से परामर्श लें। वीडियो में अप्राकृतिक चेहरे, होंठों की असामान्य गतिविधि या आवाज में गड़बड़ी एआई हेरफेर के संकेत हो सकते हैं। भावनात्मक कहानियों या तत्काल सहायता की अपील वाले संदेश भी एआई-जनित धोखाधड़ी हो सकते हैं, अतः सहायता करने से पहले सत्यापन अनिवार्य है। डीपीडीपी (DPDP) अधिनियम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि यह अधिनियम व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करता है, इसलिए अपनी निजी जानकारी केवल आवश्यकता होने पर ही साझा करें। सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत विवरण साझा करने से पहले सोचें, ऐप अनुमतियों की नियमित जांच करें और अनावश्यक एक्सेस को हटाएं।

वित्तीय सुरक्षा, साइबर सावधानियाँ और एआई के जिम्मेदार उपयोग की शपथ

वित्तीय सुरक्षा के संदर्भ में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने बताया कि इंटरनेट बैंकिंग के उपयोग के दौरान सदैव बैंक की आधिकारिक वेबसाइट और सुरक्षित नेटवर्क का ही प्रयोग करें। सार्वजनिक वाई-फाई पर वित्तीय लेनदेन से बचें तथा पासवर्ड और पिन को समय-समय पर बदलते रहें। किसी

भी कॉल पर ओटीपी, आधार, पैन या बैंक से संबंधित संवेदनशील जानकारी साझा न करें और अधिक लाभ का लालच देने वाले ऑनलाइन निवेश प्रस्तावों से दूर रहें।

कार्यशाला में एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के लिए उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर सेफर इंटरनेट डे 2026 की वेबसाइट www.staysafeonline.in पर उपलब्ध जागरूकता वीडियो का प्रस्तुतीकरण किया गया। सभी को यह भी जागरूक किया गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और बिना सत्यापन किसी सूचना या वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा न करें। साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा वेबसाइट www.cybercrime.gov.inपर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। कार्यशाला में वरिष्ठ कोषाधिकारी बृजेश सिंह एवं ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर आशुतोष श्रीवास्तव ने भी सुरक्षित इंटरनेट दिवस की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन सुरक्षित, सतर्क और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाने के संकल्प के साथ किया गया।

अपर आयुक्त विंध्याचल मंडल का भदोही दौरा, तहसील व नगर पालिका में निरीक्षण किया

5 वर्ष से लंबित प्रकरण तत्काल निस्तारित करने के सख्त निर्देश, लापरवाही पर नोटिस व फटकार

भदोही, 11 फरवरी 2026। अपर आयुक्त विंध्याचल मंडल, मिर्जापुर राजकुमार द्विवेदी द्वारा तहसील भदोही एवं नगर पालिका परिषद भदोही का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसील परिसर में उपस्थित फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। अपर आयुक्त ने तहसीलदार न्यायालय, न्यायिक तहसीलदार न्यायालय, उप जिलाधिकारी (एसडीएम) न्यायालय, एसडीएम (न्यायिक) न्यायालय सहित विभिन्न पटलों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पूर्व निरीक्षणों की समीक्षा करते हुए निर्धारित पैरामीटर के अनुसार लंबित मामलों को शीघ्र निस्तारित करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम न्यायालय में ऑफलाइन प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई। फाइलों के समुचित रख-रखाव में लापरवाही तथा मिसलेनियस रजिस्टर न बनाए जाने पर पेशकार श्री आलोक दीक्षित को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। अपर आयुक्त ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि कार्यशैली में शीघ्र सुधार लाया जाए, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। अपर आयुक्त ने एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देशित किया कि 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित पड़े सभी राजस्व एवं न्यायिक प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारित किया जाए।

नगर पालिका परिषद का भी किया निरीक्षण

इसके उपरांत अपर आयुक्त द्वारा नगर पालिका परिषद भदोही का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, अभिलेखों का संधारण, कर वसूली एवं संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर की स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं में किसी भी

प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पटल निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की सर्विस बुक अधूरी पाए जाने तथा व्यक्तिगत पत्रावलियों के सही ढंग से संधारित न होने पर संबंधित लिपिक को कड़ी फटकार लगाई गई। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को एक सप्ताह के भीतर सभी अभिलेख पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि आमजन को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए तथा सभी कार्य पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ किए जाएं। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अरुण कुमार गिरी, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) श्रीमती बरखा सिंह, तहसीलदार भदोही मिश्री सिंह चौहान, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका श धर्मराज सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम पुष्पार्चन के साथ शुभारंभ

नैनी,प्रयागराज। सरस्वती विद्या मन्दिर माधव ज्ञान केंद्र में बुधवार को अंतिम सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन के साथ शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना विद्यालय की आचार्या आशा जी ने रखी।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ.नीलिमा सिंह ,प्रोफेसर राजश्री टंडन महिला महाविद्यालय ,प्रयागराज थी द्ध इन्होंने अपने अमूल्य विचार कुटुंब प्रबोधन के अंतर्गत पारिवारिक मूल्यों एवं जीवन शैली पर रखें।विशिष्ट अतिथि राजेश्वरी पांडे ,प्रधानाचार्य गीता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नैनी, प्रयागराज ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतिमा सिंह, प्रधानाचार्य जे.एल. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेजा प्रयागराज, आपने मातृशक्तियों को बच्चों की पढ़ाई के प्रति और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर ऐतिहासिक मातृ आदर्श की झलकियां आचार्या रत्ना कुशवाहा के नेतृत्व में प्रदर्शित की गई, जिनमें विद्यालय की मातृ शक्तियों ने (सुनीता देवी) महारानी सेतु ,लक्ष्मी बाई (लावी सिंह), ताराबाई(सुचित्रा) ,रानी नानकी देवी (शिवानी कनौजिया) ,सावित्री देवी ने मंचन किया। कार्यक्रम में श्रीमती निकिता मिश्रा द्वारा 10 प्रश्नोत्तरियों के माध्यम से मातृ शक्तियों से प्रश्न पूछे गए साथ ही कुछ विशिष्ट माताओं में मधु त्रिपाठी समाजसेविका, हिंदी में मातृ शक्ति और विजयलक्ष्मी सिंह, समाजसेविका,मातृशक्ति का सम्मान भी किया गया। आभार ज्ञापन पद्मा सिंह द्वारा किया गया, कार्यक्रम की प्रमुख संयोजिका आचार्या वंदना सिन्हा ,जिला बालिका प्रमुख थी।कार्यक्रम का संचालन प्रियंका मिश्रा ने किया।समस्त कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदियों ने पूर्ण सहयोग दिया।

नैनी क्षेत्र में मिलावटी खोवा की बिक्री जोरों पर

नैनी,प्रयागराज। होली के त्यौहार को देखते हुए नैनी क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर मिलावटी खोवा की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। और जिम्मेदार अधिकारी बेपरवाह बने हुए हैं। बताया जाता है, कि नैनी क्षेत्र के स्टेशन रोड, नैनी बाजार, बिनोवा नगर, त्रिवेणी नगर, नई बाजार, कॉटन मिल तिराहा, हनुमान नगर, शंकर ढाल, मेवालाल की बगिया तिराहा आदि कई जगहों पर दुकानदारों के द्वारा मिलावटी खोवा की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है । इस तरह के खोवा की बिक्री होने से जहां एक तरफ दुकानदार मालामाल हो रहे हैं ,वहीं पर दूसरी तरफ लोगों में तमाम तरह की बीमारियां फैलने की भी संभावनाए बनी हुई है। इसी क्रम में रीवा रोड पर स्थित टी,सी,आई तिराहा, डाडी, मामा भांजा का तालाब, राम सागर आदि जगहों पर भी दुकानदारों के द्वारा मिलावटी खोवा की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। क्षेत्रीय लोगों ने संबंधित उच्चाधिकारियों का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए उक्त जगहों पर की जा रही मिलावटी खोवा की बिक्री करने वाले दुकानदारों की जांच कर उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

जान की परवाह किए बिना नहर में लापता दो शव को निकाला

कोरांव थाना में तैनात हेड कांस्टेबल की मौजूद लोगों ने की सराहना

कोराव प्रयागराज। कोरांव थाना में तैनात हेड कांस्टेबल अवधेश सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना नहर में कूदकर दो लोगों के शव को ढूंढ निकाला। 8 फरवरी को रात में एक कार दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी, जिनके शव को ढूंढने में अवधेश सिंह ने कड़ी मशक्कत की। उन्होंने अपने कंधे पर उठाकर 9 फरवरी को शवों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने उनकी इस जाबाजी की प्रशंसा की है और विभाग के उच्चाधिकारियों से उन्हें सम्मानित करने की मांग की है। दो कार थी जिनमें कुल दुर्घटना में 9 लोग सवार थे, जिनमें से 2 की मौत हो गई और बाकी बच गए।

असम सीएम के नफ़रती भाषणों के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई को सहमत हुआ सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा द्वारा राज्य के मुस्लिम समुदाय को लगातार निशाना बनाए जाने के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की तारीख तय करने पर सहमति जताई है.भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने इस याचिका को चुनाव के समय की एक 'समस्या' से जोड़ते हुए टिप्पणी की। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एनवी अंजारिया की बेंच ने यह टिप्पणी तब की जब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर हेट स्पीच का आरोप लगाने वाली दो पिटीशन को लिस्ट करने के लिए मेंशन किया गया। एक पिटीशनर की ओर से वकील निज़ाम पाशा ने कहा, 'माई लॉर्ड, एक पॉलिटिकल पार्टी के मेंबर की हेट स्पीच के खिलाफ एक पिटीशन है. अब मुख्यमंत्री का एक वीडियो भी है जिसमें वे माइनॉरिटीज़ वगैरह पर निशाना साध रहे हैं। ' सीजेआई ने जवाब दिया, 'समस्या यह है कि जब चुनाव आते हैं, तो यह अक्सर यहीं सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाता है। हम देखेंगे। ' लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की नेता एनी राजा की याचिकाओं पर सीजेआई ने कहा कि 'समस्या यह है कि जैसे ही चुनाव आते हैं, चुनाव का एक हिस्सा सुप्रीम कोर्ट के भीतर लड़ा जाता है.' वकील निज़ाम पाशा ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग करते हुए कहा, 'हम इस माननीय अदालत से असम के वर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा दिए जा रहे चिंताजनक भाषणों के संबंध में त्वरित हस्तक्षेप चाहते हैं, जिनमें हाल ही में पोस्ट किया गया एक वीडियो भी शामिल है, जिसमें उन्हें एक विशेष समुदाय के सदस्यों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया है. शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, लेकिन कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है.'उल्लेखनीय है कि बीते हफ़्तों में शर्मा के द्वारा लगातार दिए जा रहे नफरती भाषणों के बाद बीते शनिवार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई ने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री को मुसलमानों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया था. व्यापक निंदा के बीच इस वीडियो को डिलीट कर दिया गया. इस वीडियो को शर्मा के पहले से जारी सांप्रदायिक हमलों की एक अवैध और खतरनाक बढ़ोतरी बताया गया. सोशल मीडिया पर कई लोगों ने लिखा कि यह गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत स्पष्ट अपराध बनता है। शर्मा पहले कह चुके हैं कि उनका काम 'मिया लोगों को परेशान करना' है. शर्मा ने 27 जनवरी को कहा था, 'कांग्रेस मुझे जितना चाहे गाली दे, मेरा काम मिया लोगों की ज़िंदगी मुश्किल बनाना है.' उन्होंने लोगों से समुदाय को किसी भी तरह परेशान करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा था, 'रिक्शा में अगर किराया 5 रुपये है, तो उन्हें 4 रुपये दीजिए. जब तक उन्हें परेशानी नहीं होगी, वे असम नहीं छोड़ेंगे... ये कोई मुद्दे नहीं हैं.'उन्होंने कहा था कि हिमंता बिस्वा शर्मा और भाजपा सीधे तौर पर मियाओं के खिलाफ हैं। लाइव लॉ के अनुसार, याचिकाकर्ताओं ने 2021 से फरवरी 2026 तक की एक विस्तृत क्रोनोलॉजी पेश की है, जिसमें उन भाषणों और बयानों का विवरण है, जिनमें कथित तौर पर बंगाली मूल के मुसलमानों के सामाजिक, आर्थिक और नागरिक बहिष्कार की अपील की गई - जिसमें उनकी आजीविका, परिवहन, ज़मीन और मतदान अधिकारों से वंचित करने जैसे आह्वान भी शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि इन बयानों के ज़मीनी स्तर पर वास्तविक असर पड़े हैं - जिसमें आर्थिक भेदभाव, उत्पीड़न और बहिष्कार की घटनाओं को अपराधियों ने मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई बताकर सही ठहराते रहे हैं। सेवकों, राजनयिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों और नागरिक समाज के सदस्यों सहित बारह नागरिकों के एक समूह ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा और अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों के भाषणों को 'अपमानजनक और बहिष्कार करने वाला' बताते हुए मुद्दा उठाया है।

यूपी में 'मिसिंग' लोगों की बाढ़: 2 साल में एक लाख से ज्यादा लापता, हाईकोर्ट ने अधिकारियों को लगाई फटकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में लापता लोगों की 'अलार्मिंग' संख्या का खुद संज्ञान लिया और एक PIL रजिस्टर की. इसमें कहा गया कि पिछले दो सालों में 1.08 लाख से ज्यादा लोग लापता हो गए, जबकि पुलिस ने सिर्फ करीब 9,700 मामलों में कार्रवाई की। गंभीर चिंता जताते हुए, कोर्ट ने इन आंकड़ों को 'चौंकाने वाला' बताया. बेंच ने कहा, 'हम लापता लोगों से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों के रवैये से हैरान हैं, जिसमें साफ तौर पर तेजी दिखाने की जरूरत है।' न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जस्टिस अब्दुल मोइन और बबीता रानी की डिवीजन बेंच ने ये टिप्पणियां विक्रमा प्रसाद द्वारा दायर एक क्रिमिनल रिट याचिका की सुनवाई के दौरान कीं, जिन्होंने आरोप लगाया कि उनका बेटा जुलाई 2024 में लापता हो गया था और पुलिस ने उसे ढूंढने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। सुनवाई के दौरान बेंच ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) से एक विस्तृत हलफनामा मांगा. हलफनामे के अनुसार, 1 जनवरी, 2024 और 18 जनवरी, 2026 के बीच राज्य में लगभग 1,08,300 लापता लोगों की शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन लापता लोगों को ढूंढने के लिए सिर्फ लगभग 9,700 मामलों में कार्रवाई की गई. बाकी मामलों में कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी इन आंकड़ों पर ध्यान देते हुए, कोर्ट ने पुलिस के 'सुस्त रवैये' पर नाराजगी जताई और इस मुद्दे को व्यापक जनहित का मानते हुए, कोर्ट रजिस्ट्री को इस मामले को 'In re: State में लापता व्यक्ति' शीर्षक से एक PIL के रूप में रजिस्टर करने का निर्देश दिया. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इस मामले को 5 फरवरी को सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाए।

'एपस्टीन फाइल' में हरदीप पुरी, अंबानी का नाम, लोकसभा में सरकार पर बरसे राहुल, बोले- मोदी ने भारत को बेच दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान मोदी सरकार को जमकर घेरा। राहुल गांधी ने भारत-यूएस डील से लेकर एपस्टीन फाइल के मुद्दों को लेकर हमला बोला। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार ने भारत को अमेरिका के हाथों बेच दिया और सवाल किया कि मोदी सरकार को थोड़ी भी शर्म आई होगी? राहुल गांधी ने कहा कि भारत के लोगों के पास सबसे ज्यादा डेटा है। डेटा की सुरक्षा सबसे अहम है। हमारे लोगों के टैलेंट, सोच पर कब्जे की कोशिश हो रही है। यूएस और चीन की नजर हमारे डेटा पर है। बांग्लादेश अगर टेक्सटाइल्स प्रोडक्ट एक्सपोर्ट करता है, तो उस पर जीरो टैरिफ है। हमारी टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री गई। अमेरिकी निर्यात बढ़ा, हमें क्या मिला। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने टैरिफ बढ़ा दिया। अब क्या अमेरिका तय करेगा कि हम कहां से तेल खरीदें। ऐसा किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया। एक सुपर पावर का युग खत्म हो गया है। अमेरिका अगर यह कह रहा है कि आप यहां से तेल नहीं खरीद सकते, इसका मतलब है कि एनर्जी सेक्टर का हथियारीकरण हो रहा है। अमेरिका टैरिफ बढ़ाता है, इसका मतलब है कि राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी ने देश को अमेरिका के हाथों बेच दिया, मोदी जी को थोड़ा भी शर्म है कि नहीं, उनके आंखों में साफ डर दिखता है, इसलिए वो हमसे नजरें नहीं मिला पाते। राहुल गांधी ने इस दौरान एप्सटीन फाइल का भी जिक्र किया, जिसके बाद लोकसभा में भारी हंगामा हो गया। स्पीकर के विरोध के बाद राहुल गांधी ने कहा कि ठीक है हम इसपर बात नहीं करेंगे। राहुल गांधी ने साथ ही अडानी और अंबानी पर निशाना भी साधा।राहुल गांधी ने पूछा कि अनिल अंबानी और हरदीप पुरी जेल में क्यों नहीं हैं। इनका जिक्र जिस तरह आया है, क्या गिरफ्तारी होना चाहिए। इस पर लोकसभा में हंगामा हो गया। स्पीकर और बीजेपी सांसदों की ओर से जबरदस्त शोरशराबा हुआ। स्पीकर ने इसे संसद की कार्यवाही से निकालने को कहा।।

गृह मंत्रालय का निर्देश- स्कूलों, सरकारी कार्यक्रमों में जनगण से पहले वंदेमातरम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

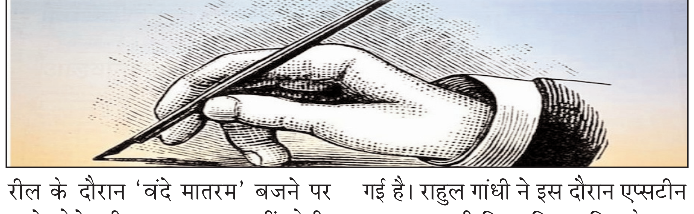

ब्यूरो प्रयागराज। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी इन दिशानिर्देशों के अनुसार, सरकारी आयोजनों, स्कूलों और अन्य आधिकारिक कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' से पहले बजाया या गाया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, जब राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों एकसाथ बजाए या गाए जाते हैं, तो 'वंदे मातरम' पहले पेश किया जाएगा।

सभी उपस्थित व्यक्तियों को राष्ट्रगीत बजने या गाए जाने के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े होना अनिवार्य होगा। हालांकि, सिनेमा हॉल में फिल्म या न्यूज़ रील के दौरान 'वंदे मातरम' बजने पर खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि इससे दर्शकों को परेशानी हो सकती है और व्यवस्था बिगड़ सकती है। नए नियमों में 'वंदे मातरम' के सभी छह छंदों को शामिल किया गया है, जिसमें 1937 में कांग्रेस द्वारा हटाए गए चार छंद भी शामिल हैं। गीत की आधिकारिक अवधि लगभग 3 मिनट 10 सेकंड बताई गई है। राहुल गांधी ने इस दौरान एप्सटीन फाइल का भी जिक्र किया, जिसके बाद लोकसभा में भारी हंगामा हो गया। स्पीकर के विरोध के बाद राहुल गांधी ने कहा कि ठीक है हम इसपर बात नहीं करेंगे। राहुल गांधी ने साथ ही अडानी और अंबानी पर निशाना भी साधा।फाइनेंस सेक्टर का वेपनाइजेशन हो रहा है। सरकार को शर्म आनी चाहिए।

भाजपा नेता के विरोध पर वापस लौटा निगम दस्ता

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के मेवालाल बगिया चौराहे पर सुगम और सुचारू यातायात में बाधक बने अतिक्रमण को हटाने पहुंचे नगर निगम जोन संख्या पांच की टीम को भाजपा नेता के विरोध करने पर वापस लौटना पड़ा। इससे चौराहे पर रोजाना लगने वाले जाम की समस्या जस की तस बनी रही।जानकारी के मुताबिक बुधवार को नैनी क्षेत्र के मेवालाल बगिया चौराहे पर उस समय अफरा आफरी मच गई जब फुटपाथ पर अवैध कब्जा जमाए दुकानों को हटाने के लिए नगर निगम की टीम पहुंची। लेकिन वहां मौके पर मौजूद भाजपा नेता घनश्याम जायसवाल ने निगम दस्ता वापस जाओ, योगी-मोदी जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। भाजपा नेता ने आरोप लगाया है कि नगर निगम की टीम छोटे दुकानदारों का उत्पीड़न कर वसूली करती है। यह व्यापारी बर्दाश्त नहीं करेगा। इसकी शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से करने की बात कही। इस दौरान वहां पर फुटपाथ दुकानदारों की भीड़ जुट गई। इसकी सूचना अधिकारियों को हुई। उन्होंने टीम को वापस बुला लिया।

असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ अल्पसंख्यक कांग्रेस ने दी F. I. R. की तहरीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अल्पसंख्यक कांग्रेस के नि0 शहर अध्यक्ष अरशद अली ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर कथिक रूप से अपमानजनक भड़काऊ और साप्रर्दायित बयान देने का आरोप लगाते हुए एफ आई आर करने की करेली थाना प्रभारी को तेहरीर दी। तहरीर मे अरशद अली ने कहा है की 31 जनवरी को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक मंच से अपने भाषणओ मे मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाते हुए बयान दिया है जो समाचार माध्यओ और शोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुए है, अरशद अली ने कहा ये बयान धार्मिक भावनाओ को ठेस पहुँचाने वाले अपमानजनक और निंदनीय है तथा दंडनीय अपराध की धारा 153, 295, 298,505(2) भा. द. स. के अंतर्गत आता है। अरशद अली ने कहा एक मुख्यमंत्री संविधान की सपथ ग्रहण करते हुए कसम लेता है कि मे बिना भेद भाव किया राज्यधर्म का पालन करेगे लेकिन हेमंत बिस्वा सरमा ने संविधान का अनादर करते हुए अपतिजनक बयान दिया जिसको आम जनता ने सुना और देखा, जिससे देश और प्रदेश में साप्रदयिक तनाव फेलने की आशंका उत्पन्न हुई। इस मौके पर शहर महासचिव अफरोज अहमद, मो हसीन, तब्रेज़ अहमद, महफूज अहमद ज़ाहिद नेता, गुलाम वारिस,मो शाहिद रुबिना बेगम, अख्तर जहाँ, मंतशा बानो, बेलाल खां, खान साहब आदि मौजूद रहे।

ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज सिर्फ 2 महीने रखने वाला यूपी डीजीपी का आदेश सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की 'प्रथम दृष्टया अवमानना': हाईकोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट (लखनऊ बेंच) ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (DGP) द्वारा जारी उस परिपत्र पर गंभीर सवाल उठाए, जिसमें राज्य के सभी थानों में CCTV फुटेज केवल 2 से 2.5 महीने तक सुरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है। अदालत ने इसे अत्यंत अजीब बताते हुए कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले Paramvir Singh Saini बनाम बलजीत सिंह (2020) के प्रथमदृष्टया अवमानना जैसा प्रतीत होता है, जिसमें कम से कम 6 महीने से 18 महीने तक फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया है। शिकायतकर्ता को जवाब दाखिल करने के लिए 2 हफ्ते जस्टिस अब्दुल मोइन और जस्टिस बबीता रानी की खंडपीठ इस समय रूबी सिंह व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्नाव पुलिस ने उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया और उनके साथ मारपीट की। मामले के संक्षिप्त तथ्य याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि 5 अगस्त 2025 को पुलिस ने उनके कुछ रिश्तेदारों के खिलाफ दर्ज धारा 306 BNS के तहत एफआईआर के आधार पर उन्हें उठा लिया, लेकिन कोई गिरफ्तारी मेमो नहीं बनाया गया। आरोप है कि 7 अगस्त की रात याचिकाकर्ता संख्या-1 (एक महिला) को अवैध रूप से लॉकअप में रखा गया और उसके खिलाफ अश्लील टिप्पणियां की गई। याचिकाकर्ता संख्या 2 और 3 को 10,000 की रिश्वत देने के बाद छोड़ा गया। उन्होंने इन आरोपों की पुष्टि के लिए 5 से 8 अगस्त 2025 की CCTV फुटेज सुरक्षित रखने की मांग भी की थी। कोर्ट की कार्यवाही 25 नवंबर 2025 को हाईकोर्ट ने उन्नाव के एसपी को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने और संबंधित अवधि की CCTV फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया था। लेकिन एसपी ने बताया कि फुटेज उपलब्ध नहीं है, क्योंकि 20 जून 2025 के DGP परिपत्र के अनुसार केवल 2-2.5 महीने की रिकॉर्डिंग रखी जाती है। अदालत ने इस पर गहरी नाराज़गी जताई और कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने साफ निर्देश दिए हैं कि CCTV फुटेज कम से कम 6 महीने और अधिकतम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाए, और राज्यों को उसी अनुसार स्टोरेज क्षमता विकसित करनी होगी। 'हम यह समझने में असमर्थ हैं कि DGP ने सुप्रीम कोर्ट के 02.12.2020 के आदेश का हवाला देने के बावजूद केवल 2-2.5 महीने की स्टोरेज का निर्देश कैसे जारी कर दिया। यह प्रथमदृष्टया अवमानना प्रतीत होती है।' BNSS के उल्लंघन पर भी सवाल कोर्ट ने यह भी पाया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (BNSS) की धारा 179(1) का उल्लंघन हुआ है, जिसमें कहा गया है कि किसी महिला को पूछताछ के लिए उसके निवास स्थान के अलावा कहीं और नहीं बुलाया जा सकता। इसके बावजूद याचिकाकर्ता संख्या-1 को थाने बुलाया गया। साथ ही, यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि उन्हें लिखित नोटिस दिया गया था या यात्रा खर्च दिया गया था, जैसा कि धारा 179(2) में आवश्यक है। रिश्वत के आरोपों पर ढीला रवैया एसपी के हलफनामे में यह स्वीकार किया गया कि रिश्वत मांगने के आरोपों में कुछ सच्चाई थी, लेकिन कार्रवाई के तौर पर केवल दो पुलिसकर्मियों को रिजर्व पुलिस लाइन भेजा गया और प्रारंभिक जांच शुरू की गई। कोर्ट ने इसे 'लापरवाह और औपचारिक रवैया' बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई। मुख्य सचिव को व्यक्तिगत हलफनामा हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को तीन सप्ताह में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह स्पष्ट करना होगा: DGP ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विपरीत ऐसा परिपत्र क्यों जारी किया; क्या BNSS की धारा 179(2) के तहत आवश्यक नियम बनाए गए हैं या नहीं; महिला याचिकाकर्ता को किस परिस्थिति में थाने बुलाया गया और क्यों।

दबंग व्यक्ति द्वारा जबरन जमीन पर कर रहा था कब्जा

● विरोध करने पर किया जानलेवा हमला ,कोराव थाने में मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोरांव ,प्रयागराज। कोराव थाना क्षेत्र के नगर पंचायत एवं कस्बा कोराव में जवाहर लाल केसरी पुत्र चतुर्गुन केसरी अपनी पुश्तैनी आबादी के जमीन पर कई पुस्त से कब्जा दाखिल है उक्त जमीन पर मकान निर्माण कर रहे थे मकान में शेष छत भर पड़ना रह गया था कि कस्बा की एक शोरे पुस्त दबंग व्यक्ति द्वारा जबरन गुंडई के बल पर निर्माण कार्य रोक रहा था प्रार्थी ने मना किया तो उक्त व्यक्ति ने लोहे की राड से प्रार्थी के लड़के रोहित केशरी एवं उनकी पत्नी पर हत्या की नीयत से जानलेवा हमला किया है जिससे सिर में काफी चोट आई है इसकी सूचना इंस्पेक्टर कोराव को दिया गया पुलिस ने नामजद रिपोर्ट अंकित केसरी सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ दर्ज कर लिया है जवाहरलाल केसरी ने बताया कि हम अपने श्रेणी (2) के आबादी पर निर्माण कर रहे थे विपक्षी की दूसरे नंबर के जमीन थी राजस्व विभाग ने स्पष्ट कर दिया है फिर भी विपक्षी नहीं मान रहा है गुंडई एवं दबंगई कर रहा है यदि समय रहते ऐसे दबंग के खिलाफ कठोर कार्यवाही समय रहते ना हुई तो कमजोर निरीह लोगों का जीना हराम हो जाएगा ।पीड़ित व्यक्ति जवाहरलाल केसरी ने पुलिस आयुक्त प्रयागराज से मांग किया है कि ऐसे दबंग के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए न्याय दिलाने की मांग किया है।

कैंब्रिज हाईस्कूल एण्ड कालेज में:छात्र - छात्राओं - को दी गई भाव - भीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। पंखा टोला स्थित कैम्ब्रिज हाईस्कूल एण्ड कॉलेज शंकरगढ़ में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों को नम आंखों से विदाई दी गई। समारोह का माहौल भावुकता और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं से भरा रहा। विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में संतोष त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को अनुशासन और परिश्रम के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक मनी शंकर दुबे ने विद्यार्थियों को ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अन्य शिक्षकों ने भी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन में संघर्ष से न घबराने का संदेश दिया। इस अवसर पर एक सामान्य ज्ञान (जीके) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विभिन्न विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। इससे कार्यक्रम में उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल बना रहा।अंत में, विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन जलपान और शुभकामनाओं के साथ हुआ। सभी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रसाशनिक अधिकारी बालेंद्र पांडे, शिक्षक मनी शंकर दुबे, सौरभ प्रकाश ,इमरान अहमद, पंकज मिश्रा ,पंकज श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, दीपक केसरवानी, नरेश श्रीवास्तव, अखिलेश पांडेय, राजेश गोस्वामी, धर्मराज कुशवाहा,आभा मिश्रा, प्रीति सेन,रीतू सुसारी,सिम्मी गुप्ता,रीना गोस्वामी, रेखा सिंह, मधु केसरवानी,ऊषा सिंह, सीमा सिंह, रूचि शुक्ला, निहारिका सेन,अंजू गुप्ता, पूनम द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिहार प्रदेश जद(यू0) संगठन प्रखण्ड अध्यक्ष का चुनाव 20 फरवरी से- प्रमोद कुमार पटेल चुनाव पर्यवेक्षक

गोपालगंज (बिहार)- जिला जेडीयू कार्यालय में जिला निर्वाची पदाधिकारी श्री आनंद किशोर जी की अध्यक्षता में संगठनात्मक चुनाव के लेकर सभी प्रखण्ड अध्यक्षों की बैठक की गई।साथ ही आज के बैठक में जिला कार्यकारी अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल जी एवं जिला निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री प्रमोद पटेल जी की उपस्थिति रही।सभी प्रखण्ड अध्यक्षों के प्रदेश से निर्देशित सभी प्रकार के नियमों और चुनावी प्रकिया के बारे में विस्तृत से चर्चा कर दिशा निर्देश दिया गया। चुनाव को सौहार्दपूर्ण तरीके से कराने के साथ तिथि का निर्धारण किया गया ,जो कि इसी महीने के 20/02/2026 तारीख से लेकर 23/02/2026 को प्रखण्ड अध्यक्षों के चुनाव को करने के लिए निर्धारित किया गया। आज के बैठक में पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश यादव जी,जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, पशुपति नाथ पटेल, जिला महासचिव ई प्रभाष शंकर, कुसुम देवी, विनोद सिंह, सत्यनारायण सिंह,मनोज सिंह,अनिल सिंह,गामा सिंह, अनवर हुसैन, हरेंद्र सिंह, लालबहादुर पाण्डेय, चंदेश्वर भारती,नीतीश पटेल, अख्तर अली, राजेश्वर सिंह,पवन सिंह, जितेंद्र सोनी, अशोक कुशवाहा, सुचिंद्र सिंह, रामाधार सिंह, ज्वाला प्रसाद, संजय सिंह, शिवनारायण पटेल, कामेश्वर महतो इत्यादि मौजूद थे।

सुल्तानपुर में अपराध पर सख्ती का ऐलान

बोलीं एसपी चारू निगम—कानून से बड़ा कोई नहीं

सुल्तानपुर – नई पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने पदभार संभालते ही अपराध और अव्यवस्था के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का संकेत दिया है। अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'कानून से बड़ा कोई नहीं है। चाहे अपराधी हो या विभाग का कोई व्यक्ति, कानून तोड़ने पर कार्रवाई तय है।' एसपी ने बताया कि जनपद में ड्रग माफिया, गोकशी गिरोह और भू-माफियाओं के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जाएगा। सरकारी और निजी जमीनों पर अवैध कब्जों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने राजस्व व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संयुक्त कार्रवाई की बात कही। चिन्हित भू-माफियाओं की सूची तैयार की जा रही है और उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार अवैध प्लॉटिंग, फर्जी बैनामा और दबंगई के जरिए जमीन कब्जाने वाले तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है। ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था पर भी एसपी ने 'नो टॉलरेंस' नीति अपनाने का संकेत दिया। अवैध टैक्सी स्टैंड, अतिक्रमण और मनमानी पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। ट्रैफिक व्यवस्था में स्थायी सुधार के लिए नई कार्ययोजना तैयार करने की भी बात कही गई है। पुलिस विभाग के भीतर अनुशासन पर जोर देते हुए एसपी ने चेतावनी दी कि लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर सख्त विभागीय कार्रवाई होगी। उन्होंने पारदर्शिता और मीडिया से नियमित संवाद बनाए रखने का भरोसा दिलाया। अपनी पहली ही प्रेस वार्ता में एसपी चारू निगम ने स्पष्ट कर दिया कि जनपद में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सख्त और निर्णायक कदम उठाए जाएंगे।

खनन विभाग की कार्रवाई, अवैध बालू लदा डंपर सीज

भदोही। थाना दुर्गागंज क्षेत्र में खनन विभाग ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बालू से लदे एक डंपर को सीज किया। सूचना के आधार पर दुर्गागंज बाजार में चेकिंग के दौरान गोपीगंज से जंघई जा रहे डंपर को रोका गया, जहां चालक वैध प्रपत्र नहीं दिखा सका।डंपर को सीज कर थाना दुर्गागंज के सुपुर्द किया गया, वहीं एआरटीओ विभाग द्वारा वाहन का चालान भी किया गया। कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा है।

यूपी बजट 2026-27 पर बलिया के व्यापारियों ने स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र से रखी अपनी राय, कहा- व्यापारियों के लिए नहीं दिखी कोई विशेष योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किए जाने के बाद बलिया में व्यापारियों ने स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के जिला कार्यालय पर आयोजित बैठक में व्यापारियों ने बजट को लेकर चर्चा की और अपनी मांगें सामने रखीं। बैठक में फेडरेशन के जिला अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि यह बजट व्यापारियों के लिए कोई खास बजट साबित नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बजट में व्यापारियों के लिए न तो कोई विशेष योजना लाई गई और न ही किसी प्रकार की राहत या छूट का प्रावधान किया गया। यदि बजट में व्यापारियों के हित में कोई विशेष स्कीम या प्रोत्साहन योजना शामिल होती तो और बेहतर होता। इसी क्रम में फेडरेशन के जिला उपाध्यक्ष आकाश पटेल ने छोटे व्यापारियों की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को बजट में छोटे और मझोले व्यापारियों के लिए विशेष प्रावधान करना चाहिए था। उन्होंने मांग की कि सरकार व्यापारियों के संरक्षण और सुविधा के लिए ठोस योजना लागू करे। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन महामंत्री जितेंद्र चतुर्वेदी ने भी व्यापारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आम जनमानस को 5 लाख तक की निशुल्क स्वास्थ्य बीमा सुविधा प्रदान की जा रही है, उसी तरह व्यापारियों को भी स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जाना चाहिए। यह व्यापारियों की पुरानी मांग है, जिसे सरकार को इस बजट में लागू करना चाहिए था। बैठक में मौजूद व्यापारियों ने एक स्वर में कहा कि सरकार को आने वाले समय में व्यापारियों की समस्याओं और मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पाकुड़िया प्रखण्ड के दो परीक्षा केंद्रों में 457 में 454 परीक्षार्थियों ने तनाव एवम् कदाचार मुक्त वार्षिक परीक्षा दी

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया स्थित उत्क्रमित कन्या एवम् चौकीसाल उच्च विद्यालय के दो परीक्षा केंद्रों पर 11 फरवरी को कुल 457 में 454 परीक्षार्थियों ने गणित विषय की वार्षिक परीक्षा में शामिल होकर तनाव एवम् कदाचार मुक्त परीक्षा दी। चौकीसाल परीक्षा केंद्र में पलियादह विद्यालय के 131 परीक्षार्थियों में 128 ने परीक्षा दी जबकि तीन परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं पाकुड़िया के कन्या उत्क्रमित हाई स्कूल केंद्र में राजकीय कृत +2 उच्च विद्यालय पाकुड़िया के 326 में सभी परीक्षार्थियों ने मैट्रिक परीक्षा दी। इस प्रकार दो परीक्षा केंद्रों में कुल 457 में 454 परीक्षार्थियों ने गणित विषय की परीक्षा दी। यद्यपि संपर्क नहीं होने के कारण +2 परीक्षा केंद्र की जानकारी नहीं मिल पाई है। परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी और पुलिस प्रशासन अलर्ट रहे।

महिला एवं पर्दानशीं बूथों के लिए मतदान कर्मियों का प्रथम चरण प्रशिक्षण संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के तहत लातेहार नगर पंचायत अंतर्गत 23 फरवरी 2026 को होने वाले मतदान को सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपादित करने के उद्देश्य से महिला बूथ एवं पर्दानशीं बूथ पर प्रतिनियुक्त मतदान कर्मियों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण आज दिनांक 11 फरवरी 2026 को डी.आर.डी.बी. सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता सामान्य प्रेक्षक योगेन्द्र प्रसाद ने की। प्रशिक्षण के दौरान प्रभारी पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग अनिल मिंज द्वारा पीठासीन पदाधिकारी, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इस क्रम में ईवीएम एवं वीवीपैट के संचालन, मॉक पोल की प्रक्रिया, मतदान प्रारंभ एवं समाप्ति की औपचारिकताएं, मतदाताओं की पहचान, महिला एवं पर्दानशीं मतदाताओं के लिए विशेष प्रावधान, आवश्यक प्रपत्रों के संधारण तथा मतदान पश्चात सीलिंग एवं सामग्री जमा करने की प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया गया। सामान्य प्रेक्षक योगेन्द्र प्रसाद ने सभी मतदान कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य को पूर्ण निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाए। उन्होंने प्रशिक्षण में दिए गए निर्देशों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन करने तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने हेतु निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस अवसर पर डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, संबंधित कोषांगों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

लातेहार नगर पंचायत चुनाव 2026: मतदान कर्मियों का सेकंड रेंडमाइजेशन सफल, 145 कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नगर पंचायत क्षेत्र के लिए मतदान कर्मियों का सेकंड रेंडमाइजेशन जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। यह पूरी प्रक्रिया एनआईसी झारखंड राज्य इकाई द्वारा विकसित ओपन इलेकॉन सॉफ्टवेयर के माध्यम से पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से की गई।सॉफ्टवेयर आधारित रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के माध्यम से मतदान कर्मियों की तैनाती में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है।

नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत कुल 22 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इन केंद्रों के सुचारु, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सेकंड चरण में कुल 145 मतदान कर्मियों का रेंडमाइजेशन किया गया, जिन्हें विभिन्न निर्वाचन दायित्व सौंपे जाएंगे। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि निर्वाचन की प्रत्येक प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जा रही है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि चुनाव से जुड़ी सभी तैयारियां समयबद्ध एवं त्रुटिरहित तरीके से पूर्ण की जाएं, ताकि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, सामान्य प्रेक्षक योगेन्द्र प्रसाद, अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश तथा जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भीखा छपरा लूटकांड पर एक्शन मोड में पुलिस, DIG और SP ने रात में किया घटनास्थल का निरीक्षण

बलिया। बैरिया थाना क्षेत्र के भीखा छपरा नई बस्ती (मुज का डेरा) में हुई सनसनीखेज लूट की घटना को लेकर पुलिस प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है। मंगलवार की रात पुलिस उपमहानिरीक्षक (छ्द्धत) आजमगढ़ परिक्षेत्र सुनील कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक बलिया ओमवीर सिंह ने पीड़ित मोतीलाल गोड़ के घर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। गौरतलब है कि 8 और 9 फरवरी की दरम्यानी रात करीब 12 से 2 बजे के बीच अज्ञात बदमाशों ने मोतीलाल गोड़ के घर में घुसकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। अधिकारियों ने निष्पक्ष एवं त्वरित जांच का भरोसा देते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। साथ ही दोषियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पुलिस को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश भी दिए गए, ताकि कानून-व्यवस्था कायम रहे और लोगों में सुरक्षा का विश्वास बना रहे।

वित्तीय जागरूकता सप्ताह का आयोजन, ग्रामीणों को दी गई बैंकिंग व साइबर सुरक्षा की जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलड़िया। भारतीय रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के निर्देशन में नौ फरवरी से 13 फरवरी तक वित्तीय जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को क्रिसिल फाउंडेशन के वित्तीय साक्षरता केंद्र नबावगंज द्वारा ब्लॉक भदपुरा क्षेत्र में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक भदपुरा के खंड विकास अधिकारी एवं बीएमएम द्वारा किया गया।

भदपुरा ब्लॉक में ई रिक्शा को खंड विकास अधिकारी राम शंकर सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया इस दौरान,ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सूरज देव, अब्दुल कादिर, ए डी ओ पंचायत रविकांत यादव, सचिन गंगवार, विशाल दीक्षित, सुरेंद्र वर्मा समेत आदि लोग मौजूद रहे जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से ई-रिक्शा के माध्यम से ग्राम डबरा डबरी में प्रचार प्रसार किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को केवाईसी, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, साइबर एवं-केवाईसी, सीकेवाईसी, धोखाधड़ी से बचाव और अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इसके साथ ही ग्राम डबरा डबरी में एक जागरूकता शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें आशा आंगनबाड़ी ने प्रतिभाग किया शिविर में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सूरज देव, उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सूरज देव ने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की बैंकिंग जानकारी अनजान लोगों से साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत बैंक या संबंधित विभाग को दें। ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे उपयोगी बताया।

भारतीय किसान यूनियन ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

● 30 से अधिक मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर। भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रीयता वादी अराजनैतिक) ने बुधवार को जिलाध्यक्ष गौरीशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। यूनियन ने जिलाधिकारी को 30 से अधिक मांगों वाला एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में थाना करौदीकला के ग्रामसभा पाकड़पुर से जुड़े एक मामले का उल्लेख है। इसमें राघवेंद्र सिंह और इंद्रसेन सिंह पर हिस्ट्रीशीटर अंकित सिंह के कहने पर थानाध्यक्ष द्वारा फर्जी मुकदमा (अ0सं0 266/25) दर्ज करने का आरोप लगाया गया है, जिसे तत्काल समाप्त करने की मांग की गई। एक अन्य शिकायत ग्राम अर्जुनपुर, थाना गोसाईगंज निवासी शकील से संबंधित है। आरोप है कि गांव के कलीम, तिजार अली, तिरवार अली, इरफान, अफरोज और सिराज द्वारा राजस्व टीम की रिपोर्ट के बावजूद शकील के खेत में अनावश्यक रूप से जुताई-बुवाई में बाधा डाली जा रही है। यूनियन ने बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में 9 फरवरी 2025 को हुई एक घटना का भी जिक्र है। बेलहरी, थाना मोतीगरपुर निवासी उत्कर्ष शुक्ला पर कोल्हुआमऊ निवासी आदर्श तिवारी को उनके घर जाकर पीटने और हाथ तोड़ने का आरोप है, जिस पर मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि उत्कर्ष शुक्ला और उनके पिता पुष्पेंद्र शुक्ला ने मोतीगरपुर थाने से मिलकर 18 फरवरी 2025 को आदर्श तिवारी के भाई हर्ष तिवारी के खिलाफ एक फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया। इस मामले में, जिनके खिलाफ गोसाईगंज और मोतीगरपुर थाने में पहले से मामले दर्ज थे, उन्होंने साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त होने के बावजूद यह फर्जी मुकदमा दर्ज कराया। शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने जांच अधिकारी को तलब किया था और क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर को मोतीगरपुर और गोसाईगंज थानों के मुकदमों को वापस लेकर निर्दोष के खिलाफ दर्ज फर्जी मुकदमे को समाप्त करने का निर्देश दिया था। हालांकि, छह माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी यह फर्जी मुकदमा समाप्त नहीं किया गया है। अंतिम शिकायत ग्राम बेलहारी, थाना मोतीगरपुर निवासी राम अवतार से संबंधित है। आरोप है कि उनके मोहल्ले के सामने बनी जल निकासी नाली को गांव के दयाराम और जयराम ने तोड़कर पाट दिया है, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। यूनियन ने नाली को खुलवाने और तोड़ने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

टीईटी अनिवार्यता पर शिक्षक-पुलिस आमने-सामने

● पुतला दहन के दौरान तीखी नोकझोंक, विरोध प्रदर्शन जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर – टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) अनिवार्यता के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रदर्शन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। तिकोनिया पार्क में शिक्षकों ने सरकार की कथित दोहरी नीति के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान पुलिस और शिक्षक नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई और धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। प्रदर्शन के दौरान नगर कोतवाल संदीप राय और पुलिस बल ने पुतला छीनने का प्रयास किया। हालांकि, शिक्षकों ने केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री जयंत चौधरी का पुतला जला दिया। बाद में पुलिस टीम ने पुतला बुझाकर अपने कब्जे में ले लिया। आक्रोशित शिक्षकों ने 'टीईटी वापस लो' और 'मुंह पर इज्जत, पीठ पर वार—यह कैसा दोहरा व्यवहार' जैसे नारे लगाए। संघ के जिला प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि वर्ष 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता को लेकर सरकार के साथ हुई बातचीत और संसद में दिए गए जवाब में विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि जब नियुक्ति के समय शिक्षकों ने सभी मानदंड और योग्यताएं पूरी की थीं, तो 20-30 साल बाद नई नीति लागू करना लाखों परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा करना है। प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर सरकार के विरोध में यह सांकेतिक पुतला दहन किया गया। संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षक एकत्रित हुए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो यह लड़ाई जिले से लेकर दिल्ली तक लड़ी जाएगी और शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष होगा। जिला संयुक्त मंत्री प्रशांत पाण्डेय ने कहा कि टीईटी/सीटीईटी की अनिवार्यता शिक्षकों के साथ धोखा और अपमान है। उन्होंने मांग की कि सरकार विधेयक लाकर इसे समाप्त करे, अन्यथा शिक्षक अपने हक की लड़ाई जारी रखेंगे। जिला उपाध्यक्ष विनोद यादव ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा-23 और एनसीटीई की 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना में न्यूनतम योग्यता तय है। उन्होंने तर्क दिया कि 25 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को दोबारा परीक्षा के कटघरे में खड़ा करना न्यायसंगत नहीं है।

बस्ती मे टेट की अनिवार्यता के विरोध मेंआदेश की प्रति जलाकर उसका विरोध प्रदर्शन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर बीएसए कार्यालय पर शिक्षको ने टेट अनिवार्यता को लेकर आदेश की प्रति जलाकर उसका विरोध प्रदर्शन किया तथा सदन में सांसदों द्वारा टेट मुद्दे को लेकर उठाये गए प्रश्नों पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के जवाब को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। बड़ी संख्या में पहुचे शिक्षको ने बीएसए कार्यालय पर नारेबाजी की और सरकार के टेट मुद्दे पर गंभीरता को न लेने पर नाराजगी व्यक्त की है। जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने बताया कि लगातार संसद में 25 से अधिक पक्ष व विपक्ष के सांसदों ने दोनों सदनों में इस मुद्दे को उठाया था और सभी मानक और परीक्षाओं को पूर्ण कर नौकरी कर रहे शिक्षको पर अचानक टेट परीक्षा पास करने के अव्यवहारिक आदेश पर केंद्रीय मंत्री के लिखित बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है, केंद्रीय मंत्री द्वारा सभी शिक्षको को टेट देने व परीक्षा पास करने की बात कही है जबकि राष्ट्रीय नेतृत्व ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिला और उन्होंने भी पूर्ण आश्वासन दिया था कि संसद सत्र में इस प्रकरण का निराकरण किया जाएगा। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि सरकार यदि टेट मुद्दे पर सरकार ने कोई निर्णय नही लिया तो 25 लाख शिक्षको के रोजी रोटी पर संकट आ जायेगा। और शिक्षक संगठन अब आर पार की लड़ाई लड़ने को भी तैयार है। तहसील अध्यक्ष प्रताप नारायण चौधरी व राजकुमार तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व दिल्ली में लगातार धरने की रणनीति बना रहा है,विगत दिनों में दो बार दिल्ली धरने को लेकर सरकार में अनुमति देने के बाद वापस ले ली। महिला शिक्षिकाओ का पक्ष रखते हुए जिला संगठन मंत्री सविता पाण्डेय, रेहाना परवीन ने बताया कि 20 से 35 साल से शिक्षिका नौकरी कर रही है और जब नौकरी में आये तो सभी मानक और परीक्षा देकर नौकरी प्राप्त की और अब अचानक से अब परीक्षा पास करने का दबाव बनाया जा रहा है जिससे नौकरी भी अब खतरे में है। प्रदर्शन करने वालो में अशोक यादव, रामभवन, मोहम्मद असलम, नीरज सिंह, बब्बन पाण्डेय, रवि सिंह, रामसागर वर्मा, अखिलेश पाण्डेय, प्रताप नारायण, उमाकांत शुक्ल, मंगला मौर्य, नवीन सिंह, संजय चौधरी, कमर खलील, हरदीप,नीतू सिंह, शत्रुजीत यादव, सुषमा, उर्मिला चौधरी, शेषमणि पटेल उपस्थित रहे।

मदरहवा कला में एक माह में जले तीन ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में आक्रोश

● घटिया ट्रांसफार्मर लगाए जाने और वर्कशॉप कर्मियों की लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। क्षेत्र के मदरहवा कला गांव में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बीते एक माह के भीतर गांव में स्थापित तीन ट्रांसफार्मर जल जाने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार ट्रांसफार्मर फुंकने की घटनाओं से गांव में अंधेरा छा जाता है, जिससे पेयजल आपूर्ति, सिंचाई व्यवस्था, घरेलू कार्यों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग द्वारा निम्न गुणवत्ता के ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, जो कुछ ही दिनों में खराब हो जाते हैं। उनका कहना है कि समस्या की जड़ रिपेयरिंग केंद्रों पर व्याप्त लापरवाही है। जहां ट्रांसफार्मरों की मरम्मत की जाती है, वहीं से कथित रूप से घटिया स्तर पर तैयार या ठीक किए गए ट्रांसफार्मर दोबारा क्षेत्र में भेज दिए जाते हैं, जो थोड़े ही समय में जल जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर जलने के बाद कई-कई दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। इससे किसानों की फसलें सूखने की कगार पर पहुंच जाती हैं और मोटर चलाने में असमर्थता के कारण सिंचाई कार्य ठप हो जाता है। वहीं गर्मी और उमस के बीच बिजली न होने से बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को विशेष कठिनाई झेलनी पड़ती है। अमरीका, दिलीप गुप्ता, राजन विश्वकर्मा, हनुमान, प्रभू, छेदी वर्मा, विशाल उपाध्याय और दुर्गेश सहित अनेक ग्रामीणों ने बताया कि विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। हर बार केवल अस्थायी मरम्मत कर समस्या को टाल दिया जाता है, जिससे कुछ ही दिनों बाद फिर वही स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि रिपेयरिंग स्थल पर गुणवत्ता की जांच ठीक से नहीं की जाती और बिना मानक परीक्षण के ही ट्रांसफार्मर वापस भेज दिए जाते हैं। यदि समय रहते दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई और उच्च गुणवत्ता के नए ट्रांसफार्मर नहीं लगाए गए, तो ग्रामीण आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने, गुणवत्तापूर्ण ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने तथा गांव की विद्युत व्यवस्था को स्थायी रूप से दुरुस्त करने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

चावल कारोबार में 9 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

जान से मारने की धमकी भी दी, एफआईआर दर्ज

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में चावल कारोबार से जुड़ी एक बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। तालाबपुरा निवासी एवं भारती ट्रेडर्स प्राइवेट्स की प्रोपराइटर भारती जैन ने फर्म यश ट्रेडर्स प्राइवेट्स के प्रोपराइटर यश वर्मा तथा ब्रोकर सौरभ जैन के खिलाफ धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता के अनुसार, उनकी फर्म द्वारा चावल मंगाने के लिए ब्रोकर सौरभ जैन के माध्यम से यश ट्रेडर्स को ऑर्डर दिया गया था। आरोप है कि माल भेजने के नाम पर यश वर्मा ने एडवांस राशि की मांग की, जिस पर विश्वास कर 15 सितंबर 2025 को ऑनलाइन माध्यम से 9 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। इसके बावजूद न तो तय शर्तों के अनुसार चावल की आपूर्ति की गई और न ही पूरी रकम वापस की गई। शिकायत में बताया गया कि लगातार मांग के बाद 2 जनवरी 2026 को आरोपियों की ओर से मात्र 50 हजार रुपये वापस किए गए, जबकि शेष 8.50 लाख रुपये हड़प लिए गए। पीड़िता का यह भी आरोप है कि जब शेष रकम और माल की मांग की गई तो आरोपियों ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस की धारा 316(2) व 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला व मासूम घायल, मामला दर्ज

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक सड़क हादसे में महिला और एक वर्षीय मासूम गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पाली के ग्राम निवाई निवासी गौराबाई पत्नी स्व. जनकू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 29 जनवरी 2026 को शाम करीब 4 बजे वह अपने भतीजे के इलाज के लिए ललितपुर आई थीं। इलाज के बाद वह अपनी दादी गौराबाई तथा एक वर्षीय भतीजे के साथ बाइक से वापस गांव लौट रही थीं। इसी दौरान मसौरा बैरियर के पास सामने से आ रही हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल (संख्या यूपी 94 डब्ल्यू 0579) के चालक ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों सड़क पर गिर पड़े, जिससे दादी गौराबाई के पैर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई, जबकि मासूम भतीजे को नाक व शरीर में तथा गौराबाई को हाथ-पैर में चोटें लगीं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दादी व मासूम को भर्ती किया गया। उपचार के बाद फिलहाल सभी घर पर रहकर इलाज करा रहे हैं। पीड़िता ने बताया कि इलाज में व्यस्त रहने के कारण तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई जा सकी। बाद में कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी गई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 281 व 125(ए)(बी) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

जमीन विवाद में महिलाओं सहित चार लोगों से मारपीट

लाठी-डंडों से हमला, थाना बार में एफआईआर दर्ज

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तुर्रा में जमीन विवाद को लेकर मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम तुर्रा निवासी मुकेश पुत्र रामसेवक लोधी ने थाना बार में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि 9 फरवरी 2026 को सुबह करीब 9 बजे उनकी मां कस्तूरी पत्नी रामसेवक शौच के लिए घर के पास बनी बाड़ी में गई थीं। उसी दौरान गांव के ही त्रिलोक पुत्र मंगल लोधी, गोविंद्र पुत्र त्रिलोक लोधी, रविंद्र पुत्र लखनराज तथा नरेंद्र पुत्र रामसेवक, निवासी ग्राम किलवास, थाना जखौरा, वहां पहुंचे और जमीन को अपनी बताते हुए दीवार निर्माण करने लगे।

आरोप है कि जब कस्तूरी देवी ने दीवार बनाने से रोका तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। शोर सुनकर मुकेश अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे और विरोध किया, जिस पर आरोपियों ने लाठी-डंडों व लात-घूंसों से हमला कर दिया। मारपीट में मुकेश, राजेंद्र व अखिलेश घायल हो गए। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 352 व 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

शिक्षा के मंदिर में मर्यादा की धज्जियां सोनभद्र की घटना शिक्षा के आंगन में फूहड़ता का तांडव, आखिर कब तक?

● विद्या के धाम में मर्यादा का चीरहरण-सोनभद्र की घटना ने उठाए गंभीर सवाल

ज्ञान के आंगन में फूहड़ता का शोर-सोनभद्र की घटना ने प्रशासन को घेरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र (गुरमा) उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद से एक ऐसी शर्मनाक तस्वीर सामने आई है, जिसने शिक्षा जगत को स्तब्ध कर दिया है। जहाँ एक ओर हम नई शिक्षा नीति के जरिए चरित्र निर्माण की बात कर रहे हैं, वहीं गुरमा स्थित एक इंटरमीडिएट कॉलेज में मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दी गई। विद्या की देवी माँ सरस्वती के पूजनोत्सव और विदाई समारोह (Farewell) के नाम पर जो फूहड़ता परोसी गई, उसने विद्यालय प्रबंधन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। घटनाक्रम के अनुसार, विद्यालय परिसर में विदाई समारोह के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाया गया। हैरानी की बात यह है कि शैक्षणिक संस्थान में भक्ति या प्रेरक गीतों के बजाय भोजपुरी के अश्लील गानों पर छात्र-छात्राएं झूमते नजर आए। हद तो तब हो गई जब छात्रों ने सरेआम अपनी शर्ट उतार दी और अर्द्धनग्न होकर अभद्र तरीके से डांस किया। यह कृत्य माँ सरस्वती के अपमान के साथ-साथ शिक्षा की गरिमा पर एक बड़ा कलंक है। इस घटना ने समाज के सामने कई कड़वे सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या प्रधानाचार्य और शिक्षकों की मौजूदगी में यह सब संभव है? क्या विद्यालय प्रशासन ने इस अश्लीलता को रोकने का प्रयास किया या वे खुद इसका हिस्सा थे? क्या विदाई समारोह का अर्थ अब केवल शोर- शराबा और अनुशासनहीनता रह गया है। स्थानीय लोगों का आक्रोश केवल इस डांस तक सीमित नहीं है।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस विद्यालय की आड़ में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। लोगों की मांग है कि इस संस्थान के आंतरिक क्रियाकलापों की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि शिक्षा के नाम पर चल रहे किसी भी अनैतिक कार्य का पर्दाफाश हो सके। इस घटना को केवल बच्चों की नादानी कहकर दबाया नहीं जा सकता। इसके लिए ठोस कदम उठाने होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) को तुरंत संज्ञान लेते हुए विद्यालय की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। स्थानीय पुलिस को सार्वजनिक स्थान पर अश्लीलता फैलाने और शोर प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर FIR दर्ज करनी चाहिए। यदि आज इस पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले समय में अन्य शिक्षण संस्थान भी ऐसी अराजकता को बढ़ावा देंगे। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं, बल्कि एक सभ्य नागरिक तैयार करना है। यदि शिक्षण संस्थान ही अपनी मर्यादा खो देंगे, तो हम आने वाली पीढ़ी से शिष्टाचार और नैतिकता की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? यह समय है कि समाज और शासन मिलकर ऐसे शिक्षा के व्यापारियों के खिलाफ मोर्चा खोलें और विद्या के मंदिरों की शुचिता बनाए रखें।

साइबर अपराध से बचाव को लेकर जखौरा पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को सतर्क करने के उद्देश्य से थाना जखौरा की साइबर क्राइम सेल द्वारा बुधवार को साइबर क्राइम जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन में संचालित किया गया, जिसमें थाना क्षेत्र के नागरिकों को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने साइबर बुलिंग, ऑनलाइन स्टॉकिंग, फिशिंग, ऑनलाइन ठगी, आइडेंटिटी थेफ्ट सहित अन्य साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही लोगों को डीप फेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग, डिजिटल अरेस्ट जैसे नए साइबर फ्रॉड के तरीकों से भी अवगत कराया गया। पुलिस ने आमजन से अपील की कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और केवल प्ले स्टोर या आईओएस जैसे आधिकारिक प्लेटफॉर्म से ही ऐप डाउनलोड करें। बैंकिंग से जुड़ी कोई भी जानकारी, ओटीपी या पासवर्ड किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करने की सलाह दी गई। सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जोर देते हुए कहा गया कि बिना सत्यापन किसी भी पोस्ट को साझा न करें, अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और सभी सुरक्षा फीचर सक्रिय रखें। इसके अलावा, कॉल के माध्यम से मिलने वाले किसी भी तरह के लालच, ऑफर या धमकी से सावधान रहने तथा सभी डिजिटल अकाउंट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में मजबूत पासवर्ड और टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन अनिवार्य रूप से ऑन रखने की बात कही गई। पुलिस ने बताया कि यदि किसी प्रकार का साइबर फ्रॉड होता है तो पीड़ित तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, पोर्टल या वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही नजदीकी थाना या डायल-112 पर सूचना देकर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित कराएं, ताकि साइबर अपराध के गोल्डन ऑवर में वित्तीय नुकसान को रोका जा सके।

घर में घुसकर गाली-गलौज व मारपीट

जान से मारने की धमकी, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झरकौन में घर में घुसकर महिला से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति-पत्नी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम झरकोन निवासी सविता पत्नी धर्मेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 9 फरवरी 2026 को शाम करीब 7 बजे वह अपने घर पर मौजूद थीं। इसी दौरान गांव के ही सुलिलाल तथा उसकी पत्नी विनिता उनके घर आए और गाली-गलौज करने लगे। पीड़िता की जेठानी रामकुंवर द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने सविता व रामकुंवर के साथ लात-घूंसों से मारपीट कर दी। आरोप है कि मारपीट के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद से पीड़िता व उसके परिजन भय के माहौल में हैं। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने बीएनएस की धारा 352, 115(2) व 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

महिला से मारपीट व रंगदारी मांगने का आरोप

● शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। थाना मड़ावरा क्षेत्र अंतर्गत एक महिला ने दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज, रंगदारी मांगने और शिकायत करने पर धमकाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस पर भी प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज न करने का आरोप लगाते हुए उच्चाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। मड़ावरा कस्बा निवासी पूजा सोनी पत्नी रोहित सोनी ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 25 जनवरी 2026 को वह अपने दो बच्चों के साथ घर पर मौजूद थीं। इसी दौरान पड़ोस के कुछ लोग व एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि उक्त लोगों ने उसके व पति के साथ मारपीट की कर दरवाजा भी तोड़ दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने 5 हजार रुपये की रंगदारी की मांग की। रकम देने से मना करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने डायल 112 पर कॉल किया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद थाना मड़ावरा में शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। मजबूर होकर पीड़िता ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, लेकिन उस पर भी सुनवाई नहीं हुई। आरोप है कि 4 फरवरी 2026 को जब पीड़िता ने उत्तर प्रदेश महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई तो दबाव में आकर स्थानीय पुलिस ने उन्हें थाने बुलाया

और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद से पूरा परिवार भय के माहौल में जी रहा है और उनके पति घर से बाहर जाने को मजबूर हैं। महिला ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में ललितपुर प्रथम

● राजस्व और विकास कार्यों में हुआ अभूतपूर्व सुधार

75 जिलों में पहले पायदान पर पहुंचा ललितपुर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के कुशल नेतृत्व में जिले को एक बड़ी उपलब्धी मिली है, सीएम डैशबोर्ड की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जिले को राजस्व और विकास कार्यों में प्रथम स्थान मिला है, जिससे जिले में अब अन्य जिलों की रैंकिंग में सबसे पहले पायदान पर पहुंच गया है। डीएम की दूरदर्शी सोच के चलते राजस्व एवं विकास कार्यों में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। इसके लिए उन्होंने अपनी प्रशासनिक टीम की प्रसंशा करते हुए इसी लगन से कार्य करने के निर्देश दिये हैं। विकास को परखने के लिए सीएम डैशबोर्ड पर प्रतिमाह कई सूचकांकों पर राजस्व व विकास कार्यों का डाटा अपलोड किया जाता है, जिससे प्रदेश के सभी जनपदों की रैंकिंग निर्धारित की जाती है। इसके लिए प्रतिमाह जिलाधिकारी सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश जारी करते हैं। हालही में डीएम ने कम प्रगति वाले विभागों के अधिकारियों को सुधार का अल्टीमेटम देते हुए प्रगति सुधारने के निर्देश दिये थे, जिसके चलते इस माह जिले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धी मानी जा रही है, जहां रैंकिंग में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिला है। इससे न केवल जनपद के विकास को गति मिलेगी, बल्कि जिले में स्थानीय लोगों को रोजगार व स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। डीएम ने बताया कि प्रदेश की रैंकिंग में ललितपुर को राजस्व व विकास मामलों में प्रथम स्थान मिला है, वहीं विकास कार्यों में दूसरा व राजस्व कार्यों में 5वां स्थान प्राप्त हुआ है। रैंकिंग में अतिरिक्त ऊर्जा, अल्पसंख्यक कल्याण छात्रवृत्ति, उद्यान, ऊर्जा, कृषि, ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, दुग्ध विकास, दिव्यांग पेंशन, नमामि गंगे, पंचायती राज, सामाजिक वानिकी, प्राथमिक शिक्षा,

पशुधन, पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, श्रम एवं सेवायोजन, उद्योग, समाज कल्याण, सहकारिता, सिंचाई सहित अन्य विभागों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10 में से 10 अंक प्राप्त किये हैं। एडीएम अंकुर श्रीवास्तव ने बताया कि डीएम के निर्देशन में राजस्व व प्रवर्तन कार्यों में तेजी आयी है, जिससे रैंकिग विगत माहों की अपेक्षा काफी सुधरी है। उन्होंने अपनी टीम में ईडीएम अंशुल खरे व अन्य कार्मिकों का उत्साह वर्द्धन करते हुए कहा कि इसी वेग के साथ राजस्व कार्यों को लक्ष्यों तक पहुचाना है।

सोनभद्र समर्पण दिवस पर याद किए गए पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अंत्योदय के संकल्प को दोहराया

● विचारों को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि डॉ. धर्मवीर तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। 11 फरवरी 2026 स्थान स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह, रॉबर्ट्सगंज भारतीय राजनीति के पुरोधा और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि बुधवार को रॉबर्ट्सगंज नगर स्थित स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में समर्पण दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके आदर्शों को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर तिवारी ने पंडित जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का उदाहरण है। उनकी पुण्यतिथि केवल एक तिथि नहीं, बल्कि उनके विचारों को अपने आचरण में उतारने और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान का संकल्प लेने का दिन है। डॉ. तिवारी ने वर्तमान भारत की नीतियों को पंडित जी के दृष्टिकोण से जोड़ते हुए कहा कि आज का आत्मनिर्भर भारत अभियान वास्तव में गांवों के गरीबों, किसानों और मजदूरों के भविष्य को संवारने का माध्यम बन रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वोकल फॉर लोकल का मंत्र दीनदयाल जी के स्थानीय अर्थव्यवस्था के विजन को धरातल पर उतार रहा है। उन्होंने उदाहरण दिया कि जिस प्रकार कोविड-19 के संकट काल में भारत ने न केवल खुद को संभाला बल्कि विश्व को टीके मुहैया कराए, वह पंडित जी के समग्र मानवतावाद के दर्शन की वैश्विक जीत है। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने पंडित जी के अंत्योदय (पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का उदय) के सिद्धांत पर

चलने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान वक्ताओं ने समाज में समरसता और सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करने पर बल दिया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से सभासद विनोद सोनी, अखिलेश कश्यप, राहुल, सत्यम, संजय, रवि, राजू, रोहित, विशाल सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र सेवा के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

कोई भी बच्चा अधिकारों से वंचित नहीं रहेगा, अब मिल सकेगा सरकारी योजनाओं का लाभ- जिलाधिकारी सत्य प्रकाश

● सहरिया बाहुल्य ग्रामों में विशेष अभियान, 307 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जनपद ललितपुर में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश द्वारा जनहित के मामलों को गंभीरता से लेते हुए सहरिया जनजाति के बच्चों के लिए एक विशेष पहल की गई। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित नियमित जनता दर्शन एवं जनसुनवाई के दौरान कुछ सहरिया जनजाति के परिजन अपने बच्चों के साथ उपस्थित हुए थे। उन्होंने अवगत कराया कि उनके बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र अब तक जारी नहीं हुए हैं, जिसके कारण न तो आधार कार्ड बन पा रहे हैं और न ही वे शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं।

जनसुनवाई से समाधान तक — प्रशासन की संवेदनशील पहल

परिजनों ने यह भी बताया कि जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में बच्चों को विद्यालयी प्रवेश, छात्रवृत्ति एवं अन्य शासकीय सुविधाओं में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने इस समस्या को अत्यंत गंभीरता से लिया और स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र बच्चा केवल दस्तावेजों के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने केवल उपस्थित परिवारों की समस्या के समाधान तक ही स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि जनपद के समस्त सहरिया जनजाति बाहुल्य ग्रामों की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर जिला पंचायत राज अधिकारी एवं समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विकास खंडों के अंतर्गत सहरिया जनजाति बहुल ग्राम पंचायतों में विशेष अभियान एवं शिविर आयोजित कर ऐसे बच्चों का चिन्हांकन करें, जिनके जन्म प्रमाण पत्र अब तक जारी नहीं हुए हैं। साथ ही घर-घर संपर्क स्थापित कर आवश्यक अभिलेख एकत्रित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत कराना सुनिश्चित करें।

इसी क्रम में विकास खंड की ग्राम पंचायत धौर्रा, पिपरई, मड़ौन, कपासी एवं भारौन में विशेष अभियान चलाया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा घर-घर सर्वेक्षण कर 0 से 15 वर्ष तक के ऐसे बच्चों की पहचान की गई, जिनके जन्म प्रमाण पत्र नहीं बने थे। आवश्यक सूचना एवं अभिलेख प्राप्त कर त्वरित कार्यवाही करते हुए कुल 307 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए। ग्राम पंचायतवार विवरण इस प्रकार है - ग्राम पंचायत धौर्रा - 74, ग्राम पंचायत पिपरई - 35, ग्राम पंचायत मड़ौन - 60, ग्राम पंचायत कपासी - 59, ग्राम पंचायत भारौन - 79, जन्म प्रमाण पत्र जारी होने से अब इन बच्चों के आधार कार्ड

बनाए जा सकेंगे तथा विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को छात्रवृत्ति, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी।

यह पहल न केवल जिला प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने निर्देशित किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान निरंतर संचालित किए जाएं, ताकि कोई भी पात्र बच्चा दस्तावेजों के अभाव में अपने संवैधानिक एवं शासकीय अधिकारों से वंचित न रहे। प्रशासन द्वारा शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े अधिकारों की सुनिश्चितता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

सीडीओ के औचक निरीक्षण से चोपन ब्लॉक में मचा हड़कंप, अनुपस्थित सचिव को नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चोपन (सोनभद्र) 7 11 फरवरी 2026 जनपद सोनभद्र की मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) जागृति अवस्थी ने बुधवार को विकास खण्ड चोपन का औचक निरीक्षण किया। इस अचानक हुई कार्रवाई से ब्लॉक परिसर में दिनभर अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं की धरातल पर स्थिति और कार्यालयी अनुशासन की जांच करना था। सीडीओ जागृति अवस्थी ने निरीक्षण के दौरान ब्लॉक परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यालय के महत्वपूर्ण अभिलेखों, पंजिकाओं और योजनाओं से संबंधित दस्तावेजों की गहनता से जांच की।

प्रारंभिक जांच में अधिकांश रिकॉर्ड और व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के समय ब्लॉक में तैनात अधिकांश ग्राम सचिव अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद मिले, लेकिन सचिव वीरेंद्र सिंह कार्यालय से अनुपस्थित पाए गए। सीडीओ ने उनकी अनुपस्थिति को अनुशासनहीनता मानते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन्हें तत्काल स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया जाए। सीडीओ ने सचिव आकांक्षा जायसवाल को निर्देशित किया कि विभिन्न विकास कार्यों की गति में तेजी लाई जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। विकास कार्यों की गुणवत्ता (Quality) से कोई समझौता नहीं होगा। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालयी कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने जन शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण और ग्रामीण विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बल दिया कि योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर बैठे पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी (BDO) सहित अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।निरीक्षण कर्ता सीडीओ जागृति अवस्थी, कार्रवाई सचिव वीरेंद्र सिंह को नोटिस जारी, मुख्य निर्देश कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना, लक्ष्य जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण।

भारतीय महिला अधिकार संरक्षण संस्थान में शक्ति पाठक को मिली अहम जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। भारतीय महिला अधिकार संरक्षण संस्थान ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र मिश्रा एवं महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महासचिव रेखा तिवारी के अनुमोदन एवं मंडल प्रभारी प्रमोद बबेले की संस्तुति पर जिले की वरिष्ठ महिला समाजसेवी शक्ति पाठक को संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। संस्थान द्वारा जारी मनोनयन पत्र के माध्यम से उन्हें क्षेत्रीय अध्यक्ष (कानून), बुंदेलखंड प्रांत के पद पर मनोनीत किया गया है। संस्थान के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि श्रीमती शक्ति पाठक का मनोनयन संगठन के अभियान को मजबूती प्रदान करने, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से किया गया है। संस्थान को आशा है कि वे संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए महिला अधिकार संरक्षण अभियान का विस्तार करेंगी और इसके कार्यों को सुदृढ़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगी। उल्लेखनीय है कि शक्ति पाठक शहर के मोहल्ला आजादपुरा की कॉलोनी में निवासरत हैं और सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी सक्रियता पहले से ही सराहनीय रही है। उनके मनोनयन से बुंदेलखंड क्षेत्र में महिला अधिकारों से जुड़े मामलों को कानूनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संस्थान के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने शक्ति पाठक को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व में महिला अधिकार संरक्षण संस्थान का अभियान और अधिक प्रभावी रूप से आगे बढ़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनायी गई

प्रतापगढ़। एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर बुढ़वार को अफीम कोठी सभागार में समर्पण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, पूर्व जिला अध्यक्ष केके सिंह एवं ओमप्रकाश त्रिपाठी ने पंडित जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि पंडित जी का अंत्योदयश् दर्शन आज भी विकास का मूल मंत्र है।इस संदर्भ में उन्होंने भारत सरकार की तमाम योजनाओं का उदाहरण दिया। पूर्व अध्यक्ष केके सिंह ने उनके सादगीपूर्ण जीवन और वैचारिक निष्ठा पर प्रकाश डाला। पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया।इस अवसर पर समस्त कार्यकर्ताओं ने उनके पद चिन्हों पर चलने की शपथ ली। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेश सिंह राम आसरे पाल अशोक सरोज, संतोष मिश्रा, कृष्णकान्त मिश्र, बृजेन्द्र सिंह छोटे भइया, माधुरी सिंह, रूची केशरवानी अंशुमान सिंह सूर्य प्रकाश पटेल, ओम प्रकाश पाण्डेय गुड्डू राघेवन्द्र शुक्ला बृजेश पाण्डेय, अनिल सिंह सभासद विक्रम सिंह सहित सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चौबेपुर थाना क्षेत्र के भिण्डुरी, नया पुरवा में गैस सिलेंडर विस्फोट, एक घायल

कानपुर। आज दिनांक 11.02.2026 को पीआरबी के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भिडुरी का पुरवा, साई मेडिकल कॉलेज के पास गैस सिलेंडर फटने की घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया है। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची। मौके पर जांच करने पर ज्ञात हुआ कि श्री नरेश शुक्ला उर्फ रमा शुक्ला पुत्र स्व. उजियारी लाल के किराए के मकान में रमेश चंद्र दुबे पुत्र मानूलाल, निवासी दुबियाना, थाना शिवराजपुर, कानपुर नगर, उम्र लगभग 65 वर्ष, किराए पर कमरा लेकर रह रहे थे तथा मजदूरी का कार्य करते हैं। बीती रात्रि खाना बनाकर सोते समय गैस बंद करना भूल जाने के कारण कमरा चारों ओर से बंद होने से उसमें अत्यधिक गैस भर गई, जिससे रात्रि लगभग 00:40 बजे गैस विस्फोट हो गया। विस्फोट के परिणामस्वरूप कमरे की दो दीवारें गिर गई, जिससे रमेश चंद्र दुबे घायल हो गए, जिन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौबेपुर भेजा गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। घटना में पड़ोस में संबंधी राजेश कुमार शुक्ला पुत्र स्व. उजियारी लाल की तीन बकरियों पर दीवार का मलबा गिर गया, जिसमें एक बकरी की मौके पर ही मृत्यु हो गई तथा दो अन्य बकरियाँ गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बकरियों के उपचार हेतु पशु चिकित्सालय, चौबेपुर को सूचना देकर इलाज कराया गया है तथा मृत बकरी के संबंध में पोस्टमार्टम की कार्रवाई हेतु रिपोर्ट भेजी जा रही है। मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था पूर्णतः सामान्य है। लॉ एंड ऑर्डर की कोई समस्या नहीं है।

वन और पानी बचाने के लिए आएं आगे- शैलेन्द्र द्विवेदी

कोंच(जालौन)- अशोक शुक्ला महिला पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एक दिवसीय शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। प्राचार्य डॉ शैलेंद्र कुमार द्विवेदी ने जल और वनों का महत्व बताते हुए छात्राओं से कहा कि खुद भी और दूसरों को भी पानी बचाने और वनों का संरक्षण करने के लिए प्रेरित करें। शिविर की शुरुआत छात्राओं द्वारा गाए गए एनएसएस गीत से हुई। इस एक दिवसीय शिविर में छात्राओं को जल संरक्षण एवं वन संरक्षण के बारे में बताते हुए प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि जल ही जीवन है। जल की एक-एक बूंद कीमती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक होने के नाते सभी लोगों का यह कर्तव्य है कि जल को बचाएं और अपने घर के आसपास कहीं भी जहां जगह मिले वहां पौधारोपण जरूर करें ताकि हमारे चारों ओर का वातावरण अच्छा रहे और हमें स्वच्छ हवा मिलती रहे। देखा जा रहा है कि आज के दौर में पानी की बर्बादी अधिक हो रही है। सरकारी नलों व समर्सेबल के द्वारा पानी का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। एक बाल्टी पानी की आवश्यकता है और पांच बाल्टी पानी बर्बाद किया जा रहा है। जल ही जीवन है के नारे को सार्थक करने की जरूरत है। कार्यक्रम अधिकारी यूनिट प्रथम नौशाद अहमद, यूनिट द्वितीय अंजना द्विवेदी, प्राध्यापक डॉ. अखिलेश विक्रम, डॉ. वीरेंद्र त्रिपाठी, धनेंद्र श्रीवास्तव, महेंद्र परिहार आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

लेंबोर्गिनी एक्सीडेंट मामले में ड्राइवर मोहन को कोर्ट में पेश किया, पुलिस ने कहा कार शिवम् मिश्रा ही चला रहा था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर के लेम्बोर्गिनी एक्सीडेंट मामले में कथित ड्राइवर ने बुधवार दोपहर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। वकील के साथ वह कोर्ट पहुंचा और मीडिया से बातचीत में ड्राइवर मोहन ने कहा कि शिवम मिश्रा की गाड़ी मैं ही चला रहा था। शिवम को दौरा पड़ गया था। उस वक्त मैं घबरा गया था। कुछ समझ नहीं आया। इसी वक्त हादसा हो गया। जब शीशा तोड़ा और दरवाजा खोला गया तो मैं नीचे से निकल गया था। बाउंसर ने शिवम को निकाला था। हादसे के बाद मैं कोने में खड़ा हो गया था। शिवम को दूसरी गाड़ी में ले जाया गया था। उन्होंने बताया कि हम सभी गाड़ी चला लेते हैं। बता दें कि लेम्बोर्गिनी कार ने रविवार को 6 लोगों को कुचल दिया था। इसका वीडियो सामने आया। पुलिस कमिश्नर ने जांच के हवाले से दावा किया कि लेम्बोर्गिनी तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा का बेटा शिवम ही चला रहा था। शिवम मिश्रा का नाम भी एफआईआर में जोड़ा गया है। बुधवार को ष्छ्रूरू7 कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। जिला

शासकीय अधिवक्ता दिलीप अवस्थी ने कहा- 66 आरोपी शिवम मिश्रा की ओर से उनके वकील ने जब्त लेम्बोर्गिनी कार को रिलीज कराने के लिए अर्जी दाखिल की है। सुनवाई के दौरान मोहन ने कहा कि गाड़ी वह ड्राइव कर रहा था, जबकि कानपुर पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट में शिवम मिश्रा को ही आरोपी ड्राइवर बताया है। मंगलवार दोपहर मामले में नया ट्विस्ट आया। कारोबारी पिता केके मिश्रा ग्वालटोली थाने पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि हादसे के वक्त बेटा शिवम नहीं, बल्कि ड्राइवर मोहन लेम्बोर्गिनी कार चला रहा था। शिवम उस वक्त सो रहा था। केके मिश्रा ने कहा- हादसे के बाद कार लॉक हो गई थी, जिससे बेटे की तबीयत बिगड़ गई। ठीक होने पर बेटे को लेकर मैं खुद थाने आऊंगा। मीडिया ने पूछा कि पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि गाड़ी शिवम चला रहा था। इस पर पिता ने जवाब दिया- पुलिस कमिश्नर झूठ बोल रहे हैं। वहीं, कारोबारी के वकील ने दावा किया कि शिवम बेहोश है और दिल्ली में भर्ती है।

उधर, कारोबारी केके मिश्रा का दावा पुलिस की जांच में पूरी तरह से झूठा निकला है। पुलिस की जांच में CCTV, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और कई ऐसे अहम सबूत सामने आए हैं। इससे साफ हो गया है कि कार को शिवम मिश्रा ही ड्राइव कर रहा था, हादसा उसी से हुआ था। कार में कोई दूसरा व्यक्ति या ड्राइवर मौजूद नहीं था।

पुलिस ने जांच रिपोर्ट में स्मार्ट सिटी के तहत नगर निगम की ओर से लगाए गए सीसीटीवी की फुटेज भी हासिल किया है। नगर निगम के कंट्रोल रूम से पुलिस को मिले CCTV में पूरा हादसा कैद हुआ है। पुलिस ने इसे भी बेहद अहम सबूत मानते हुए अपनी जांच रिपोर्ट में शामिल किया है। इस फुटेज से भी साफ है कि गाड़ी में कोई ड्राइवर नहीं था, सिर्फ एक व्यक्ति ही मौजूद था। इससे आरोपी शिवम मिश्रा के पिता केके मिश्रा का दावा झूठा होने का सबसे मजबूत सबूत है। इधर वादी ने अपने बयान में भी शिवम को पहचाना हादसे की FIR दर्ज कराने वाले घायल चमनगंज घुसियाना निवासी मो. तौफीक के बयान दर्ज किए हैं। वादी ने अपने बयान में बताया कि लेम्बोर्गिनी कार में सिर्फ एक ही व्यक्ति ड्राइविंग सीट पर था।

करीब चालीस फिट नीचे रोहिन नहर में पलटा टेम्पू

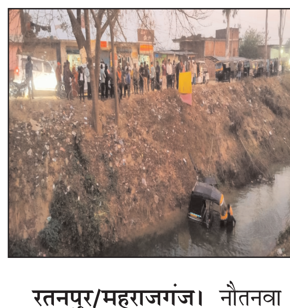

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया नहर चौराहे के पास बुद्धवार की शाम सवारी बैठाने के चक्कर मे एक टेम्पू करीब चालीस फिट नीचे रोहिन नहर में जाकर पलट गई। गनीमत यह रहा कि टेम्पू में न चालक था और न ही कोई सवारी थी नही तो बड़ी घटना घट सकती थी। बताया जा रहा है परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महदेईया निवासी एक टेम्पू चालक मिश्रौलिया नहर रोड के पास टेम्पू चालू कर सवारी बैठाने के लिए नीचे उतरा तभी अचानक टेम्पू 40 फिट नीचे नहर में चली गई। लोगों ने बताया कि लापरवाह चालक गेर लगाकर ही नीचे उतर गया जिस वजह से टेम्पू नहर में जा गिरी। टेम्पू में सवारी नही थे नही तो बड़ी घटना घट सकती थी। नहर से टेम्पू निकालने के लिए देर शाम लोगों ने घंटो मशक्कत किया तब जाकर टेम्पू बाहर निकला।

प्रधानाध्यापक द्वारा पत्रकार को हाथ पैर तोड़ने की दी गई धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। परिषदीय विद्यालयों में चल रही मनमानी व विभागीय व्यवस्था के डर भय से दूर शिक्षकों की करतूतों को प्रकाश लाना उनके द्वारा मामला उठाने वाले का गुनाह मान लिया जा रहा है और अपना गुनाह छिपाने की आड़ में पत्रकार का ही हाथ पैर तोड़कर दिमाग ठीक करने की खुलेआम धमकी दी जा रही है। विद्यालय से पलायित रहने और परिषदीय भवन के निर्माण में धांधली करने वाला प्रधानाध्यापक शिक्षक की मान मर्यादा के विपरीत अमर्यादित भाषा का उपयोग करते हुए पत्रकार को हाथ पैर तोड़ने की धमकी दे रहा है। बात बिहार ब्लॉक के टेकी पट्टी ग्राम पंचायत में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों के समय पर नहीं आने की है। स्कूल के प्रधानाध्यापक के समय से स्कूल नहीं पहुंचने की शिकायत पूर्व प्रधान समेत ग्रामीणों द्वारा एक पत्रकार से किया गया। पत्रकार ने 10 फरवरी की सुबह करीब साढ़े दस बजे टेकीपट्टी विद्यालय पहुंचे तो वहां के प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र मिश्रा स्कूल में मौजूद नही मिले। ऐसी स्थिति में पत्रकार ने खंड शिक्षा अधिकारी बंशीधर पांडेय को अवगत कराया तो उन्होंने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।जब पत्रकार ने हेडमास्टर धर्मेन्द्र मिश्र को फोन कर उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने मीटिंग में होने की बात बताई। पत्रकार द्वारा बीआरसी में सम्पर्क किया गया तो बताया गया कि हेडमास्टर की कोई मीटिंग नहीं है। मामले का खुलासा होने पर उक्त प्रधानाध्यापक पत्रकार को गाली गलौज कर हाथ पैर तोड़ने की धमकी देने लगा।उक्त प्रकरण में पत्रकार ने बाघराय थाना पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उक्त प्रकरण मे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मामले की जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

18 फरवरी से 12 मार्च तक होंगी यूपी बोर्ड परीक्षाएं, 92,444 परीक्षार्थी होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2026, जो 18 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक संपन्न होंगी, उनकी तैयारियों को लेकर बुधवार को एचबीटीयू विश्वविद्यालय के शताब्दी भवन में बैठक आयोजित की गई। शासन स्तर से जारी निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित तिथि से पूर्व समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं। प्रश्नपत्रों के सुरक्षित भंडारण की सुदृढ़ व्यवस्था, सीसीटीवी की सतत निगरानी, प्रकाश, पेयजल, शौचालय, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि 92,444 परीक्षार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी, शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराई जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनपद में हाईस्कूल के कुल 46430 एवं इंटरमीडिएट के कुल 46014 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे । जनपद के 124 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा संपन्न होगी जिनमें 07 राजकीय माध्यमिक विद्यालय,73 अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय एवं 44 वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में परीक्षा होगी। बोर्ड परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जनपद में जोनल, सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक एवं बाह्य केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति की गई है। जोनल मजिस्ट्रेट

09, सेक्टर मजिस्ट्रेट 16, स्टैटिक मजिस्ट्रेट 124, केन्द्र व्यवस्थापक 124, बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक 124, रंजीत कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), कमिश्नरेट कानपुर नगर ने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई एवं संरक्षण तथा सचल दल की सुरक्षा हेतु सशस्त्र पुलिस बल उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी। किसी भी अवांछित गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की बात कही गई।

मारपीट में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत, केस दर्ज

सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के तालकुंडा ग्राम पंचायत के केवटलिया टोले में हुई मार-पीट में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। ढेबरुआ थानाक्षेत्र के केवटलिया में गत आठ फरवरी को पड़ोसी महिलाओं के बीच कहासुनी हो गई।मामला मारपीट तक पहुंच गया। मारपीट में कृष्णावती(49) पत्नी लालजी गंभीर रुप से घायल हो गई। परिजन उसे तुरंत पीएचसी बढ़नी ले गए। जहां से चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा था लेकिन उसकी स्थिति में सुधार न होने के कारण चिकित्सकों ने मंगलवार को रात में उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया लेकिन परिजनों ने उसे जिला मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस ने आठ फरवरी को मृतका की देवरानी बिन्दू की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों सुरेन्द्र चौहान, सरिता, संजना, सविता, शीला के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया था। इस संबंध में ढेबरुआ एसओ नारायण लाल श्रीवास्तव ने बताया कि चार महिलाओं सहित पांच लोगों के खिलाफ पहले ही मारपीट का मुकदमा दर्ज हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सुसंगत धाराओं की वृद्धि की जाएगी। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता थे पं दीनदयाल उपाध्याय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता पं दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को भारतीय जनता पार्टी दक्षिण जिला द्वारा बुधवार को 'समर्पण दिवस' के रूप में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, प्रदेश, क्षेत्र, जिला एवं मण्डल पदाधिकारियों के साथ शक्तिकेंद्र और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। केशव नगर स्थित राधे ग्रीन गेस्ट हाउस में आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल, पूर्व मंत्री पं. बालचंद्र मिश्र एवं दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पं दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि 25 सितंबर 1916 को जन्मे पं दीनदयाल उपाध्याय आधुनिक भारत की वैचारिक धारा के सशक्त स्तंभ थे। उन्होंने अंत्योदय–अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान–और एकात्म मानववाद के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। उनका मानना था कि जब तक देश से निर्धनता और अशिक्षा दूर नहीं होगी, तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारतीयता, धर्म, राष्ट्रवाद और अंत्योदय की अवधारणा ही भारत को पुनः विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित कर सकती है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने सुशासन और ग्रामीण उत्थान के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में पं दीनदयाल के पदचिन्हों का अनुसरण किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'लोकल से वोकल' और आत्मनिर्भर भारत का अभियान उनके ही आदर्शों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंत्योदय की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। आज केंद्र सरकार की नीतियों में पं दीनदयाल उपाध्याय के विचार स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के प्रति तन-मन से समर्पित रहने का संकल्प लिया और समर्पण राशि अर्पित की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूनम द्विवेदी, पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, कौशल किशोर दीक्षित, प्रकाश वीर आर्य, भूपेंद्र त्रिपाठी, राम बहादुर यादव, गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी, शिवम मिश्रा, अनुराग शुक्ला, अरविन्द वर्मा, अर्जुन बेरिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीडीओ ने सीएम डैशबोर्ड व विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

● सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में अपेक्षित प्रगति न होने पर सख्त हुईं सीडीओ, प्रतिकूल प्रविष्टि के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा ने विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान कई विभागों की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में छात्रवृत्ति एवं शादी अनुदान तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में छात्रवृत्ति योजनाओं की अपेक्षित प्रगति न होने पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी/जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री कुसुम योजना में धीमी प्रगति पर उप कृषि निदेशक को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री आवास योजना में प्रगति कम पाए जाने पर परियोजना निदेशक डीआरडीए पर नाराजगी व्यक्त करते हुये शीघ्र सुधार के निर्देश दिए गए। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में पोषण अभियान की प्रगति संतोषजनक न होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी पर नाराजगी व्यक्त की गई। वहीं पीएम सूर्य घर योजना में अपेक्षित प्रगति न होने पर अतिरिक्त ऊर्जा विभाग प्रभारी/डीसी मनरेगा पर नाराजगी व्यक्त की गयी। समाज कल्याण विभाग में अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति योजना में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त न होने पर भी जिला समाज कल्याण अधिकारी पर नाराजगी व्यक्त की गयी। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना एवं ओडीओपी टूलकिट योजना की खराब प्रगति पर उद्योग विभाग के सहायक आयुक्त उद्योग को फटकार लगाते हुये यथाशीघ्र टूलकिट वितरण एवं शत-प्रतिशत प्रशिक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।सीडीओ ने स्पष्ट कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड पर रिपोर्टिंग से पूर्व आंकड़ों की गहन समीक्षा कर लें तथा खराब रैंकिंग की स्थिति में आसपास के जनपदों से समन्वय स्थापित कर सुधार की रणनीति बनाएं। उन्होंने विकास कार्यों से संबंधित बी, सी एवं डी श्रेणी के फार्मूले को समझकर प्राथमिकता के आधार पर रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए और सीएम डैशबोर्ड की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, डीसी मनरेगा संतोष कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर तीसरे दिन भी किया धरना/ प्रदर्शन

● आरोपियों के गिरफ्तारी तक जारी रहेगा धरना/ प्रदर्शन- राजेश कुमार मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, जिले के मोहाना थाना क्षेत्र के रोडीला गांव के सिंगहा टोला में संग्रह अमीन के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ ने आक्रोश व्याप्त है। कलेक्ट्रेट परिसर में तीसरे दिन बुधवार को भी धरना-प्रदर्शन करते हुए दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी व उनका शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए जाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा की नेतृत्व में संग्रह अमीनों ने घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

3 चार फरवरी को उस समय घटित हुई जब बकाया न जमा करने पर कुर्की के लिए संग्रह अमीन सुभाष चंद्र उक्त गांव पहुंचे। ग्राम निवासी अनिल कुमार व अखिलेश कुमार पुत्र शोभ नारायण पर ग्रामीण बैंक शाखा मोहाना बाजार का 5,05,160 रुपये बकाया है। बकाया न जमा करने पर उनके खिलाफ आरसी जारी हो चुकी थी।नायब तहसीलदार के साथ संग्रह अमीन सुभाष चंद्र संपत्ति कुर्क करने पहुंचे थे। मौके पर पहुंचते ही दोनों भाई आग बबूला हो गए और संग्रह अमीन पर हमला बोल दिया। वहां मौजूद ग्रामीणों ने किसी तरह बीच-बचाव कर उनकी जान बचाई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। घटना से नाराज अमीन संघ ने जिलाधिकारी से आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो तहसील स्तर पर वसूली कार्य का बहिष्कार किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। रामेश कुमार मिश्र, कौलेश्वर पांडेय, संतोष कुमार श्रीवास्तव, शिवाल्या प्रसाद, रमेश चंद, शिव सागर, अरविन्द तिवारी, अरविन्द मिश्र, राजेश सहित अन्य उपस्थित रहे।

खेत में काम करते समय किसान की संदिग्ध हालात में मौत

उरई(जालौन)- सिरसाकलार थाना क्षेत्र के लौना गांव में किसान देवेंद्र सिंह (48 वर्ष) खेत में काम करते समय संदिग्ध परिस्थितियों में बेहोश होकर गिर पड़े। परिवारजनों को जब इसकी जानकारी हुई तो आनन-फानन में उन्हें ग्वालियर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक देवेंद्र सिंह मंगलवार की दोपहर रोज की तरह खेत पर कार्य करने गए हुए थे। काफी समय तक घर न लौटने पर परिजनों ने मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बाद में ग्रामीणों ने उन्हें खेत पर बेहोश पड़ा देखा और इसकी सूचना उनके छोटे भाई राकेश सिंह को दी। राकेश और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे और तुरंत उन्हें अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद उनकी स्थिति गंभीर बताई और भर्ती कर लिया, लेकिन देर रात उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सिरसाकलार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि देवेंद्र सिंह पूरी तरह स्वस्थ थे और रोज की तरह खेत पर कार्य करने गए थे। अचानक इस तरह हालत बिगड़ने से सभी हैरान हैं। परिजनों ने किसी तरह की शंका जाहिर नहीं की है, लेकिन मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। घटना के बाद पत्नी मंजनी देवी, बेटा अनुपम और बेटी का रो-रो कर बुरा हाल है।

एमपीडीएसी के स्वयंसेवकों ने साफ सफाई कर स्वच्छता का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्थानीय मथुरा प्रसाद महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय एक दिवसीय सामान्य शिविर का आयोजन बुधवार को महाविद्यालय परिसर में किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी लवकेश कुमार के निर्देशन में स्वयंसेवक छात्र छात्राओं ने समूचे महाविद्यालय परिसर में प्लास्टिक एवं कचरे को अलग-अलग कर वृहद स्तर पर साफ-सफाई करते हुए स्वच्छता का सन्देश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय विक्रम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ रहने के लिए घर से लेकर आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखना बेहद आवश्यक है। लवकेश कुमार ने कहा कि हम लोगों ने अपने मन में एक सपना पाल रखा है कि भारत को स्वच्छ, स्वस्थ एवं खुशहाल बनाना है, इसके लिए हम सभी को आगे आकर कार्य करना होगा। डॉ ओमप्रकाश यादव ने कहा कि वातावरण को साफ एवं स्वच्छ बनाए रखने से तात्पर्य है खुद को स्वस्थ रखना। डॉ अल्पना सिंह ने कहा कि हमारे आसपास गंदगी फैलने का मतलब है स्वयं को बीमार होने की दावत देना। डॉ हरिश्चंद्र तिवारी ने 'भारतीय संस्कृति की एक पुकार , स्वच्छता है हमारा अधिकार' का नारा दिया। खुशबू, राधिका, मोहिली, नन्दनी, रितिका, पूनम, महक, बुलबुल, नैन्सी सोनी, कीर्ति श्रीवास्वव, अक्षय, आर्यन, आयुष पाटकार, कीमती देवी, सन्तोषी गौतम, प्रज्ञा अग्रवाल, शैलजा, निधि तिवारी, प्रशान्त पाटकार, अंकित, बबली, वैष्णवी मिश्रा, खुशी, प्रतिज्ञा उपाध्याय, सौम्या बवेले, आयशा गुप्ता, सृष्टि चतुर्वेदी आदि स्वयंसेवक छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

मां-बेटी से छेड़छाड़ व मारपीट का आरोप, वीडियो वायरल

उरई(जालौन)- गोहन थाना क्षेत्र के एक गांव में मां-बेटी के साथ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने गांव के ही एक युवक और एक महिला पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़िता युवती का आरोप है कि वह अपनी मां के साथ मजदूरी कर घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही युवक और एक महिला ने उन्हें रोक लिया। युवती के मुताबिक, उसके साथ अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ की गई। विरोध करने पर मां सहित उसके साथ मारपीट की गई। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसी बीच किसी व्यक्ति ने विवाद का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वायरल वीडियो में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और हाथापाई होती दिखाई दे रही है। पीड़ित पक्ष ने गोहन थाना पुलिस को लिखित शिकायत दी है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधान के आवास पर देर रात विस्फोट

सुल्तानपुर में सुतली बम से हमले का आरोप

सुल्तानपुर- कोतवाली देहात क्षेत्र के जुराड़ा ग्राम पंचायत के प्रधान अनिल मिश्रा के लोहरामऊ स्थित आवास पर मंगलवार देर रात संदिग्ध विस्फोट हुआ। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची देहात कोतवाली पुलिस को मौके पर सुतली बम फटने जैसे संकेत मिले हैं। विस्फोट की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग सहम गए। पुलिस ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

देहात कोतवाल धर्मवीर सिंह ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। तहरीर मिलने और जांच पूरी होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। एक सीसीटीवी फुटेज में तीन युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर प्रधान के घर पर कुछ फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें से एक काली जैकेट पहने युवक ने सुतली बम जैसी वस्तु फेंकी, जबकि सफेद और काले शर्ट पहने दो अन्य युवक उसके साथ थे। प्रधान अनिल मिश्रा ने थाने में घटना की तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। देहात कोतवाल ने पुष्टि की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

करोड़पति की कार से एक्सीडेंट मामले में रिपोर्ट कर्ता ने किया समझौता, बेटे की जगह चालक पेश

कानपुर। यहां के बहुचर्चित करोड़पति तम्बाकू व्यवसाई के के मिश्रा के बेटे शिवम द्वारा किए गये लेम्बोर्गिनी कार से चार लोगों को टक्कर मारने के मामले में एकदम से नया मोड़ आ गया है। ऐसा मुकदमा जारी करने वाले वादी द्वारा समझौता कर लेने और बेटे शिवम की जगह चालक मोहन द्वारा कार चलाने की बात कहने और इस आधार पर कोर्ट में अर्जी डालने की वजह से हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक पहले कथित ड्राइवर ने दोपहर में कोर्ट में सरेंडर कर दिया। फिर मुकदमा दर्ज कराने वाले मो. तौसीफ ने समझौता कर लिया। यह बात अलग है कि कोर्ट ने आरोपी नहीं मानते हुए ड्राइवर मोहन की अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पुलिस रिपोर्ट में आरोपी शिवम है, मोहन का कहीं नाम नहीं है। इसलिए उसकी जमानत याचिका मंजूर नहीं की गई। कार अभी थाने में ही रहेगी। इसी मामले में इससे पहले ड्राइवर मोहन वकील नरेंद्र कुमार यादव के साथ कोर्ट पहुंचा। मोहन ने कहा कि शिवम मिश्रा की गाड़ी मैं ही चला रहा था। शिवम को दौरा पड़ गया था। इस बीच उसने आगे जो बयान दिया उसके मुताबिक उसका कहना है कि उस वक्त मैं घबरा गया था। कुछ समझ नहीं आया। उसी वक्त हादसा हो गया। जब शीशा तोड़ा और दरवाजा खोला गया तो मैं नीचे से निकल गया था। बाउंसर ने शिवम को निकाला था। हादसे के बाद मैं कोने में खड़ा हो गया था। शिवम को दूसरी गाड़ी में ले जाया गया था। फिलहाल पुलिसअपनी जांचके आधार पर ही अग्रिम कार्रवाई पर लगातार जुटी हुई है। पुलिस की जांच के जाड़े मेंकर चालक के रूप में अभी तक शिवम ही आरोपी साबित हुआ है। जिसके आधार परकार्रवाई की जा रही है।

हनुमान जयंती भव्यता से मनाने जनसंपर्क अभियान शुरू

ललितपुर। श्री रामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति के तत्वाधान समिति संचालक पं.रमेश कुमार रावत के नेतृत्व में आज चंडी मंदिर, स्टेशन क्षेत्र में जनसंपर्क व अंशदान लेने हेतु हनुमान जयंती पर्व को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी संबंध में श्री रामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति के पदाधिकारी अंशदान व आप सभी के विचार लेने के लिए नगर में जनसंपर्क कर रहे है। नगरवासियों से समिति ने सुझाव भी मांगे हैं ताकि हनुमान जयंती पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा सके। इस दौरान समिति अध्यक्ष पं.बृजेश चतुर्वेदी, अशोक पटैरिया, पं.जगदीश पाठक, प्रबंधक हरविंदर सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष राजेश दुबे, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, मंत्री राकेश तामिया, पं.मुन्नालाल त्यागी, भरत रिछारिया, अवधेश कौशिक, कृष्णकांत तिवारी, पत्रकार पवन संज्ञा, शिवमोहन रिछारिया, के.के. साहू, आदि मौजूद थे।

श्रीभूमि जिले के आनिपुर पूर्त सड़क का आरसीसी पुल टूटने से चार घायल! इलाके में गंभीर तनाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : खतरा कभी भी पूर्व सूचना के साथ नहीं आता–किसी भी समय, किसी भी पल यह घट सकता है। ठीक इसी तरह श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के आनिपुर पूर्त सड़क इलाके में एक भीषण दुर्घटना हुई। आज 11 फरवरी (बुधवार) को अचानक सड़क के बीच में स्थित एक आरसीसी पुल गिर गया। इस अचानक घटना से कुछ ही क्षणों में पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पुल टूटने की वजह से दो मिट्टी और सेंटी से भरे डंपर, दो ऑल्टो कारें, एक बोलरो पिकअप, एक मोटरसाइकिल और एक छोटा ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए। इस भयानक दुर्घटना में कम से कम चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए। स्थानीय निवासियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और घायल लोगों को पुल के नीचे से निकालकर रामकृष्णनगर अस्पताल भेजा। बताया जा रहा है कि उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद से ही इलाके में गंभीर तनाव पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से पुल की स्थिति अत्यंत खतरनाक थी, लेकिन उचित मरम्मत या निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। प्रशासन की भूमिका पर कई लोगों ने सवाल उठाए हैं। इस घटना को लेकर इलाके में शांत और गंभीर माहौल कायम है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई करने और इस घटना की सही तरीके से जांच कराने की मांग की है।

पीएस कालिंदी कुंज पुलिस ने 18 घंटे में सुलझाया लूट का मामला, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली : कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लूट के एक मामले का मात्र 18 घंटे के भीतर सफल खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटा गया सैमसंग एस24 एफई मोबाइल फोन बरामद किया है, जबकि एक अन्य सह-आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 09 फरवरी 2026 को रात लगभग 9:15 बजे पीएस कालिंदी कुंज में पीसीआर कॉल के माध्यम से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे स्थित खादर पुलिया बस स्टैंड के पास लूट की घटना की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां शिकायतकर्ता जगदीश सिंह, पुत्र लक्ष्मण सिंह, निवासी मदनपुर खादर, सरिता विहार, नई दिल्ली (आयु 42 वर्ष, एलआईसी कर्मचारी) मौजूद मिले। शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर थाना कालिंदी कुंज में एफआईआर संख्या 125/2026 दिनांक 10.02.2026 धारा 309/3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए निरीक्षक जतन सिंह, एसएचओ कालिंदी कुंज के नेतृत्व और निगरानी में निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह, एटीओ, एएसआई राकेश, हेड कांस्टेबल हरीश, हेड कांस्टेबल कुलश्रेष्ठ, हेड कांस्टेबल भारत तथा कांस्टेबल अभय की एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों के लगभग 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया।

स्थानीय खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी की मदद से चार संदिग्धों की पहचान की गई, जिनमें से तीन आरोपियों को घटना के मात्र 18 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि एक सह-आरोपी अभी फरार है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया।पूछताछ के दौरान आरोपियों ने लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उन्होंने बताया कि वे आसान शिकार की तलाश में इलाके की रेकी कर रहे थे और बस स्टैंड के पास अकेले खड़े पीड़ित को देखकर उसे निशाना बनाया। वारदात के बाद उन्होंने मोबाइल फोन छिपा दिया था, जिसे बाद में उनकी निशानदेही पर बरामद किया गया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर अन्य मामलों में उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है तथा फरार सह-आरोपी नूर नवी की तलाश जारी है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिलवर अली 23 वर्ष निवासी मदनपुर खादर; सोरिफुल 19 वर्ष, निवासी मदनपुर खादर; तथा मोहिन 22 वर्ष निवासी मदनपुर खादर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपियों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। वहीं फरार आरोपी नूर नवी, निवासी मदनपुर खादर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।6 दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त कार्यालय के अनुसार, पुलिस की तत्परता, तकनीकी विश्लेषण और सतर्क कार्रवाई के चलते इस मामले का शीघ्र खुलासा संभव हो सका तथा आगे भी क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान जारी रहेगा।

रानीगंज के शिवगढ़ विकास खंड के सभागार में हुआ विधिक सेवा शिविर का आयोजन

● लोगों को विधिक रूप से शसक्त बनाना विधिक साक्षरता शिविर का उद्देश्य-सिविल जज सी डिवीजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ के तत्वावधान में विकास खंड शिवगढ़ सभागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सचिव सिविल जज सीनियर डिवीजन शांभवी द्वितीय का खंड विकास अधिकारी संजय नारायण झा द्वारा बुके भेंट कर अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिविर में उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए सचिव ने कहा कि संविधान में अनुच्छेद 39 में सभी को न्याय का अधिकार प्राप्त है। अशिक्षा जागरूकता की कमी या आर्थिक कारण से कोई भी महिला दिव्यांग वरिष्ठ नागरिक पिछड़े अनुसूचित जाति जनजाति व समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रह सकता। उसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण में निःशुल्क न्याय की व्यवस्था की गई है । प्रत्येक तहसील में लीगल एड क्लीनिक पर नियुक्त स्वयंसेवक के माध्यम से प्राप्त समस्या का समाधान प्राधिकरण द्वारा किया जाता है कोई भी पीड़ित व्यक्ति अपनी समस्या के समाधान हेतु सीधे प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। लोक अदालत में सुलह समझौते के माध्यम से बैंक बीमा विद्युत एमवी एक्ट वैवाहिक विवाद का निपटारा करा सकते हैं या टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में उपस्थित तहसीलदार रानीगंज अजय संतोषी ने तहसील स्तर पर होने वाली जनसुनवाई की जानकारी प्रदान की।

मिशन शक्ति प्रभारी थाना रानीगंज सारिका शर्मा ने महिलाओं की सुरक्षा स्वावलम्बन व सशक्तिकरण साइबर क्राइम सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर जानकारी दी। सीएचसी रानीगंज की डॉ सुषमा ने सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर जागरूक किया। जिला प्रोवेशन विभाग की जिला समन्वयक जया यादव ने बाल सेवा योजना कन्या सुमंगला विधवा पेंशन योजना की पात्रता व लाभ के बारे में बताया। पराविधिक स्वयंसेवक दिनेश कुमार मिश्र ने नशामुक्ति दैवीय आपदा सहायता घरेलू हिंसा मानव तस्करी विषय पर अपनी बात रखी। पराविधिक स्वयंसेवक महेंद्र कुमार त्रिपाठी सुरेंद्र सरोज प्रीति दूबे ने भी लोगो को जानकारी दी शिविर का संचालन पराविधिक स्वयंसेवक अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पराविधिक स्वयंसेवक अवधेश चौधरी, राजेश त्रिपाठी, सर्वेश दूबे, जितेंद्र कुमार, गिरीश पांडेय, सुनील मिश्रा, विशाल त्रिपाठी, वंदना शुक्ला, सरिता मौर्य, श्रद्धा त्रिपाठी, बीएमएम विपिन मिश्रा, आंगनवाड़ी आशा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं ब्लॉक के कर्मचारी सफाई कर्मी सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रमोद व मोना ने योगी सरकार के बजट को निराशाजनक तथा जनता के साथ छलावा दिया करार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने प्रदेश की योगी सरकार के विधानसभा में पेश किये गये बजट को जनता के साथ विश्वासघात करार देते हुए इसे निराशाजनक कहा है। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि यह घोर निराशाजनक, किसान, युवा एवं बेरोजगार विरोधी बजट है। नेताद्वय ने साफ कहा है कि बजट में बेरोजगार युवाओं को धोखा मिला है। बकौल आराधना मिश्रा मोना अनुदेशकों के लिए उच्च न्यायालय ने बढ़े मानदेय और एरियर का आदेश दिया, लेकिन सरकार ने बजट में कोई प्रावधान नहीं किया। बजट में नई योजनाओं को पांच प्रतिशत भी नहीं दिया। नेताद्वय ने कहा कि आश्चर्य है कि नौ लाख बारह हजार करोड़ में नई योजनाओं में तो सिर्फ तैतालिस हजार करोड़ रुपये मिले हैं।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि प्रदेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण निवेश, युवाओं के रोजगार और बुनियादी ढांचे के लिए कोई ठोस प्रबंध नहीं किये। प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि आउटसोर्सिंग के लिए बीजेपी योगी आदित्यनाथ सरकार ने घोषणा की थी कि न्यूनतम मानदेय देंगें लेकिन बजट में कोई आवंटन नही, ये नौजवानों को धोखा है। सीएलपी नेता आराधना मिश्रा मोना ने बजट में पूर्वांचल और बुंदेलखंड के पिछड़ेपन को दूर करने को लेकर भाजपा योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा की गई उपेक्षा पर नाराजगी व्यक्त की है। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा की प्रदेश के सैतीस पिछड़े जिले पूर्वांचल और बुंदेलखंड से आते हैं, इसीलिए कांग्रेस सरकारों ने पूर्वांचल और बुंदेलखंड के लिए विशेष पैकेज की व्यवस्थाएं प्रावधान की थी लेकिन इस बजट में भी पूर्वांचल और बुंदेलखंड को निराशा हाथ लगी है।सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि कृषि प्रधान प्रदेश का मुख्यमंत्री होने के नाते योगी आदित्यनाथ को बजट में किसानों के लिए कोई नई योजनाएं नहीं है। मुफ्त बिजली की घोषणा हवा में ही है।ऐसे में किसानों की आय दुगुनी करने का जुमला मौजूदा विकास दर में बावन वर्षो में पूरा हो सकता है। आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि सरकार एक लाख पचीस हजार करोड़ का वित्तीय घाटा पूरा करने की योजना पर मौन है,उसके लिए जरूरी संसाधन का बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। सांसद प्रमोद तिवारी एवं कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि इस बजट से यह साबित हो गया कि यह सरकार का अंतिम और विदाई का बजट है। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी एवं सीएलपी नेता आराधना मिश्रा ने कहा कि यह स्पष्ट है कि प्रदेश की जनता 2027 में बीजेपी सरकार की विदाई सुनिश्चित करेगी। सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना का बजट पर यह संयुक्त बयान मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से बुधवार को यहां निर्गत किया गया है।

बाइक की टक्कर से महिला घायल, इलाज के दौरान मौत

दुर्घटना/हादसा

लालगंज, प्रतापगढ़। बाइक की टक्कर से महिला की मौत हो गयी। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। लालगंज कोतवाली के केदौरा परसरवा गांव की लाली 60 पत्नी मथुरा बीती मंगलवार की शाम घर के सामने बैठी थी। इसी दौरान उधर से गुजर रहे तेज गति की बाइक सवार ने वृद्धा को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गयी। परिजन उसे इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज ले आये। यहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान रात में ही वृद्धा की मौत हो गयी। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के दो पुत्र अनिल व राधेश्याम तथा चार पुत्रियां सीता, प्रियांशु, रीता व गीता हैं। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

महिला पर पड़ोसियों का हमला, हाथ कटा

● जमीन विवाद में मारपीट, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- बल्दीराय थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर पड़ोसियों ने एक महिला और उसकी मां पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला का हाथ कट गया और उसे गंभीर चोटें आई, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। यह घटना 17 जनवरी को बेराता एजर गांव में हुई। पीड़िता कल्पना पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 17 जनवरी को उनके पड़ोसी संदीप पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, राजेश पाण्डेय, कृष्ण कुमार पाण्डेय और शिव कुमार पाण्डेय जबरन उनकी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से आए थे।

जब कल्पना और उनकी मां माधुरी पाण्डेय ने उन्हें रोका, तो आरोपियों ने उन्हें मां-बहन की गालियां दीं और मारपीट शुरू कर दी। कल्पना के अनुसार, संदीप पाण्डेय ने जान से मारने की नीयत से राजगीर की कन्नी (करणी) से उनके सिर पर वार किया। कल्पना ने बचाव के लिए भागने की कोशिश की, लेकिन कन्नी उनके बाएं हाथ में लग गई, जिससे उनका हाथ कट गया। इसके बाद आरोपी उन्हें मारने की नीयत से घर में घुस गए। जब कल्पना की मां बीच-बचाव करने आई, तो उन्हें भी लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा गया। संतोष पाण्डेय ने कल्पना के पेट पर कई लातें मारीं, जिससे उन्हें अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। कल्पना और उनकी मां के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे, जिसे देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें बल्दीराय थाने चलने को कहा। थाने पहुंचने पर कल्पना पाण्डेय का मेडिकल परीक्षण कराया गया। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार प्रार्थना पत्र दिए हैं, लेकिन आरोपियों के प्रभाव के कारण आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कल्पना पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक से अपनी प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

श्रीभूमि जिले के सिंगलाछड़ा में मॉडल सेकेंडरी स्कूल का उद्घाटन

● विधायक विजय मालाकार बोले– शैक्षिक संरचना में बागान क्षेत्र पीछे नहीं है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सिंगलाछड़ा में नवनिर्मित मॉडल सेकेंडरी स्कूल का उद्घाटन आज 11 फरवरी (बुधवार) को आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। विद्यालय का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक विजय मालाकार ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई तथा उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक विजय मालाकार ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा के प्रयासों से राज्य के बागान क्षेत्रों में व्यापक विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार सड़क निर्माण, शैक्षणिक संस्थानों के विकास में पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बागान क्षेत्र के चाय समुदाय के लोगों के मूल अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और भूमि पट्टों का वितरण किया जा रहा है, ताकि चाय श्रमिक प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित न रहें। विधायक ने कहा कि शैक्षिक संरचना में बागान क्षेत्र पीछे नहीं है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार बागान क्षेत्रों में शिक्षा संरचना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान संभव हो सके। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताया। साथ ही आगामी चुनाव में असम के विकास को ध्यान में रखते हुए पुनः समर्थन देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में दुल्लभछड़ा जिला परिषद सदस्य पंकज राय शर्मा, चेरागी एपी सदस्य, भेटारबंद जीपी के अध्यक्ष बिमल नाथ, विभागीय अभियंता, सिंगलाछड़ा जीपी की अध्यक्ष संगीता कैरी, समाजसेवी उमा शंकर बनिया, मनिता नाथ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मॉडल स्कूल के निर्माण हेतु जिन महानुभाव ने भूमि दान की, उनके प्रति विधायक विजय मालाकार ने विशेष आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने स्वयं अपने हाथों से उन्हें पारंपरिक गमछा (तौलिया) भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके इस सराहनीय एवं समाजहितैषी कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कालेज में वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह भव्य रूप से संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कालेज में विद्यालय का वार्षिकोत्सव एवं इंटरमीडिएट की छात्राओं का विदाई समारोह अत्यंत भव्य एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम में युवा नेता विशाल विक्रम, सह जिला विद्यालय निरीक्षक आरपी सरोज तथा डीसी माध्यमिक रंजन प्रताप की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि प्रेमलता सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बालिकाओं के विद्यालय में आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां सशक्त हैं और सफलता के मार्ग पर निरंतर अग्रसर हैं। उनके उत्थान और विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने नगर पालिका के माध्यम से विद्यालय में एक स्मार्ट टॉयलेट स्थापित कराने की घोषणा भी की। भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि ये बेटियां विकसित भारत का उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्हें पूर्ण रूप से सशक्त और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना हम सबकी जिम्मेदारी है।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की मेधावी छात्राओं तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को और भी आकर्षक बना दिया। समारोह में प्रधानाचार्य गीता यादव, उप प्रधानाचार्य डॉ. मोहम्मद अनीश, समस्त विद्यालय परिवार, कार्यालय स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। अंत में उप प्रधानाचार्य डॉ. मोहम्मद अनीश ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 70 मरीजों की आंखों का हुआ परीक्षण, बंटा चश्मा

लालगंज, प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर ब्लाक के पूरनपुर खजूर में बुधवार को निःशुल्क नेत्र शिविर में 70 मरीजों की आंखो का परीक्षण हुआ। लालगंज के संगम चौराहे स्थित आर्यावर्त हास्पिटल के तत्वावधान में आयोजित शिविर में 25 मरीजों को निःशुल्क चश्मा प्रदान किया गया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डा0 धर्मेन्द्र सिंह ने लोगों को आंखों की देखरेख को लेकर जागरूकता भी प्रदान की। शिविर में दस रोगियों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर में डा0 धीरज व गौरव तथा अतुल ने नेत्र विकार से सावधानी व इलाज के बाबत जानकारियां प्रदान की। आयोजक अशोक कुमार यादव ने शिविर का संयोजन किया। इस मौके पर नागेन्द्र सिंह, राम सिंह, वंशी लाल, अभिनव यादव आदि रहे।

आनंदेश्वर मंदिर में श्रीशतचंडी रुद्र महायज्ञ कानपुर के उद्योगपति व्यापारी व भक्तों के कल्याण हेतु

कानपुर। श्री आनंदेश्वर मंदिर में सतचंडी रुद्र महायज्ञ के द्वितीय दिवस पर आज 21 आचार्य व शास्त्री द्वारा हवनकुंड में आहुति के साथ जूना अखाड़ा संरक्षक अखाड़ा परिषद महामंत्री परम पूज्य हरि गिरि जी महाराज ने मंदिर प्रशासन से फोन पर वार्ता करते हुए जानकारी दी कि महायज्ञ के कहा कि कानपुर बाबा आनंदेश्वर मंदिर में महायज्ञ कानपुर के उद्योगपति व्यापारी व भक्तों के उत्थान विकास कल्याण सहित सुख शांति समृद्धि के लिए आयोजन किया गया श्री शतचंडी रुद्रमहायज्ञ कानपुर बाबा आनंदेश्वर मंदिर के विकास व जीवउद्धार की मनोकामना के लिए भी संकल्प लिया गया है आज जूना अखाड़े के गुरु मूर्ति व मंदिर के कोठारी महान परम पूज्य महाकाल गिरी जी महाराज परम पूज्य जूना अखाड़ा सचिव विवेक पुरी जी महाराज परम पूज्य हितेश गिरी जी महाराज परम पूज्य इच्छा गिरी जी महाराज परम पूज्यअत्रिवन जी महाराज सुनील गिरी जी महाराज मथुरा गिरी जी महाराज अजय पुजारी संजय पुजारी के के तिवारी अनूप मिश्रा व जूना अखाड़ा मीडिया प्रभारी आशुतोष कुमार अंश ने आज नवग्रह की पूजा करते हुए महायज्ञ में सम्मिलित हुए 21 आचार्य ने विधि विधान मंत्रउच्चारण के साथ आज मंदिर परिषद में महायज्ञ का शुभारंभ किया ?जूना अखाड़ा मीडिया प्रभारी आशुतोष कुमार अंश ने बताया कि इस महायज्ञ आयोजन देवताओं की आराधना जिससे मंदिर परिषद का विकास और भक्तों का कल्याण हेतु यह महायज्ञ रखा गया है जूना अखाड़ा संरक्षक व अखाड़ा परिषद महामंत्री परम पूज्य हरि गिरि जी महाराज ने बाबा आनंदेश्वर के भक्तों के कल्याण के लिए मंदिर के विकास हेतु महाशिवरात्रि से पूर्व एक सप्ताह पहले ही महाशिवरात्रि पर्व के रूप में महायज्ञ का आयोजन करने का मंदिर प्रशासन को दिया था निर्देश चंडी पाठ को शक्ति का स्त्रोत कहा गया है, और शक्ति किसी विशेष कर्म को क्रियांवित करने का मूल है। शतचंडी पाठ भी विशिष्ट परिस्थितिओं में शक्ति का आवाहन है। यह विशेषतः षट कर्मों के लिए होता है, अथवा ऐसी परिस्थिति के लिए जिसके आगे आप विवश हैं।